हिन्दी दैनिक

# प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● शनिवार ● 31.08.2024 ● वर्ष : 15 ● अंक : 42 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

### राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंची पोषण सखी दीदियों ने हेमन्त सोरेन से की मुलाकात

# सरकार ने साढ़े चार वर्षों में राज्य हित में कई अहम निर्णय लिए : मुख्यमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय परिसर में राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंची पोषण सखी दीदियों ने मुलाकात कर मुख्यमंत्री का आभार जताया। पोषण सखी दीदियों ने 29 अगस्त को मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य सरकार द्वारा पूर्व में कार्यरत अतिरिक्त आंगनबाड़ी सेविका-सह-पोषण परामर्शी (पोषण सखी) के पुनर्बहाली की स्वीकृति दिए जाने के निर्णय को लेकर मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते उनका आभार व्यक्त किया। साथ ही कहा कि राज्य सरकार के इस निर्णय से हम सभी पोषण सखी काफी हर्षित और उत्साहित हैं। पोषण सखी दीदियों ने मुख्यमंत्री से कहा कि आपके कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार समस्त राज्य वासियों को उनका हक-अधिकार देने का काम निरंतर कर रही है। राज्य सरकार द्वारा जनहित में लिया गया हर निर्णय सराहनीय है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने पोषण सखी दीदियों से कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में उनकी सरकार राज्यहित में कई अहम निर्णय लिए हैं। राज्य सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण नीति का निर्धारण भी किया गया है, जिसका लाभ राज्यवासियों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी वर्ग-समुदायों को उनका हक-अधिकार उपलब्ध कराने के साथ-साथ राज्य की नारी शक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए उनकी सरकार समर्पित रही है। राज्य सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी योजनाओं को गांव-गांव, घर-घर तक पहुंचाने का काम किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंडवासियों की उम्मीदों, आकांक्षाओं और विश्वास के अनुरूप योजनाओं को धरातल पर उतारा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार आने वाले दिनों में भी जनहित का कार्य निरंतर करती रहेगी।

इस मौके पर मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर, मंत्री बेबी देवी, मंत्री दीपक बिरुआ, विधायक सुखराम उरांव, विधायक दशरथ गागराई, विधायक समीर मोहंती, विधायक संजीव सरदार, विधायक मंगल कालिंदी, विधायक निरल पूर्ति, विधायक कल्पना सोरेन के अलावा विभिन्न जिलों से पहुंची पोषण सखी दीदियां उपस्थित रहीं।

## 'सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का चौथा चरण शुरू, सीएम ने लोगों से की लाभ उठाने की अपील

**रांची :** राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लोगों के द्वार तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुक्रवार को 'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम के चौथे चरण की शुरूआत हुई। यह जनसंपर्क कार्यक्रम 15 सितंबर तक जारी रहेगा। इस जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत सभी जिलों के विशेष शिविर लगाया गया है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, जेएमएम के विधायक व नेता और सभी जिलों के डीसी लोगों को अपने नजदीकी पंचायत, वार्ड में जाकर विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने और दूसरों को भी प्रेरित करने की अपील कर रहे हैं। हेमंत सोरेन ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि आपकी सरकार आपको योजनाओं का लाभ देने के लिए चौथी बार आपके द्वार पहुंच रही है। उन्होंने लोगों से अपने-अपने क्षेत्रों में आयोजित किये जा रहे शिविरों से योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। इसके अलावा महागामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर लोगों से लाभ उठाने की अपील की है। बोकारो, गिरिडीह, लोहरदगा, देवघर, कोडरमा, चतरा, गढ़वा, पूर्वी सिंहभूम, साहिबगंज, सरायकेला-खरसांवा सहित अन्य जिलों के डीसी ने भी ऑफिशियल एक्स हैंडल पर पोस्ट कर जनसंपर्क कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी है। हेमंत सोरेन ने सबसे पहले 15 नवंबर, 2021 को पंचायत स्तर पर लाभार्थियों के लिए शिविर लगाकर आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत की थी। इस पहल का उद्देश्य कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदनों का मौके पर ही निपटारा करना है ताकि ग्रामीणों को जल्द से जल्द लाभ मिलना शुरू हो सके। राज्य में 2021 में कुल 6,867 शिविर आयोजित किये गये और लगभग 35.95 लाख आवेदन प्राप्त हुए थे। इसी तरह 2022 में 5,696 शिविर लगाये गये और लगभग 55.44 लाख आवेदन आये। तीसरे चरण यानी 2023 में कुल 5,496 शिविर आयोजित किये गये और लगभग 58.26 लाख आवेदन प्राप्त हुए।

# मंत्री बने रामदास सोरेन, संभालेंगे जल संसाधन तथा उच्च और तकनीकी शिक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** राज्यपाल संतोष गंगवार ने शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के कद्दावर नेता व घाटशिला के विधायक रामदास सोरेन को झारखंड के 12वें मंत्री के रूप में राजभवन में मंत्री पद की शपथ दिलायी। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, सत्यानंद भोक्ता, रामेश्वर उरांव के अलावा कई दिग्गज मौजूद थे। चम्पाई सोरेन के इस्तीफे के बाद हेमन्त सोरेन ने कोल्हान से ही मंत्रीपद के लिए रामदास सोरेन को चुना। रामदास सोरेन को वही विभाग सौंपे गए हैं जो चम्पाई सोरेन के पास थे।

रामदास सोरेन घाटशिला विधानसभा की राजनीति में काफी दिनों से सक्रिय हैं। पहली बार उन्होंने 2005 में निर्दलीय चुनाव लड़ा लेकिन प्रदीप कुमार बालमुचू से हार गए। दोबारा 2009 में उन्होंने झामुमो के टिकट से चुनाव लड़ा और भाजपा उम्मीदवार प्रदीप बालमुचू को हराया। तीसरी बार 2014 में वे भाजपा उम्मीदवार लक्ष्मण टुडू से हार गए। 2019 में वे घाटशिला से विधायक बने।

### चम्पाई की जगह मंत्री बनाए गए रामदास

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और हेमन्त सोरेन कैबिनेट में जल संसाधन विभाग तथा तकनीकी शिक्षा विभाग के मंत्री चम्पाई सोरेन ने 29 अगस्त को मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

रामदास सोरेन के मंत्री बनने के बाद तीन मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा किया गया है।

मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर को कला-संस्कृति, खेल-कूद एवं युवा कार्य विभाग मिला है। यह विभाग पहले हफीजुल हसन के पास है। उनके पास पहले से पेयजल एवं स्वच्छता विभाग और पर्यटन विभाग है। वहीं, मंत्री हफीजुल हसन के पास अब अल्पसंख्यक कल्याण विभाग और निबंधन विभाग है जबकि नये मंत्री रामदास सोरेन को जल संसाधन विभाग और उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग मिला है। यह विभाग पहले चंपाई सोरेन के पास था।

## शिबू सोरेन से हेमन्त एवं नवनियुक्त मंत्री रामदास ने की मुलाकात

**रांची :** झारखंड राज्य समन्वय समिति-सह-राज्यसभा सदस्य दिशोम गुरु शिबू सोरेन से शुक्रवार को मोरहाबादी स्थित आवास में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं राज्य के नवनियुक्त मंत्री रामदास सोरेन ने मुलाकात की। मंत्री रामदास सोरेन ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन से आशीर्वाद लिया। इस मौके पर दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने राज्य के मंत्री के रूप में शपथ लेने पर रामदास सोरेन को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कई मंत्री, विधायक सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## एक नजर

### प्रधानमंत्री ने पेरिस पैरालंपिक में रजत पदक जीतने पर मनीष नरवाल को दी बधाई

**नई दिल्ली :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पेरिस पैरालंपिक में पैरा शूटर मनीष नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा में रजत पदक जीतने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, मनीष नरवाल ने शानदार उपलब्धि हासिल की, उन्होंने पी1 पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 स्पर्धा में रजत पदक जीता। उनकी सटीकता, फोकस और समर्पण ने एक बार फिर गौरव दिलाया है। उल्लेखनीय है कि पेरिस पैरालंपिक 2024 में भारत के पदकों की संख्या अब चार हो गई है। इसमें एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक हैं। स्टार शूटर अवनि लेखरा ने आर-2 महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 स्पर्धा में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया और मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत की युवा पैरा एथलीट प्रीति पाल ने महिलाओं की 100 मीटर दौड़ स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

### अगले सप्ताह ब्रुनेई और सिंगापुर की यात्रा पर जाएंगे मोदी

**नयी दिल्ली :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 3-4 सितंबर के दौरान ब्रुनेई दारुस्सलाम और 4-5 सितंबर को सिंगापुर की यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार यात्राओं से ब्रुनेई और सिंगापुर के साथ भारत का द्विपक्षीय तथा क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय सहयोग और मजबूत होगा। विदेश मंत्रालय के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सुल्तान हाजी हसनल बोल्किया के निमंत्रण पर 3-4 सितंबर के दौरान ब्रुनेई दारुस्सलाम की यात्रा पर जाने वाले हैं।

# जहां महिलाएं और लड़कियां सुरक्षित नहीं महसूस करतीं, वह समाज सभ्य नहीं : उपराष्ट्रपति

एजेंसी

**नयी दिल्ली :** उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रपति के 'बस बहुत हुआ' के आह्वान को आत्मसात करने की अपील करते हुए कहा है कि समान आचार संहिता महिलाओं के लिए न्याय का एक उपाय होगा।

श्री धनखड़ ने शुकवार को दिल्ली विश्वविद्यालय भारती महिला महाविद्यालय में 'विकसित भारत में महिलाओं की भूमिका' विषय पर छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि बेटियों और महिलाओं के मन में डर एक राष्ट्रीय चिंता का विषय है। उन्होंने कहा,

जहां महिलाएं और लड़कियां सुरक्षित नहीं महसूस करतीं, वह समाज सभ्य नहीं है। वह लोकतंत्र भी धूमिल हो जाता है। यह हमारे विकास के लिए सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने वित्तीय स्वतंत्रता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को वित्तीय रूप से स्वतंत्र बनना चाहिए। यह ऊर्जा और क्षमता को उजागर करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

श्री धनखड़ कहा, लड़कियां हमारे देश के विकास में सबसे महत्वपूर्ण हिस्सेदार हैं। वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि अर्थव्यवस्था और अनौपचारिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। लिंग आधारित असमानताओं को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा, क्या हम कह सकते हैं कि आज लिंग आधारित असमानता नहीं है? समान योग्यता के बावजूद भिन्न वेतन, बेहतर योग्यता के बावजूद समान अवसर नहीं। यह मानसिकता बदलनी चाहिए।

# उत्पाद सिपाही पद पर भर्ती के लिए दौड़ प्रतियोगिता बनी जानलेवा, बेहोश होकर अबतक तीन मरे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**पलामू :** पलामू जिले में उत्पाद विभाग के सिपाही पद पर बहाली के लिए हो रही दौड़ प्रतियोगिता जानलेवा साबित हो रही है। दौड़ लगाते हुए अभ्यर्थी लगातार बेहोश हो रहे हैं। शुक्रवार दोपहर तक तीन अभ्यर्थियों की मौत हो गई है, जबकि 100 से अधिक बीमार पड़ गए हैं। दो को रांची रिम्स भेजा गया है। बीमार अभ्यर्थी पागलों की तरफ व्यवहार कर रहे हैं। उनके हाथ-पांव बांधकर या पकड़कर इलाज किया जा रहा है।

गुरुवार शाम को बिहार के गया जिले के पररिया थाना क्षेत्र के बरैला लक्ष्मण बीघा के रहने वाले 20

वर्षीय अमरेश कुमार और शुक्रवार दोपहर में छतरपुर के अरुण कुमार की मौत हुई है।

अरुण की मौत रांची रिम्स में हुई। उसे दो दिन पहले रेफर किया गया था। शाम तक तीसरे अभ्यर्थी ने दम तोड़ दिया। उसकी पहचान गोड्डा निवासी प्रदीप कुमार के रूप में हुई है। बहाली करा रहे विभागीय पदाधिकारियों ने बताया कि शाम करीब 3 बजे प्रदीप दौड़ निकाल कर आराम कर रहा था। उसे ओआरएस दिया गया था। शौचालय जाने की बात कही। शौचालय में न जाकर उसके पास में बैठा और लुढक गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत पाया गया। एक की यादाश्त चली गई है। उसकी पहचान बिहार के लखीसराय के सर्वेश यादव के रूप में हुई है। उसे इलाज के लिए रांची रिम्स ले जाया गया है। सारे लोगों में अजीबोगरीब लक्षण देखने को मिल रहे हैं। चर्चा है कि दौड़ में स्टेमिना बनाने के लिए अभ्यर्थी नशीली दवा का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हो पायी है। डाक्टर जांच के बाद इस संबंध में कुछ भी कहने को तैयार हैं। इस बीच बहाली के चौथे दिन एक दर्जन अभ्यर्थियों को बेहोशी की हालत में इलाज के लिए अस्पताल लाया गया।

# भाजपा में शामिल हुए पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन बाबूलाल मरांडी ने माला पहनाकर किया स्वागत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन शुक्रवार को भाजपा में शामिल हो गये। धुर्वा गोलचक्कर के शाखा मैदान में आयोजित अभिनंदन सह मिलन समारोह में शिवराज सिंह चौहान और हिमंता बिस्व सरमा ने चम्पाई को भाजपा की सदस्यता दिलावायी। चम्पाई के साथ उनके समर्थकों ने भी भाजपा का दामन थामा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने माला पहनाकर चम्पाई सोरेन का पार्टी में स्वागत किया। सदस्यता ग्रहण के दौरान चम्पाई सोरेन भावुक हो गये। चम्पाई सोरेन का पार्टी में स्वागत करते केंद्रीय मंत्री सह झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि टाइगर अभी जिंदा है। चम्पाई सोरेन अब भाजपा के परिवार में शामिल हो गए

चम्पाई सोरेन को भाजपा की सदस्यता दिलाते बाबूलाल मरांडी

हैं। चम्पाई ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण पल बचपन से लेकर जवानी तक को आंदोलन में लगा दिया। चम्पाई के आंदोलन के जरिये ही अटल बिहारी वाजपेयी ने राज्य को अलग करने का काम किया। शिवराज ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा में अब कुछ नहीं बचा है। यह पार्टी परिवार की पार्टी बन गयी है। पति-पत्नी की पार्टी हो चुकी है। किसी सीनियर का सम्मान नहीं बचा है। जनता के लिए काम करने वाले चम्पाई सोरेन को भी अपमानित किया गया है। शिवराज ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा दलालों की पार्टी बन गयी है। जब चम्पाई सोरेन के हाथ में कमान मिली तो दलालों को हटाने का काम किया। इसके बाद चम्पाई सोरेन हेमंत की आंखों में गड़ने लगे थे। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी समेत बीजेपी के दिग्गज नेता मौजूद थे।

## मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरी जासूसी करायी जायेगी : चम्पाई सोरेन

रांची : पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेना शुक्रवार को भाजपा में शामिल हो गये। पार्टी में शामिल होने के बाद उन्होंने कहा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरी जासूसी करायी जायेगी। उन्होंने कहा कि पत्र के जरिये मैं अपनी पीड़ा व्यक्त कर चुका हूं। झामुमो में अपमान महसूस करने पर मैंने संन्यास लेने को सोचा था पर झारखंड की जनता का प्यार देखकर सक्रिय राजनीति में आने का फैसला किया। झारखंड आंदोलन का उतार-चढ़ाव हमने देखा है। मैं सोच चुका था कि मैं उस संगठन में नहीं रहूंगा जिसमें मेरा मान न हो और जहां संगठन नाम की कोई चीज नहीं रह गयी हो। मैं साफ दिल का आदमी हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरे पीछे जासूसों को लगाया जायेगा। जो आदमी झारखंड आंदोलन में संघर्ष किया है। जब उसकी जासूसी होने लगी तो मैंने तय कर लिया कि अब मैं संन्यास की जगह सक्रिय राजनीति में रहकर जनता की सेवा करूंगा।

# सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ने के बावजूद लंबित मामले पहुंचे 83,000 पार

एजेंसी

**नयी दिल्ली :** सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि होने के बावजूद लंबित मुकदमों के कम होने की दिशा में सीमित प्रभाव देखा गया है। खबर के मुताबिक, पिछले दशक भर में लंबित मुकदमों की संख्या में आठ बार वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि इस दौरान केवल दो मौके ऐसे आए जब मामलों में कमी देखी गई।

सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या वर्तमान में लगभग 83,000 है, जो अब तक की सर्वाधिक है। जब 2009 में सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 26 से बढ़ाकर 31 की गई, तो 2013 तक लंबित मामलों की संख्या धीरे-धीरे 50,000 से बढ़कर 66,000 हो गई। 2014 में मुख्य न्यायाधीश पी। सदाशिवम और आरएम लोढ़ा के कार्यकाल के दौरान लंबित मामलों की संख्या थोड़ी कम होकर 63,000 हो गई थी। 2015 में जस्टिस एचएल दत्तू के कार्यकाल में यह और कम होकर 59,000 रह गई।

हालांकि, इसके बाद के साल में सीजेआई टीएस ठाकुर के कार्यकाल में लंबित मामले बढ़कर 63,000 हो गए। मुख्य न्यायाधीश जेएस खेहर ने केस मैनेजमेंट में सूचना प्रौद्योगिकी के एकीकरण के माध्यम से कागज रहित अदालतों के विचार की शुरूआत की, जिससे लंबित मामलों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई और यह 56,000 तक पहुंच गई। 2018 में, मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा के कार्यकाल के दौरान, लंबित मामलों की संख्या फिर से बढ़कर 57,000 हो गई।

मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने संसदीय अधिनियम के माध्यम से 2019 में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 31 से बढ़ाकर 34 करने के लिए सरकार को राजी कर लिया। इस वृद्धि के बावजूद, लंबित मामले बढ़कर 60,000 हो गए।

## एक नजर

### हत्या मामले में 26 वर्षों से फरार आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

**हजारीबाग :** हत्या मामले में वर्षो से फरार वांछित उग्रवादी धीरज मांझी उर्फ परगन मांझी (45) को गोरहर पुलिस गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत मे जेल भेज दिया है। बताते चलें कि धीरज मांझी ग्राम पतितिरि, थाना गोरहर का रहने वाला है। आरोपी धीरज मांझी पर वर्ष 2014 में लाल वारंट निकाला गया इस तब से ये अभियुक्त फरार चल रहा था। ज्ञात हो कि गिरफ्तार अभियुक्त पर गोरहर थाना (पुर्व में बरकट्ठा थाना ) कांड संख्या 13/98 भादवि की धारा 147, 148, 149, 323, 324, 325, 307, 302,120, 4/5 विस्फोटक अधिनयम, 13/17 सी एल एक्ट सहित अन्य सुसंगत धारा के इस अभियुक्त की गिरफ्तारी पतितिरित के जंगलों से देर रात की गई है।

### 11 हजार वोल्ट तार से युवक को लगा करंट, सरकारी मदद की गुहार

**बरही :** बरकट्ठा के सकरेज निवासी वाजिद अंसारी उम्र 26 वर्ष पिता कुदुश मियां 21 अगस्त को 11 हजार वोल्ट के बिजली तार से करंट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया कि यह तार उनके घर के ऊपर से गुजरता है। घटना के बाद वाजिद को तुरंत रांची के देवकमल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। इलाज में भारी खर्च होने के बावजूद, अब तक सरकार या बिजली विभाग की ओर से कोई मदद नहीं की गई है। स्थिति इतनी गंभीर है कि बिजली का तार भी अब तक साइड नहीं किया गया है, जिससे गांववासियों में आक्रोश है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिजली विभाग की व्यवस्था बेहद लचर है। यदि तार को समय पर साइड कर दिया जाता, तो इस प्रकार की दुर्घटनाओं से बचा जा सकता था। अल्पसंख्यक कल्याण महासमिति के अध्यक्ष मो कयूम ने बरही एसडीओ से निवेदन किया है कि जल्द से जल्द तार को हटाया जाए और सुरक्षित जगह पर स्थानांतरित किया जाए ताकि कोई अन्य घटना न हो। अगर भविष्य में कोई और हादसा होता है तो इसकी पूरी जिम्मेदारी बिजली विभाग की होगी।

### खेल से मानसिक एवं शारीरिक विकास में होती है वृद्धि : रीना पाण्डेय

**चौपारण :** प्रखण्ड के नवभारत जागृति केन्द्र द्वारा संचालित सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल में फुटबॉल का फाइनल मैच गाँधी एवं टैगोर हाउस के बीच खेला गया। इससे पहले गाँधी हाउस ने जेपी हाउस को 2-1 गोल से हराया। वहीं टैगोर हाउस सुभाष को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर गया। फाइनल मैच में गाँधी हॉउस ने टैगोर हॉउस को 3-2 गोल से हराकर खिताब पर कब्जा जमा लिया। इससे पहले विद्यालय की प्राचार्या रीना पाण्डेय ने टॉस उछाल कर मैच का उद्?घाटन किया तथा 29 अगस्त को मेजर ध्यानचंद जयन्ती के अवसर पर भारत में रास्ट्रीय खेल दिवस को उनके तस्वीर पर माल्यार्पण कर खेल का शुभारम्भ किया। मौके पर खेल शिक्षक राकेश रंजन, आशुतोष कुमार, उमेश लाल भगत, अजीत पान्डे, पवन कुमार, मुकेश पाठक, शंकर सिंह उपस्थित थे। गाँधी हाउस के विजेता टीम से सुसान कुमार, सुमीत कुमार,सुधांसु, आदर्श एवं आर्यन कुमार ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया।

# उत्पाद विभाग ने मिनी शराब पैकेजिंग फैक्ट्री का किया उद्भेदन, 50 लाख की अवैध शराब बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**हजारीबाग :** हजारीबाग के कटकमदाग थाना क्षेत्र अंतर्गत रजहर गांव के जंगल से हजारीबाग एवं चतरा उत्पाद विभाग की संयुक्त कार्रवाई में अवैध शराब की एक मिनी पैकेजिंग फैक्ट्री का उद्भेदन किया। मिनी शराब पैकेजिंग फैक्ट्री से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब के साथ एक बंगाल डबल्यू बी 37 सी 3981 नंबर का ट्रक, पैकेजिंग में इस्तेमाल किया जाने वाला विभिन्न ब्रांड का रैपर,ढक्कन आदि की बरामदगी की गई है। हजारीबाग सहायक उत्पाद आयुक्त शिव कुमार साहू ने बताया की गुप्त सुचना मिली थी की जिले के कटकमदाग थाना

क्षेत्र अंतर्गत रजहर गांव जो की चतरा जिले के सिमा क्षेत्र से सटा हुआ है वहां पर अवैध शराब की पैकेजिंग कीया जाता है। इसी को लेकर चतरा जिले के वरिय अधिकारियों से जानकारी साझा करते हुए हजारीबाग तथा चतरा जिले की संयुक्त टीम बनाकर रात को लगभग बारह बजे छापामारी की गई जिसमें छापामारी टीम को देखते ही लोग भाग निकले। उन्होंने कहा की बरामद शराब का बाजार मूल्य लगभग 40 से 45 लाख रुपए है । बताते चलें की हजारीबाग में हाल के दिनों में लगातार अवैध शराब के खेप को पकड़ा जा रहा है। अगर इसी महीने की बात की जाए तो तीन बार में लगभग 1.5 करोड़ मूल्य के अवैध शराब को जप्त किया जा चुका है। हजारीबाग जिला बिहार से सटा जिला होने के कारण यहां पर शराब माफियाओं की सक्रियता अधिक दिखती है जिसे समय समय पर उत्पाद विभाग कार्रवाई कर इनके मनोबल को तोड़ने का काम करती रही हैं।

## करियातपुर में पुल के पास मिला लापता व्यक्ति का शव, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बरही :** बरही थाना क्षेत्र के करियातपुर गांव में शुक्रवार को एक व्यक्ति का शव पुल के पास मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान बिशुन रविदास (पिता जागेश्वर रविदास) के रूप में हुई है, जो कि करियातपुर का निवासी था। सूत्रों के अनुसार, बिशुन रविदास गुरुवार शाम से लापता था। शुक्रवार को उसका शव पास के एक पुल के नीचे पड़ा मिला। इस दृश्य को सबसे पहले वहां खेल रहे बच्चों ने देखा और तुरंत इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। खबर मिलते ही घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठी हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर बरही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। प्राथमिक जांच में मृतक की पहचान कर ली गई है और पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। घटना ने पूरे गांव में शोक की लहर फैला दी है और लोग इस दुखद घटना के कारणों के बारे में जानने के लिए बेचैन हैं। पुलिस जल्द ही मामले से जुड़े सभी तथ्यों को उजागर करने की कोशिश कर रही है।

## एसीबी ने मुखिया व मुखिया पति को घूस लेते रंगे हाथों किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**हजारीबाग :** अबूआ आवास में पैसे की मांग का एक मामला बड़कागांव प्रखंड से प्रकाश में आया है जहां बड़कागांव पूर्वी पंचायत की मुखिया विमला देवी व मुखिया पति राजकुमार साव पर अबुआ आवास दिलाने के नाम पर पैसे मांगने का आरोप लगा है बताते चलें कि आवेदक बसंत साव, पिता स्व० महादेव साव, ग्राम पो० बड़कागांव, थाना- बड़कागांव, जिला- हजारीबाग के द्वारा इस आशय से आवेदन दिया गया कि, इनकी पत्नी सुशीला देवी के नाम से अबुआ आवास योजना के तहत घर पास हुआ है। जब ये आवास योजना के संबंध में अपने गांव के मुखिया विमला देवी से मिले तो उनके द्वारा बोला गया कि 25,000/- रू० दो तभी तुम्हारा आवास पास होगा, नही दोगे तो आवास रिजेक्ट करा देंगें। ये (आवेदक) रिश्वत देना नहीं चाहते

थे। इसलिए आवश्यक कार्रवाई हेतु भ्र०नि०ब्यूरो, हजारीबाग के कार्यालय में आवेदन दिये थे। उक्त आवेदन के संबंध में सत्यापनकर्ता द्वारा विधिवत सत्यापन किया गया, तथा सत्यापन के क्रम में विमला देवी (मुखिया) एवं मुखिया पति राजकुमार साव के द्वारा रिश्वत मांगे जाने की बात की पुष्टि हुई है। आवेदक के आवेदन एवं सत्यापनकर्ता के सत्यापन प्रतिवेदन के आधार पर भ्र०नि० ब्यूरो, हजारीबाग थाना कांड सं0- 10/24, दिनांक- 28.08.2024 पंजीकृत किया गया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, हजारीबाग के ट्रैप टीम के द्वारा आज दिनांक 30.08.2024 को विमला देवी (मुखिया) पति- राजकुमार साव, पूर्व क्षेत्र बड़कागांव, ग्राम- हेठगढा, पो०+ थाना- बड़कागांव, जिला- हजारीबाग, राजकुमार साव, पिता- नागेश्वर साव, ग्राम- हेठगढा, पो०+ थाना- बड़कागांव, जिला- हजारीबाग को वादी से 25,000/- रु0 रिश्वत लेते रंगे हाथ विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के पश्चात विधिसम्मत अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

## हजारीबाग सदर विस से मुझे कांग्रेस का टिकट मिलता है तो दमखम से चुनाव लड़ूंगा : डॉ आरसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**हजारीबाग :** कांग्रेस पार्टी का सच्चा सिपाही हूं। बीते विधानसभा चुनाव में पार्टी ने भरोसा जताया और सदर विधानसभा की जनता ने 15 दिन की अल्प अवधि में लगभग 55000 वोट देकर उपविजेता का आशीर्वाद दिया। कांग्रेस पार्टी एवं हजारीबाग के जनता का आशीर्वाद अविस्करणीय है। उक्त बातें हजारीबाग स्थित कुशवाहा भवन में कांग्रेस उपविजेता डॉ आरसी प्रसाद मेहता ने गुरुवार को प्रेस वार्ता के दौरान मीडियाकर्मियों से मुखातिब होते हुए कही। उन्होंने कहा कि सदर विधानसभा क्षेत्र में मैं लगातार पिछले पांच से सर्व धर्म के हर वर्ग, हर समुदाय के लोगों के सुख-दुख का हिस्सा रहा हूं। जिला टोल संयोजक के रूप में टोल आंदोलन जीत कर संपूर्ण जिला वासियों के प्राइवेट गाड़ियों एवं सदर

इचाक और पदमा के व्यावसायिक वाहनों को टैक्स से छूट दिलाया तेल ब्लास्ट प्राकृतिक आपदा अमृत परिवार के अस्तित्व को मुआवजा दिलाने में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कोरोना काल में 2 वर्षों तक कोविड कंट्रोलर के रूप इलाज एवं काउंसलिंग कर लोगों को जागरूक किया हो। यही वजह है आज लोगों का अपार समर्थन और प्यार मिल रहा है। इसलिए मैं सदर विधानसभा का दावेदार हूं लोगों के प्यार और आशीर्वाद में सदर विधानसभा में जीत का परचम लहराउग । कांग्रेस नेता साजिद अली खान ने भी कहा कि डॉ आरसी मेहता लगातार जनसेवा कर रहें हैं जिसका लाभ कांग्रेस पार्टी को मिलेगा। एडवोकेट विष्णु दयाल कुशवाहा ने कहा की इस बार कुशवाहा समाज आरसी मेहता के साथ है टिकट मिलने पर जीत निश्चित है। मौके पर मारखम कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ सीपी दांगी, शिक्षा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्रो बिके मेहता, प्रो डॉ भूवनेश्वर महतो सहित दर्जन लोग मौजूद थे।

## बेमियादी आंदोलन को लेकर 18 पंचायत के मुखिया ने बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**कटकमसांडी :** झारखंड प्रदेश मुखिया संघ के निदेर्शानुसार जिले के कटकमसांडी प्रखंड के 18 पंचायत की मुखिया संघ के अध्यक्ष कुमारी श्रुति पांडे के नेतृत्व में शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय पहुंचकर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के नाम सौंपा ज्ञापन । पत्र में लिखा है की कई मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन व कलम बंद हड़ताल को सफल बनाने के लिए संयुक्त रूप से लिखित मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र में उल्लेखनीय है कि झारखंड प्रदेश मुखिया संघ के द्वारा राज्य वित्त आयोग की राशि पंचायत को देने एवं विभिन्न मांगों को लेकर 29 अगस्त से अनिश्चितकालीन धरना एवं कलम बंद हड़ताल पर चले गए हैं। गादोखर मुखिया नारायण साव ने बताया कि संघ की मांग पर सरकार द्वारा वार्ता के लिए समय नहीं देने से इनकार कर दिया गया है। जिससे झारखंड प्रदेश की मुखिया जनप्रतिनिधि अपने आप को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। परिणाम स्वरूप कांडी प्रखंड के सभी मुखिया सरकार की इस रवैया व अपनी मांग को पूरा नहीं करने पर विवश होकर अनिश्चितकालीन धरना कलम बन्द हड़ताल पर चले गए। सभी मुखिया का कहना है कि जिस प्रकार लोकसभा एवं विधानसभा में चयनित प्रत्याशियों को संतोषजनक भता दिया जाता है, उसी प्रकार मुखिया को भी संतोषजनक भता दिया जाए। विदित है कि कुछ दिनों से मनरेगा कर्मी पंचायत सेवकों को अपनी मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने के कारण प्रखंड का विकास कार्य पूर्ण रूप से अवरोध हो गया है। वहीं दूसरी ओर प्रखंड के सभी मुखिया को भी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाने के कारण सरकार द्वारा चलाए जा रहे जनता दरबार भी काफी प्रभावित होगा।

# समाजहित के लिए कार्य करना मेरी पहली प्राथमिकता हमारा जीवन समाज को समर्पित : नीरज कुमार गुप्ता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**हजारीबाग :** स्वच्छ भारत अभियान के जिला संयोजक नीरज गुप्ता ने अभी तक अपने द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की चर्चा को लेकर प्रेस वार्ता का आयोजन किया। अपने छात्र जीवन में विभिन्न मुद्दों को लेकर किए जाने वाले छात्र आंदोलन से लेकर समाज हित के लिए हरेक कार्यों की भी चर्चा की । वहीं उन्होंने इस वर्ष किए जाने वाला कार्य नगर निगम हड़ताल, एटेलेटिक्स, वन विभाग, मिशनरी आदिवासी स्कूल, सदर अस्पताल, सरकार आपके द्वार, राम मंदिर के निर्माण को लेकर विस्तृत से जानकारी को साझा किया । वहीं कहा कि अभी तक

हमलोगों के द्वारा 21000 पौधे लगाए गए हैं । शहर के विभिन्न क्षेत्रों में वृक्षारोपण के कार्यक्रम का आयोजन कर हरा भरा किया गया। आगे भी इसी तरह वृक्षारोपण का कार्यक्रम चलता रहेगा। आगे हमलोग के द्वारा भव्य राम मंदिर का निर्माण करवाया जायेगा। जिसके लिए एक समिति बनाई गई है, जो इस कार्य को करने में अपना योगदान देगी । मंदिर के निर्माण वाले जगह जल्द ही चिन्हित कर भूमि पूजन करवा लिया जाएगा । आगे निर्माण कार्य के लिए पूरे हजारीबाग वासियों का सहयोग अपेक्षित रहेगा। वहीं उन्होंने सभी से अपील की कि इस पुण्य कार्य में सभी अपनी बढ़ चढ़ कर भागीदारी दे ताकि मंदिर निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा हो। हजारीबाग के लिए यह मंदिर बहुत ही अद्भुत और अतुलनीय होगा जिसकी अभी मात्र परिकल्पना ही की जा सकती है। आगे उन्होंने सभी लोगों से सहयोग करने की भी बात कही । सामाजिक कार्यों में मेरी हमेशा से ही रुचि रही है और आगे भी रहेगी। मैं समाज के लिए हरसंभव हर जगह तत्पर हूं। मौके पर जिला सहसंयोजक राम प्रकाश चौधरी, विष्णुगढ़ संयोजक नितेश सिंह, डाड़ी प्रखंड संयोजक रतीलाल मरांडी, दारू प्रखंड संयोजक गौरव सिंह, बरकट्ठा संयोजक महावीर महतो, वरिष्ठ सदस्य केदार प्रसाद, मनजित कुमार मेहता, पीयूष, सुनील, अमित, तुषार अंकुश, अनिल, अशोक इत्यादि लोग मौजूद थे।

## संक्षिप्त खबरें

### प्रखंड स्तरीय खेलो झारखंड का पदमा के परतन मैदान में हुआ आगाज

पदमा : खेलों झारखंड प्रतियोगिता के अंतर्गत पदमा के परतन मैदान में खेलो झारखंड 2024 का आयोजन किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य बसंत नारायण मेहता, 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष संजय कुमार यादव, प्रमुख वीणा देवी, उप प्रमुख सत्येंद्र राणा, नोडल खेल शिक्षक मधुसूदन कुमार सिंह के द्वारा दिप प्रज्वलित कर किया गया। वही ट्रैक इवेंट्स की शुरूवात संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गया। प्रतियोगिता का शुरूवात अंडर 14 के 100 मीटर बालिका वर्ग के दौड़ से किया गया जहाँ नीतू कुमारी सरैयाडीह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अंडर 14 आयुवर्ग में 100मीटर (बालक) में मंटू यादव विद्यालय कुटीपीसी विजय रहा। भाला फेंक में विकास कुमार, बालिका वर्ग में कस्तूरबा के सुमन कुमारी विजय रही। अंडर 17 डिसकस थ्रो में हसन अंसारी रामनारायण +2 उच्च विद्यालय पदमा के खिलाड़ी बच्चा विजय रहा। आज अंडर 14 और अंडर 17 के सभी फील्ड इवेंट्स और ट्रैक इवेंट्स खेलाया गया हैं। जहाँ 100 मीटर 200मीटर 600मीटर 800मीटर 1500 मीटर एवं 3000 मीटर खेलाया गया। वही भाला फेंक, गोला फेंक तस्तरी फेंक का खेल सम्पन्न हुवा । खेल आयोजन को सफल बनाने में खेल नोडल शिक्षक मधुसूदन कुमार सिंह, अनूप कुमार मेहता मनीष कुमार, पंकज कुमार, राहुल कुमार, दीपक कुमार मेहता, प्रवीण पांडेय, यमुना राम, शरत कुमार सुमन, सी आर पी रविंद्र कुमार सिंह, प्रभु कुमार साहू भीम गोस्वामी, सुभाष मेहता, सुनील रजक, संतोष कुमार राणा, संजय चौबे, जुबेर आलम, मनीषा सुमन, संगीत कुमारी रीना कुमारी, उमाशंकर सिंह, नवीन कुमार, अनिरुद्ध राणा, कुलदीप कुमार एवं समस्त प्रतिनियुक्त शिक्षकों ने महती भूमिका निभाया।

### भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य ने अर्जुन मुंडा का पार्टी कार्यालय में किया स्वागत

**बरही :** भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश यादव ने पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा का विशेष स्वागत किया। इस अवसर पर गणेश यादव ने अर्जुन मुंडा को गुलदस्ता भेंट कर उनका सम्मान किया। बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई, जिसमें आगामी चुनावी रणनीतियों, पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और राज्य में पार्टी की स्थिति को और सुदृढ़ बनाने पर चर्चा हुआ। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता अंबिका सिंह और हजारीबाग के जिला परिषद अध्यक्ष उमेश मेहता भी मौजूद थे। गणेश यादव ने अर्जुन मुंडा के स्वागत में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और उनके साथ विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने अपने संबोधन में अर्जुन मुंडा के योगदान की सराहना की और उन्हें पार्टी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताया। कहा कि अर्जुन मुंडा के नेतृत्व में पार्टी ने राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने पार्टी के प्रति मुंडा की निष्ठा और समर्पण की प्रशंसा की और कहा कि उनके अनुभव और मार्गदर्शन से पार्टी को आने वाले दिनों में और अधिक मजबूती मिलेगी।

### बरही प्रखंड में आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

**बरही :** बरही प्रखंड में झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम की शुरूआत बेंदगी पंचायत से हुई। यह कार्यक्रम ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे उनके द्वार पर पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इस महत्वपूर्ण पहल का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख मनोज रजक, विस विधायक प्रतिनिधि छद्दू गोप, सीओ रामनारायण खलखो और बीसीओ संजय यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रमुख मनोज रजक ने कहा कि सरकार की यह पहल ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार सीधे जनता तक पहुंच रही है, जिससे उनकी समस्याओं का समाधान तेजी से हो सकेगा। सीओ रामनारायण खलखो ने कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम से सरकार और जनता के बीच की दूरी कम होगी और इससे जनसेवा में पारदर्शिता और गति आएगी। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से न केवल ग्रामीणों को लाभ मिलेगा बल्कि सरकार की नीतियों और योजनाओं के प्रति उनका विश्वास भी बढ़ेगा। बीसीओ संजय यादव ने भी इस अवसर पर अपने विचार साझा किए और कहा कि इस कार्यक्रम के तहत सरकार ग्रामीणों की समस्याओं को सीधे सुन रही है और उन्हें मौके पर ही समाधान प्रदान करने का प्रयास कर रही है। शिविर में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, हरा राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड जाति, आवासीय, आय प्रमाण पत्र सभी प्रकार की पेंशन योजनाएं, आयुष्मान कार्ड का वितरण, सामुदायिक वन पट्टा और व्यक्तिगत वन पट्टा के लिए संबंधित एफआरसी द्वारा आवेदन प्राप्त किए गए। मौके पर बीटीएम राकेश कुमार, पंसस प्रतिनिधि झमन यादव, कर्मचारी संजीव राजीव, प्रशांत कुमार, मोहन मिर्धा, जीवलाल, अरुण, सुरेंद्र कुमार समेत जेएसएलपीएस की महिलाएं मौजूद थी।

### चम्पाई सोरेन का भारतीय जनता पार्टी में अभिनंदन है : डॉ अमित सिन्हा

**हजारीबाग :** डॉ अमित सिन्हा ने चम्पई सोरेन को भाजपा से हाथ मिलाने पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि झामुमो में परिवारवाद, तानाशाही, बाहरी लोगों का पूर्णतः नियंत्रण होने के कारण झामुमो को खड़ा करने वाले आंदोलनकारी नेताओं का मोहभंग हो चुका है। झारखंड आंदोलन का नेतृत्व करने वाले प्रमुख नेताओं को पार्टी के अंदर उपेक्षित और अपमानित किया जा रहा है। जल-जंगल-जमीन के मूल सिद्धांतों से विमुख हो चुकी झामुमो अब एक डूबता जहाज है। पार्टी का आंतरिक लोकतंत्र खत्म होने और दलाल बिचौलियों का वर्चस्व स्थापित होने के कारण शीघ्र ही एक-एक कर सारे आंदोलनकारी नेता और कार्यकर्ता झामुमो छोड़ भाजपा का दामन थामेंगे। चंपई सोरेन लोबिन हेंब्रम जैसे सीनियर आंदोलनकारी नेताओं का अपमान से आहत होकर एक-एक कर पार्टी छोड़ जाना यह बताता है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा अब आंदोलनकारियों की पार्टी नहीं बल्कि बाप-बेटे की प्राईवेट लिमिटेड कंपनी बन कर रह गई है।

## एक नजर

### आरपीएफ ने 85 लोगों से वसूला जुर्माना

**रांची :** रांची रेलवे स्टेशन पर रेलवे न्यायिक मजिस्ट्रेट की देखरेख में आरपीएफ इन्स्पेक्टर ने शुक्रवार को एक विशेष अभियान चलाया। इस अभियान के तहत कुल 85 आरोपियों के खिलाफ रेल अधिनियम कि धारा 162 के तहत (45 मामले) तथा रेल अधिनियम कि धारा 147 के तहत (40 मामले) दर्ज किए गए। बाद में सभी से कुल 4,250 रुपये जुर्माना वसूला गया।

### हत्यारोपी को जेल में रहने के बाद मिली सशर्त जमानत

**रांची :** अपर न्यायायुक्त पवन कुमार की अदालत ने शुक्रवार को हत्या के आरोपी संजय नायक की जमानत याचिका सुनवाई के बाद सशर्त स्वीकार किया। शर्त के तहत आरोपित को केस के ट्रायल पूरी होने तक प्रत्येक तारीख को कोर्ट में हाजिरी लगानी होगी। वह नामकुम कांड संख्या 215/2019 मामले में आरोपी है। उसमें उसको जमानत की सुविधा प्राप्त है लेकिन मामले की सुनवाई के लिए निर्धारित तारीख को कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ। इस पर अदालत ने उसका बंध पत्र रद्द करते हुए गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। वारंट जारी होने के बाद पुलिस ने दोबारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। हत्या मामले के आरोपी नामकुम निवासी संजय नायक को मिली जमानत का मिस यूज करने के आरोप में 22 दिन जेल में रहना पड़ा। तब उसे फिर से सशर्त जमानत की सुविधा कोर्ट ने प्रदान की।

### धर्मांतरण रोकने को लेकर दाखिल याचिका की हुई सुनवाई

**रांची :** झारखंड हाई कोर्ट ने धर्मांतरण को रोकने को लेकर दाखिल याचिका की सुनवाई के दौरान केंद्र और राज्य सरकार की ओर से जवाब दाखिल नहीं किए जाने पर दोनों को फटकार लगाई है। कोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि झारखंड में घुसपैठ के जरिये जनजातीय समुदाय के धर्मांतरण का खेल चल रहा है। इसे लेकर राज्य सरकार को जवाब दाखिल करने के लिए कई मौके दिए गए थे लेकिन जवाब दाखिल नहीं हुआ। केंद्र सरकार भी इस मुद्दे पर उदासीन है और जवाब दाखिल नहीं कर रही है। लगता है कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर ऐसे संवेदनशील मुद्दे पर जनता को दिगभ्रमित कर रहे हैं। अगर सरकार की ओर से जवाब दाखिल नहीं किया गया तो सरकार पर जुमार्ना भी लगाया जा सकता है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि जिलों में धर्मांतरण को लेकर डाटा इकट्ठा कर लिया गया है। इसे शपथ पत्र के माध्यम से जल्द दाखिल कर दिया जाएगा। इस पर कोर्ट ने केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले का अगली सुनवाई 5 सितंबर निर्धारित की है। शुक्रवार को झारखंड में जनजातीय समुदाय के धर्मांतरण को रोकने को लेकर दाखिल सोमा उरांव की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। हाई कोर्ट ने सोमवार की इस जनहित याचिका के साथ बांग्लादेशी घुसपैठियों को झारखंड में प्रवेश रोकने को लेकर दाखिल जनहित याचिका को टैग करते हुए दोनों की सुनवाई में एक साथ करने का निर्देश दिया। मामले में पिछली सुनवाई में हाईकोर्ट ने राज्य और केंद्र सरकार से पूछा था कि झारखंड के किन-किन जिलों में ट्राईबल्स का धर्मांतरण किया जा रहा है और इसे रोकने के लिए क्या-क्या कार्रवाई की जा रही है। कोर्ट ने इस संबंध में केंद्र और राज्य सरकार को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था।

## मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

# राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन को साझा करें : के रवि कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सभी जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ निर्वाचन सदन से ऑनलाईन मध्यम से समीक्षा बैठक की, बैठक में निर्वाचन कार्य में लगे कंप्यूटर ऑपरेटर भी शामिल रहे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने समीक्षा के क्रम में मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम में खराब प्रदर्शन करने वाले बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर को चिन्हित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि बीएलओ अपने क्षेत्र में ठीक से कार्य नहीं करेंगे तो निर्वाचन प्रक्रिया पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि राज्य में जिन जिलों में मतदाता पंजीकरण से जुड़े अधिक आवेदन लंबित है वे इस हेतु त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी लंबित आवेदनों की संख्या शून्य करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने सभी उप निर्वाचन पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने जिलों के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कराना सुनिश्चित कर मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन से जुड़ी सारी जानकारियां उपलब्ध कराएं साथ ही यदि उनके द्वारा मतदाता सूची से संबंधी कोई त्रुटि प्रतिवेदित की जा रही हो तो उसे चिन्हित करते हुए उसका निराकरण करें।

श्री कुमार ने कहा कि सभी बीएलओ एवं बीएलओ सुपरवाइजर से इस बात का सर्टिफिकेट अवश्य ले लें कि उनके क्षेत्र में 18 वर्ष से कम उम्र का कोई भी मतदाता पंजीकृत नहीं किया गया है। मतदाता सूची में किसी प्रकार का गलत विलोपन न हुआ हो इसकी पुष्टि हेतु भी सभी बीएलओ से इसका सर्टिफिकेशन अवश्य कर लें।

समीक्षा बैठक में राज्य में चल रहे इलेक्शन क्विज 2024 प्रतियोगिता परीक्षा के विस्तृत प्रचार हेतु भी निर्देश दिए गए साथ ही कहा गया कि मतदाताओं के बीच ईवीएम संबंधित जागरूकता अभियान चलाने के लिए भी कार्ययोजना तैयार कर लें। इसके अतरिक्त बैठक में 'नाम जांचो' अभियान, एपिक पीडीएफ जेनरेशन, नए मतदाताओं के रजिस्ट्रेशन, निर्वाचन संबंधी बकायों के ससमय भुगतान आदि विषयों पर समीक्षा करते हुए निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुबोध कुमार भी मौजूद थे।

## हेमन्त के सशरीर कोर्ट में उपस्थिति से छूट वाली याचिका पर अगली सुनवाई 13 को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के ईडी के समन की अवहेलना के मामले में उनकी दाखिल सशरीर उपस्थिति से छूट से संबंधित याचिका पर शुक्रवार को आंशिक सुनवाई हुई। कोर्ट ने इसकी सुनवाई की अगली तिथि 13 सितम्बर को निर्धारित की है। सुनवाई एमपी-एमएलए की विशेष न्यायिक दंडाधिकारी सार्थक शर्मा की कोर्ट में हुई।

हेमंत सोरेन के अधिवक्ता प्रदीप चंद्रा ने कोर्ट से समय की मांग करते हुए कहा कि इसी मामले में हाई कोर्ट में सुनवाई होनी है। इसलिए समय दिया जाये। इसके बाद कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख तय कर दी। इससे पूर्व ईडी ने अदालत में जवाब दाखिल किया।

हेमंत सोरेन के अधिवक्ता ने पांच जुलाई को मामले में व्यक्तिगत रूप से उपस्थिति में छूट से संबंधित याचिका दाखिल की थी। हेमंत सोरेन के खिलाफ उपस्थिति को लेकर समन जारी है। तीन जून को सीजेएम कृष्ण कांत मिश्रा ने यह मामला एमपी-एमएलए कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया था।

पूर्व में सीजेएम कोर्ट द्वारा मामले में संज्ञान लिए जाने के बावजूद भी हेमंत सोरेन की उपस्थिति कोर्ट में नहीं हुई थी। मामले में हेमंत सोरेन ने सीजेएम कोर्ट के समन आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। हाई कोर्ट में यह मामला अभी लंबित है। इस संबंध में ईडी ने शिकायतवाद संख्या 3952/2024 सीजेएम कोर्ट में दाखिल की है।

## यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए ट्रैफिक एसपी खुद करें औचक निरीक्षण : हाई कोर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** झारखंड हाई कोर्ट में राजधानी रांची में ट्रैफिक व्यवस्था की लचर व्यवस्था पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मौखिक कहा कि ट्रैफिक एसपी को खुद रांची शहर के मुख्य चौक चौराहों पर लगातार औचक निरीक्षण करना चाहिए।

कोर्ट ने कहा कि ट्रैफिक पोस्ट पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी वीआईपी मूवमेंट के समय ही केवल सजग रहते हैं। उनका ध्यान ट्रैफिक स्मूथ रखने की बजाय वसूली पर रहता है। ऐसे ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के खिलाफ ट्रैफिक एसपी कार्रवाई करें। कोर्ट ने मौखिक कहा कि रांची शहर में सीसीटीवी केवल आईवास के लिए लगाए गए हैं। इनमें अधिकतर खराब हैं। ऐसे में अपराधी घटनाओं की रोकथाम कैसे हो सकेगी? कोर्ट ने यह भी कहा कि रांची के मुख्य चौक चौराहों के आसपास जो सब्जी बाजार लगते हैं उन्हें किसी दूसरे जगह में शिफ्ट किया जाए ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू रहे। रांची नगर निगम फुटपाथ दुकानदारों की आजीविका को देखते हुए उनके लिए वैकल्पिक जगह तलाश करे।

कोर्ट ने यह भी कहा कि रांची शहर में ऑटो एवं ई-रिक्शा चालक सड़क को ही पार्किंग स्थल बना देते हैं और सड़क का अतिक्रमण करते हैं। इनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। कोर्ट ने ऑटो रिक्शा एवं ई रिक्शा चालकों के लिए निर्धारित किए गए ड्रेस कोड का अनुपालन करने का निर्देश देते हुए कहा कि इसके लिए सरकार को एक रेगुलेशन बनानी चाहिए ताकि जो ऑटो या ई रिक्शा चालक ड्रेस कोड का अनुपालन नहीं कर रहे हैं उनके खिलाफ कानूनी रूप से कार्रवाई हो सके। मेन रोड में लोग सड़कों के किनारे अपने वाहन लगा देते हैं, जिससे रोज जाम की स्थिति देखने को मिलती है। जाम से निपटने के लिए लोगों को भी जागरूक होना पड़ेगा। उन्हें कोई भी खरीदारी करने के लिए मेन रोड में जाने की मानसिकता से बचना होगा।

## जेसीआई का एक्सपो 26 सितम्बर से, कार्यालय का हुआ उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** रांची के जूनियर चेंबर इंटरनेशनल (जेसीआई) ने शुक्रवार को अपने 27वें एक्सपो उत्सव के कार्यालय का उद्घाटन लाइन टैंक रोड स्थित कॉमर्स टावर में किया।

अध्यक्ष विक्रम चौधरी ने कहा कि इस वर्ष एक्सपो 26 सितम्बर से दो अक्टूबर के बीच मोरहाबादी मैदान रांची में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश के 350 से अधिक स्टॉल धारक अपना स्टॉल एक्सपो में लगाएंगे। एक्सपो के मुख्य संयोजक श्याम अनुराग ने कहा कि कार्यालय में अब प्रतिदिन पदाधिकारी एवं सदस्य एकत्रित होंगे और एक्सपो के तैयारी की चर्चा करेंगे। एक्सपो की बेहतरी के लिए योजना बनाए जाएंगे और टीम को उनके कार्यों से अवगत कराया जाएगा। साथ ही कहा कि हर साल एक्सपो पांच दिनों का होता है लेकिन इस साल झारखंड का यह बहुचर्चित कंस्यूमर फेयर सात दिनों का होगा।

एक्सपो के मीडिया प्रभारी प्रतीक जैन ने कहा कि इस वर्ष एक्सपो में ऑटोमोबाइल्स के सभी बड़े ब्रांड अपने स्टाल लगा रहे हैं। एक्सपो को बिल्कुल नए रूप में पेश करने की तैयारी की जा रही है। ऑटो जोन के अलावा फर्नीचर जोन, महिलाओं के लिए खास पिंक हेंगर, फूड जोन, स्टार्ट अप जोन, एम्यूजमेंट पार्क आदि भी रहेंगे। एक्सपो में रोज नये नये इवेंट्स भी होंगे।

इस दौरान सचिव मयंक अग्रवाल, अभिषेक केडिया, मनीष रामसिसरिया, आनंद धानुका, नारायण मुरारका,अभिनव मंत्री, गौरव अग्रवाल अमित खोवाल, संजय जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

## शक्तिशाली भावनाओं का सहज प्रवाह है कविता : फादर फूलदेव सोरेंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** कविता शक्तिशाली भावनाओं का सहज प्रवाह है। यह एक हृदय से निकलकर दूसरे हृदय तक पहुंचती है। शुक्रवार को ये बातें संत जेवियर्स स्कूल, डोरंडा (जूनियर सेक्शन) के प्रिंसिपल फादर फूलदेव सोरेंग ने कहीं। वे स्कूल में आयोजित कविता पाठ प्रतियोगिता में बोल रहे थे। उन्होंने अपने भाषण में सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं भी दीं। जूनियर सेक्शन की कक्षा के०जी० से कक्षा पांच तक के विद्यार्थियों ने कविता-पाठ में बढ़-चढ़कर भाग लिया। बच्चों ने प्रसिद्ध कविताओं के साथ-साथ समकालीन विषयों की कविताओं का भी चयन किया और उन्होंने अपनी मीठी आवाज में सुंदर उच्चारण, भाव अभिव्यक्ति तथा सशक्त वाणी से सभी को अभिभूत कर दिया। विभिन्न विद्यालयों से आईं शिक्षिकाओं ने निर्णायक के रूप में अहम भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कक्षा तीन के हृदान माहेश्वरी को अंग्रेजी का तथा कक्षा पाँच के शिलोह पॉल लकड़ा को हिंदी का सर्वश्रेष्ठ वक्ता घोषित किया गया।

# झारखंड में विकास की नई इबारत लिख रही है महागठबंधन की सरकार : केशव महतो कमलेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**रांची :** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा है कि झारखंड इस समय ऐसे दौर में खड़ा है जहां विभाजनकारी शक्तियां झूठ के सहारे सांप्रदायिका फैलाने में लगी हुई है वहीं महागठबंधन की सरकार राज्य में विकास की नई इबारत लिख रही है। वे शुक्रवार को खूंटी जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों तथा कार्यकताओं के साथ संवाद आपके साथ कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम जिला संगठन के निचले स्तर से लेकर ऊपर तक के कार्यकर्ताओं की मनोभावों, विचारों को जानने के लिए है, ताकि हम उसके अनुसार अपने कार्यक्रम और नीतियां तय कर सकें। हम चाहते हैं कि संगठन के निचले स्तर से आवाज आए जिससे संभव हो सके तो झारखंड के विकास के लिए नीति-निर्धारण का काम अच्छे तरीके से किया जाए। चुनावी रण क्षेत्र तैयार है और ऐसे समय में हमें जरूरत है कि कांग्रेस की नीति और सिद्धांतों को लोगों तक पहुंचाएं, सरकार की चल रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जितने अधिक लोगों तक हम पहुंचा सकेंगे हैं उतना फायदा संगठन को मिलेगा।

### महागठबंधन उम्मीदवारों की जीत निश्चित करने की जिम्मेवारी आपके कंधों पर

कार्यक्रम में कांग्रेस विधायक दल नेता डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में जिस तरह से अपने एक मत होकर कांग्रेस की जीत में अग्रणी भूमिका निभाई है इस तरह आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और महागठबंधन उम्मीदवारों की जीत निश्चित करने की जिम्मेवारी आपके कंधों पर है। सांगठनिक मजबूती से ही हम लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सरकार बनाने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ सकते हैं। सरकार के कार्यों को लोगों तक पहुंचाने और विपक्ष द्वारा फैलाई जा रहे झूठ से जनता को बचाए रखने का अलग भार आप पर है इसे हर हाल में निभाना है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से खूंटी सांसद कालीचरण मुंडा, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ प्रदीप बलमुचू, हिंदू न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जय शंकर पाठक, मार्केटिंग बोर्ड अध्यक्ष रवींद्र सिंह, मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुंजिनी, मानस सिन्हा आदि मौजूद रहे।

## संक्षिप्त खबरें

### पति की लंबी उम्र के लिए महिलाएं छह सितंबर को रखेंगी निर्जला तीज व्रत

**रांची :** हरतालिका तीज का व्रत भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि छह सितंबर को मनाया जाएगा। यह व्रत सुहागिन महिलाओं का वर्ष भर का सबसे महत्वपूर्ण और प्रसिद्ध व्रत है। यह व्रत सौभाग्वती महिलाएं अपने सौभाग्य को अक्षुण्ण बनाए रखने और कुंवारी कन्याएं अपने भावी जीवन साथी एवं सुखी दांपत्य को प्राप्त करने के लिए करेंगी। हरितालिका तीज पर सुहागिन महिलाएं अपने पति के लंबी उम्र की कामना के लिए निर्जला व्रत रखेंगी। पंडित मनोज पांडेय ने शुक्रवार को बताया कि हरतालिका तीज में भगवान शिव, माता गौरी और गणेशजी की पूजा का विशेष महत्व है। उन्होंने बताया कि तृतीया तिथि पांच सितंबर को सुबह 10.05 बजे से प्रारंभ होगा और छह सितंबर को दोपहर 12.09 बजे समाप्त होगा। हस्त नक्षत्र पांच सितंबर को पूरा दिन रहेगा, छह सितंबर को सुबह 8.10 बजे समाप्त होगा। इसलिए छह सितंबर को उदयातिथि में तृतीया होने से इस दिन पूरे दिन तृतीया मान्य होगा। इसलिए तीज की पूजा छह सितंबर को दिन भर होगा। उन्होंने बताया कि हरतालिका तीज व्रत प्रदोषकाल में किया जाता है। इसमें दिन और रात के मिलन का समय होता है। इस व्रत को पूरे दिन और रात निर्जला रहकर किया जाता है।

### सजायाफ्ता की अपील खारिज, सजा बरकरार

**रांची :** प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडेय की अदालत ने चेक बाउंस में सजायाफ्ता अपर चुटिया निवासी रामावतार सोनकर की सजा को बरकरार रखा है। अदालत ने शुक्रवार को रामावतार की ओर से दाखिल क्रिमिनल अपील याचिका को सुनवाई के बाद खारिज कर दिया है। अदालत ने अपीलकर्ता के विरुद्ध दोषसिद्धि के निर्णय और सजा के आदेश की बरकरार रखा है। न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडे की अदालत ने 12 जून को चेक बाउंस के आरोप में दोषी पाकर रामावतार सोनकर को एक साल की सजा और 30 लाख रुपए का जुमार्ना लगाया था। रामावतार ने लोअर चुटिया निवासी अरुण साहू से निर्माण कार्य के लिए फरवरी 2022 में 17.40 लाख कर्ज लिया था। इसके बदले उसने पोस्ट डेटेड चेक दिया था, वह बाउंस कर गया था। इस पर अरुण साहू ने 21 मार्च, 2022 में कोर्ट में केस किया था। सजायाफ्ता को मिली सजा को लेकर न्यायायुक्त की अदालत में रामावतार की ओर से क्रिमिनल अपील याचिका दाखिल की गयी थी।

### झारखंड हाई कोर्ट ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव को किया तलब

**रांची :** झारखंड हाइकोर्ट ने साहिबगंज में पाइपलाइन जलापूर्ति योजना के शीघ्र चालू करने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट की खंडपीठ ने साहिबगंज के लोगों को अब तक पाइपलाइन से जलापूर्ति नहीं किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई। कोर्ट ने मौखिक कहा कि पानी लोगों की मुख्य जरूरत होती है। राज्य सरकार साहिबगंज के लोगों को क्यों प्यासा रखना चाहती है। कोर्ट ने सोमवार को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव को कोर्ट में सशरीर उपस्थित होने का निर्देश दिया। इससे पहले राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि साहिबगंज में पेयजल के लिए पाइपलाइन लाइन बिछाने के लिए रेलवे से एनओसी लेना था। इसके एवज में रेलवे को पैसे की भुगतान करने की प्रक्रिया जारी है। इस पर कोर्ट ने कहा कि वर्ष 2017 में ही रेलवे से एनओसी मांगी गई थी। इसके बाद सात साल तक सरकार की ओर से कोई आगे पहल नहीं की गई।

### प्रदेश कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष गिरीश चोड़ानकर, सदस्य पूनम पासवान और प्रकाश जोशी आज आयेंगे रांची

**रांची :** आसन्न विधानसभा चुनाव को देखते हुए झारखंड के लिए गठित स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष गिरीश चोड़ानकर तथा सदस्य पूनम पासवान और प्रकाश जोशी शनिवार को 2.30 बजे रांची पहुंचेंगे। इस बाबत प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि रांची पहुंचने के बाद स्क्रीनिंग कमेटी के पदधारी 31 अगस्त को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, विधायक दल नेता, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, झारखंड से आने वाले राष्ट्रीय पदाधिकारी, वर्तमान एवं पूर्व सांसदों, विधायक दल उप नेता कांग्रेस के मंत्रियों पूर्व मंत्रियों, अग्रणी मोर्चा संगठन के अध्यक्षों से मुलाकात करेंगे तथा 1 अगस्त को 12:00 बजे से कांग्रेस भवन में समिति जिला अध्यक्षों, विभिन्न विभागों के अध्यक्षों, बोर्ड-निगम-आयोग के अध्यक्षों तथा विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक उम्मीदवारों से मुलाकात करेंगी। इस क्रम में समिति के सदस्य सभी विधानसभा क्षेत्र के लिए राजनीतिक, सामाजिक, समीकरण भौगोलिक परिस्थितियों तथा अन्य पहलुओं की विस्तृत रूप से जानकारी लेकर उसकी समीक्षा करेंगे और सक्षम उम्मीदवारों की सूची तैयार करने की प्रक्रिया करेंगे।

### परिवारवाद के शिकार हुए चम्पाई सोरेन : दीपक प्रकाश

**रांची :** पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन परिवारवाद के शिकार बने हैं। यह देखकर बहुत दुख होता है कि जिस चम्पाई सोरेन ने पार्टी के प्रति अपना सारा जीवन समर्पित कर दिया, उन्हें ही तिरस्कृत कर मुख्यमंत्री पद से हटाया गया। वे झामुमो के परिवारवाद का शिकार बने हैं। शुक्रवार को ये बातें राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने कहीं। वे धुर्वा के गोलचक्कर मैदान में आयोजित भाजपा के मिलन समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम में चंपाई सोरेन ने भाजपा की सदस्यता ली। दीपक प्रकाश ने कहा कि चम्पाई सोरेन के पार्टी में शामिल होने से भाजपा कोल्हान सहित पूरे झारखंड़ में और मजबूत होगी। झामुमो ने सरल और सीधे-साधे नेता चम्पाई सोरेन का अपमान करके अपने ताबूत में अंतिम कील ठोंक ली है। आसन्न विधानसभा के चुनाव में राज्य की आदिवासी, दलित और मूलवासी जनता इसका जबाब देगी। श्री प्रकाश ने कहा कि दलाल और बिचौलियों का मुखौटा बन चुकी झामुमो में अब घर की बहू सीता सोरेन, वरिष्ठ नेता चम्पाई सोरेन, लोबिन हेम्ब्रम जैसे निष्ठावान कार्यकर्ताओं की जगह नहीं रही।अपने ध्येय से विमुख होकर भ्रष्टाचार की ओर बढ़ रही पार्टी को जब लोबिन ने सचेत करने का प्रयास किया तो उनके खिलाफ ही दुष्प्रचार किया गया। झारखंड मुद्रा मोर्चा के पतन की यह महज एक शुरूआत है और इसकी आंच पूरे झारखंड़ में जायेगी।

### भगवान श्रीकृष्ण को कल 56 भोग अर्पित करेगा यादव समाज : कैलाश यादव

**रांची :** यादव समाज रविवार को जगन्नाथपुर मंदिर प्रांगण के समीप श्रीकृष्ण छठी महोत्सव का आयोजन करेगा। इसमें भगवान श्रीकृष्ण को 56 भोग अर्पित किया जायेगा। शुक्रवार को ये बातें श्रीकृष्ण विकास परिषद के अध्यक्ष कैलाश यादव ने कहीं। इसकी तैयारियों को लेकर एक बैठक भी आयोजित की गयी।कैलाश यादव ने कहा कि यह कार्यक्रम अत्यंत दर्शनीय होगा। भगवान श्रीकृष्ण को उनके मन पसंद भोजन फल-मूल, मक्खन-मिष्ठान और पकवान 56 भोग परोसकर उन्हें श्रद्धा भाव से अर्पित किया जाएगा। कार्यक्रम में शहर और ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों लोग सपरिवार हिस्सा लेंगे।

## एक नजर

### कार से अवैध विदेशी शराब जब्त, एक गिरफ्तार

**बोकारो :** उपायुक्त विजया जाधव के निदेर्शानुसार सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन में जिला उत्पाद बल ने शुक्रवार को सेक्टर 2 बी, ऋरोड शॉपिंग सेंटर के पास से एक टोयटा इनोवा (जेएच 09 पी 1314) को पीछा कर के पकड़ा। वाहन की जांच करने पर भारी मात्रा में विदेशी शराब 240 पीस, कुल 90 लीटर एवं 20 लीटर स्प्रिट भरा मिला। मौके पर से नितेश कुमार सिंह को गिरफ़्तार कर लिया गया। वहीं, अन्य की गिरफ़्तारी के लिए छापामारी की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त के निशानदेही पर सेक्टर 2 में उसके आवास से भी विदेशी शराब एवं स्प्रिट जब्त किया गया। छापामारी दल में अवर निरीक्षक सदर-सह-तेनुघाट, सन्नी विवेक तिर्की, अवर निरीक्षक बेरमो-सह-चंदपुरा रवि रंजन शामिल थे।

### पुणे महोत्सव में दिखेंगे अंतर्राष्ट्रीय चित्रकार सरोज के चित्र

**बोकारो :** पुणे महोत्सव से आमंत्रण मिला बोकारो के अंतरराष्ट्रीय चित्रकार सरोज मिश्रा को पुणे महोत्सव में राष्ट्रीय कला मेला का आयोजन किया गया है इस कार्यक्रम में बोकारो जिला के अंतरराष्ट्रीय चित्रकार सरोज मिश्रा को चित्रकला प्रदर्शनी और अपने चित्रकला और कार्यशैली के तकनीकी विशेषता के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है, झारखंड के चित्रकला शैली एक्रेलिक कलर, ऑयल कलर और जल रंग तकनीक में काम करके राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय दर्जनों पुरस्कार प्राप्त कर, आज भी अपने तकनीक को और भी उम्दा बनाने के लिए कैनवस और रंगों के साथ अभ्यास करते रहते हैं और झारखंड राज्य का नाम सुर्खियों में लाने का काम भी कर रहे हैं वर्तमान में क्षेत्रीय सह चित्रकला प्रमुख संस्कार भारती के पद में रहते हुए चित्रकला की हर गतिविधि से जुड़कर काम कर रहे हैं।

### भाजपा के वरिष्ठ नेतो राजाराम गुप्ता ने समर्थकों सहित कांग्रेस का थामा दामन

**बोकारो :** जिला कांग्रेस कार्यालय दूंदीबाग में बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष उमेश प्रसाद गुप्ता ने भाजपा के वरिष्ठ एवं सक्रिय नेता राजाराम गुप्ता एवं नरेन्द्र वर्मा के नेतृत्व में बोकारो भाजपा से सैकड़ो कार्यकर्ता कांग्रेस पार्टी के नीतियों एवं सिद्धांतो से प्रभावित होकर जिलाध्यक्ष श्री उमेश प्रसाद गुप्ता जी के कार्य शैली को देखते हुऐ जिलाध्यक्ष के समक्ष सदस्यता ग्रहण किया।सबों ने आगमी विधानसभा चुनाव में बोकारो विधानसभा जिताने का एक स्वर में संकल्प लिया।मौके पर श्री गुप्ता ने कहां कि भाजपा में और कुछ रहा नहीं हैं इनके झूठे वादे से आम जनमानस के साथ साथ कार्यकर्ता भी परेशान हैं, बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी आप सबों हार्दिक स्वागत करते हैं,आगामी विधानसभा चुनाव 2024 में बोकारो जिले के आम जनमानस इनके झूठे वादे याद दिलाते हुऐ मुहतोड़ जबाब देंगे। ।सबों को माला पहनाकर बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी में स्वागत करते हुऐ आगामी विधानसभा चुनाव 2024 तैयारी को लेकर दिशा निर्देश दिए।सदस्यता ग्रहण करने वालो में मुख्य रूप से राजाराम गुप्ता जी, नरेंद्र वर्मा जी,योगे स्वर गुप्ता, कमलेश गुप्ता,अकरम अंसारी, मुकेश गुप्ता,बालमुकुंद ठाकुर,सचिन कुमार,नितेश शर्मा,सोनू अंसारी, गंगाधर प्रसाद, रोशन शाह,भूषण शाह,अमित शाह,राघव प्रसाद, बजरंगी,अखलाक अंसारी, अभय रावत,संजय रावत सहित सैकड़ो कार्यकर्ता ने कांग्रेस का दामन थामे। मौके पर बोकारो जिला कमिटी के पदाधिकारीगण उपस्थिति रहे।

# तम्बाकू मानव शरीर में 4000 से अधिक बीमारियां पैदा कर सकता है

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बोकारो :** कोलम्बस पब्लिक स्कूल कुसमा चास एवं अजनता प्लस 2 उच्च विद्यालय पुनडरू बोकारो में तम्बाकू के दुष्परिणाम विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य जाकिर हुसैन के द्वारा किया गया। स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि मो0 असलम जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के द्वारा सभी बच्चों को तम्बाकू के दुष्परिणाम, तम्बाकू में पाये जाने वाले जहरीले तत्व, तम्बाकू प्रयोग से स्वास्थ्य पर दीर्घ अवधी परिणाम, मबवदकदक उवाम व उससे होने वाले नुकसान, तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र व तम्बाकू छोडने के उपाय, तम्बाकू मुक्त

शिक्षण संस्थान कैसे किया जाये और इसमें बच्चों की क्या जवाबदेही है इसके बारे में बताया विस्तृत जानकारी दी गई। जिला परामर्शी मो0 असलम द्वारा बताया गया कि भारत सरकारी द्वारा उपलब्ध कराई गई गाईडलाईन के अनुसार सभी स्कूल में टाफी गाईडलाईन का अनुपालन करना होगा। टाफी गाईडलाईन क्या कहता है। विद्यालय के मुख्य द्वार पर तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान का बोर्ड/दिवाल लेखन होना चाहिए। विद्यालय के अन्दर यह परिसर/भवन तम्बाकू मुक्त है इसका बोर्ड/दिवाल लेखन होना चाहिए। परिसर के अन्दर तम्बाकू, तम्बाकू उत्पाद के उपयोग का कोई सबूत नही है, अर्थात सिगरेट/बीड़ी बटस या छोडे गए गुटका/तम्बाकू के पाउच/थूकने के धब्बे नही होना चाहिए। परिसर मे तबाकू के दुष्परिणाम को दशार्ती पोस्टर एवं अन्य जागरूकता सामग्री का प्रर्दशन किया गया हो। पिछले 6 महीनों के दौरान कम से कम एक बार तम्बाकू नियंत्रण पर कोई गतिविधि का आयोजन करना। तम्बाकू मॉनिटर का नाम/ पदनाम और सम्पर्क नम्बर का उल्लेख साइनेज पर किया गया हो। शिक्षण संस्थान के आचार संहिता के कोड में तम्बाकू का उपयोग नही किए जाने संबंधित मानदंड का समावेश। शिक्षण संस्थान की चाहरदीवारी से 100 गज क्षेत्र के दायरे मे पीली रेखा द्वारा तम्बाकू मुक्त क्षेत्र अंकित किया गया हो। शिक्षण संस्थान के 100 गज के दायरे में तम्बाकू उत्पाद बेचने वाली दुकाने न हों। स्कूल प्राचार्य द्वारा बच्चों को बताया गया कि तम्बाकू कई प्रकार के है जो मार्केट के अन्दर मिलते है किसी भी प्रकार के तम्बाकू का उपयोग स्वास्थ्य के लिये खतरा है चाहे आप चबा कर, पी कर या मंजन के शकल में लें सभी मानव शरीर को नुकसान पहुचाता है।

## आरएसपी कॉलेज में एन्टी रैगिंग पर हुई परिचर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**धनबाद :** राजा शिव प्रसाद महाविद्यालय झरिया, बेलगड़िया में देश भर में चल रहे एन्टी रैगिंग जागरूकता के आलोक में एक विशेष परिचर्चा के माध्यम से छात्रों में जागरूकता उत्पन्न करने का प्रयास किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के एन.एस.एस. इकाई द्वारा आयोजित किया गया। परिचर्चा की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य ने की उन्होंने रैगिंग की समस्या, उसके सामाजिक और मानसिक प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा, रैगिंग न केवल एक दंडनीय अपराध है, बल्कि यह छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालती है। इसे रोकने के लिए जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण हथियार है, उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य एक स्वस्थ और सुरक्षित शिक्षण वातावरण प्रदान करना है, जहां प्रत्येक छात्र सम्मान और सुरक्षा के साथ शिक्षा प्राप्त कर सके। कार्यक्रम में वरीय प्राध्यापक प्रो. सुरेश सिंह मुंडा अपने छात्र जीवन में घटित रैगिंग की घटनाओं को साझा करते हुए बताया कि रैंगिंग एक अमानवीय कुप्रथा है और अपराध है जबकि बी.एड. विभगाध्यक्ष डॉ उपेंद्र कुमार ने कहा कि रैगिंग जैसे कुप्रथाएं पाश्चात्य शिक्षा की देन है भारतीय शिक्षा भातृत्व एवं गुरु शिष्य परम्परा पर केंद्रित रहा है, वही डॉ शुभा आजमानी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रैंगिंग जैसे घटनाएँ उच्च शिक्षा के आदर्श माहौल के समक्ष एक बड़ी समस्या है विद्यार्थियों को इससे बचना चाहिए। कार्यक्रम में बीएड विभाग के प्रो. रामचंद्र कुमार ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि एक स्वस्थ शैक्षिक माहौल के निर्माण के लिए एवं अधिगम की प्रक्रिया को अत्यंत प्रभावी बनाने के लिए सीनयर-जूनियर के पहचान से परे होकर एकजुटता एवं समादर के भाव से छात्रों, शिक्षकों एवं प्रशासन को कार्य करना चाहिए।

## ईसीआरकेयू की मंडलीय परिषद की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**धनबाद :** ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन धनबाद मंडल की मंडलीय परिषद की बैठक गुरूवार शाम को शाखा वन परिसर में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि ईसीआरकेयू के केन्द्रीय अध्यक्ष कॉम डी के पाण्डेय उपस्थित हुए। साथ में अपर महामंत्री मो ज्याऊद्दीन तथा एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा भी मंच पर उपस्थित रहे। मंच संचालन सहायक महामंत्री ओमप्रकाश ने किया। आकस्मिक रूप से बुलाई गई इस बैठक में ईसीआरकेयू धनबाद मंडल के सभी शाखाओं के सचिव एवं अन्य प्रतिनिधि शामिल रहे। बैठक में युवा रेलकर्मियों को पेंशन की सुनिश्चितता के लिए केन्द्र सरकार द्वारा यू पी एस के प्रावधान लागू किए जाने पर इसके कमियों व खामियों को मंडलीय परिषद के सदस्यों ने रखा और इसके समाधान पर चर्चा की। साथ ही, यूनियन की मान्यता प्राप्त करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा संभावित चुनाव कराए जाने के आलोक में संगठन द्वारा की जाने वाली तैयारियों और रणनीति पर भी चर्चा की गई। उपस्थित सक्रिय सदस्यों के समक्ष अपने वक्तव्य रखते

हुए कॉम डी के पाण्डेय ने कहा कि लंबे समय से युवा रेलकर्मी एआईआरएफ और ईसीआरकेयू के नेतृत्व में ओल्ड पेंशन स्कीम पेंशन की भांति गारंटीड पेंशन की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे थे। फेडरेशन के महामंत्री एवं एन सी जे सी एम के सेक्रेटरी शिव गोपाल मिश्रा के कुशल रणनीति के साथ वर्षों निरंतर चले संघर्ष का सुखद परिणाम स्वरूप 24 अगस्त को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने फेडरेशन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा को पूरी टीम सहित अपने आवास पर निमंत्रित कर सरकारी कर्मचारियों की पेंशन की मांग पर चर्चा की और यह विचार रखा कि केन्द्र सरकार मेहनतकश रेलकर्मियों और अन्य सरकारी कर्मचारियों के प्रति पूरी संवेदना रखती है। पेंशन की गारंटी मिलना, युवा रेलकर्मियों की जीत है।मो ज्याऊद्दीन ने कहा कि यू पी एस के प्रावधानों के तहत जो मिल रहा है पहले उसे स्वीकार कर लेना है । अभी इससे संबंधित गजेटियर जारी नहीं किया गया है। इसके प्रकाशन के पश्चात इसकी पूरी विवेचना कर विश्लेषण किया जाएगा। यूपीएस की कमियों खामियों की समीक्षा होगी । रेलकर्मियों के हितों के अनुकूल नहीं पाए जाने वाले प्रावधानों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया जाएगा और उसे संशोधित या हटाए जाने के लिए दबाव बनाया जाएगा। फिलहाल जो प्रावधान बताए जा रहे हैं वह लम्बे संघर्ष का प्रतिफल है और बेहतरीकरण के लिए आगे भविष्य में भी हमें सजग और सक्रिय रहने की जरूरत है। एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा ने उपस्थित रेलकर्मियों के समक्ष यू पी एस के विवरणों को प्रस्तुत किया।

## कुष्ठ रोगियों के बीच सूखा राशन का हुआ वितरण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**धनबाद :** शुक्रवार को सिजुआ क्षेत्र के समिती द्वारा 8 कुष्ठ रोगियों को सुखा राशन देने के लिए पहुंचे, लेकिन राशन भरे झोले को देने का अंदाजा कुछ अजीब सी दिखाई दिया। समिति के लोगों ने कहा की झोले में भरी सामग्री को एक-एक करके आओ और झोले उठाकर ले जाओ, इसके बाद आगे में कुष्ठ रोगियों को बैठकर फोटो खिंचवा लिया। कुष्ठ प्रशिक्षण केंद्र एवं अस्पताल तेतुलमारी बाघमारा धनबाद के प्रांगण में आयोजित वितरण समारोह में दीक्षा महिला मंडल के तत्वाधान में प्रज्वला महिला समिति पांच किलो चावल, एक किलो दाल, एक लिटर सरसों का तेल, एक किलो चीनी, नमक,नहाने का साबुन, कपड़ा धोने का साबुन एवं मच्छरदानी , समिति की अध्यक्ष, श्रीमती राजश्री राय एवं समिति के सदस्यों द्वारा वितरण किया गया। इसके पूर्व समिति के सदस्यों एवं सफाई कर्मी द्वारा पूरे अस्पताल परिसर को साफ सुथरा किया गया एवं ब्लीचिंग पाउडर की छिड़काव की गई। समिति की अध्यक्षा, श्रीमती राजश्री राय ने कहा कि अभी जैसा कि बरसात का मौसम है और जानलेवा बीमारियों का प्रकोप चल रहा है जैसे चिकनगुनिया, डेंगू, मलेरिया की रोकथाम हेतु समिति की दायित्व है एवं हम सभी समिति की सदस्यों द्वारा अपने दायित्व का पुर्ण निर्वहन कर रहे हैं और आगे भी इस तरह का सामाजिक कार्य करने के लिए समिति तत्पर रहती है, एवं समाज के जितने भी गरीब असहाय, वंचित लोगों के लिए प्रज्वला महिला समिति सिजुआ क्षेत्र तन, मन, धन से सहयोग करती है और आगे भी करती रहेगी। यह बीसीसीएल एरिया 5 के अन्तर्गत चलाए जा रहे कार्य दीक्षा महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मिली दत्ता के दिशा निर्देश तथा मार्गदर्शन में किया गया । इस अवसर पर समिति की सदस्य सुनीता सिंह, बनोश्री नंदा, सुलक्षणा सिंह आदि उपस्थित थे।

## क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ की अगली अध्यक्ष होंगीं झरीया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बोकारो :** क्रान्तिकारी इस्पात मजदूर संघ के प्रधान कार्यालय जनवृत 09 में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए संघ के महामन्त्री सह-सदस्य एनजेसीएस श्री राजेंद्र सिंह ने कहा कि अभिभावक तुल्य पूर्व अध्यक्ष स्व. बच्चा सिंह का निधन कोयलांचल समेत बोकारो इस्पात संयंत्र के मजदूरों के लिए अपूरणीय क्षति है। स्व. बच्चा सिंह सरीखे व्यक्तित्व की कमी को पूरा करना किसी के लिए भी असंभव है। मंगलवार को हुई संघ के कार्यकारिणी बैठक में हिन्द मजदूर सभा के विचारधारा एवं नीति से प्रभावित कई दिग्गज नामों पर गहन चिंतन मनन किया गया। घण्टों मस्कक्त के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि झरीया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह हीं संघ

के अध्यक्ष पद के लिए सर्वोत्तम हैं। श्रीमती सिंह का हिन्द मजदूर सभा से वर्षो का संबंध है,हिन्द मजदूर सभा को वो अपना परिवार हीं मानतीं हैं। स्व. बच्चा सिंह को हम हिन्द मजदूर सभा के एक प्रखर एवं निडर नेतृत्वकर्ता के रूप जानते हैं,इन्होंने सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की भूमिका में पूरे देश के मजदूरों के हक और अधिकार के लिए कई महत्वपूर्ण एवं सफल आन्दोलन का नेतृत्व किया। श्रीमती सिंह के पति स्व. नीरज सिंह ने भी धनबाद में हिन्द मजदूर सभा से संबद्ध जनता मजदूर संघ को कुशल नेतृत्व प्रदान किया,हमारे हरेक महासम्मेलन में उपस्थित होकर बोकारो के मजदूरों का उत्साहवर्धन किया।

## डीपीएस में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए 262 मेधावी विद्यार्थी पुरस्कृत

- हर बच्चा प्रतिभावान, उनकी क्षमता को निखारें : डीएफओ रजनीश
- कठिन परिश्रम से ही प्रसन्नता और गर्व की प्राप्ति संभव : प्राचार्य डॉ. गंगवार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**बोकारो :** 'प्रत्येक बच्चा अपने-आप में प्रतिभावान होता है। उनमें अपनी खास प्रतिभा व क्षमता होती है। शिक्षकों, अभिभावकों एवं हम सभी जनों का यह दायित्व है कि हम उनकी क्षमता को पहचान कर उसे निखारें, ताकि वो भारत के समर्थ, सक्षम और जिम्मेदार नागरिक बन सकें। उक्त बातें जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार ने शुक्रवार को डीपीएस बोकारो की प्राथमिक इकाई में मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार ही आगे बढ़ने दें। बच्चे भी अपनी रुचि और अपनी सकारात्मक आदतों का आनंद लेते हुए तनाव-मुक्त होकर आनंद-भाव के साथ पढ़ाई करें और अपने जीवन को इंजॉय करें। उन्होंने पुरस्कृत बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित करने की प्रेरणा भी दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने पुरस्कृत किए गए सभी छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए आगे भी इसी प्रकार कठिन परिश्रम से जीवन में नई ऊंचाइयों को छूने का संदेश दिया। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को लगन और पूरे मनोयोग के साथ पढ़ाई करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत के बल पर ही प्रसन्नता एवं गौरव हासिल किया जा सकता है। समारोह के दौरान शैक्षणिक सत्र 2023-24 में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम हासिल करने वाले कुल 262 विद्यार्थियों को बैज एवं प्रमाण-पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। इसके पूर्व, मुख्य अतिथि श्री कुमार एवं प्राचार्य डॉ. गंगवार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने स्वागत गान एवं विद्यालय गीत की सुमधुर प्रस्तुति की। बच्चों ने शिव तांडव स्तोत्र पर मनभावन नृत्य की प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। इस क्रम में प्राचार्य ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

## संक्षिप्त खबरें

### दिनेश कुमार पाण्डेय ने ली जदयू की सदस्यता

**धनबाद :** शुक्रवार को श्यामडीह मोड़ स्थित यूथ फोर्स प्रधान कार्यालय में जदयू पार्टी का सदस्यता अभियान चलाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जदयू के प्रदेश महासचिव सह यूथ फोर्स प्रधान संयोजक दीप नारायण सिंह उपस्थित हुए। इस दौरान दीप नारायण सिंह पर आस्था व्यक्त करते हुए जेबीकेएसएस के जिला संगठन सचिव दिनेश कुमार पाण्डेय ने जेबीकेएसएस छोड़कर जदयू का दामन थामा। इस अवसर पर दीप नारायण सिंह ने दिनेश कुमार पाण्डेय को जदयू पार्टी का पट्टा पहनाकर और सदस्यता दिलाकर बधाई देते हुए कहा कि प्रतिदिन टुंडी विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में युवा जदयू पार्टी से जुड़ रहे हैं। जदयू पार्टी गांव-गरीब, मजदूर-किसान, छात्र-नौजवान की पार्टी है। आने वाले विधानसभा चुनाव में युवा,महिला,किसान,मजदूर की एकजुटता से जदयू पार्टी टुंडी में एक मजबूत विकल्प के रूप में दिखाई देगी। जदयू में शामिल होने वाले दिनेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि जेबीकेएसएस अपने उद्देश्य से भटक गई है। जेबीकेएसएस खतियान का बात करते-करते जतियान का बात करने लगी है। जिसके चलते मैं जेबीकेएसएस से इस्तीफा दे कर जदयू में शामिल हो रहा हूं। मुझे दीप नारायण सिंह के विचारों ने प्रभावित किया। वे टुंडी विधानसभा क्षेत्र में पिछले 15 वर्षों से लगातार सक्रिय हैं। आने वाले विधानसभा चुनाव में दीप नारायण सिंह को विजय बनाने के लिए युवाओं का टोली दिन-रात मेहनत करेंगे। इस अवसर पर जदयू नेता सह पूर्व जिला परिषद सदस्य सहदेव प्रसाद सिंह, जिला महासचिव दीपक कुमार महतो, जदयू टुंडी प्रखंड युवा अध्यक्ष गोतम कुमार पाण्डेय,जदयू नेता तारा बाबू,आदि उपस्थित रहे।

### अशर्फी कैंसर संस्थान रंगूनी के परिसर में निकला 8 फीट का अजगर

**धनबाद :** संस्था बीइंग काइंड एंड हैप्पी के सचिव व वाइल्ड लाइफ रेस्क्यू एक्सपर्ट राणा प्रताप सिंह ने भूली, रंगूनी स्तिथ अशर्फी कैंसर संस्थान से 8 फीट लंबे भारतीय अजगर को सुरक्षित रेस्क्यू कर फॉरेस्ट एरिया में रिलीज किया। पिछले रात ही परिसर में रास्ते पे सांप को देखा गया था,जो झाड़ियों में जाकर छुप गया ।अगले दिन सुबह फिर से देखा गया। जिसकी सूचना संस्था के अध्यक्ष डॉ स्वतंत्रत कुमार को दिया गया। उन्होनें वन विभाग को सुचित कर टीम को मौके पर भेजा। परिसर में सांप को देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई।राणा प्रताप सिंह ने कहा ये इंडियन रॉक पाईथन यानी भारतीय अजगर हैं जो पूरी तरह से विषहीन होते हैं। अपने शिकार को जकड़कर मारता है फिर साबूत निगल जाता है । इसमे सौ से भी ज्यादा आरी जैसा दांत होते हैं। मौके पर हॉस्पिटल स्टाफ ,रोशन महतो, राज, तुषार, संदीप आदि मौजूद थे।

### प्रभु महतो की पुण्यतिथि पर मायुमो जिला अध्यक्ष पवन महतो ने दी श्रद्धांजलि

**धनबाद :** स्व. प्रभु महतो की पुण्यतिथि पर आज मार्क्सवादी युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पवन महतो ने पुटकी चौक पर उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मायुमो जिला अध्यक्ष पवन महतो ने कहा कि स्व. प्रभु महतो झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता थे। जिन्होंने झारखंड अलग राज्य की मांग को लेकर धनबाद कोयलांचल क्षेत्र में काफी सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने कोलियरी क्षेत्र में फैले माफिया तत्वों के खिलाफ जोरदार आंदोलन एवं संघर्ष किया। क्षेत्र के मजदूर किसानों की शोषण दोहन करने वाली ताकतों के खिलाफ हमेशा अपनी आवाजों को बुलंद किया। उनके संघर्षों का मिसाल आज भी पुटकी बलिहारी क्षेत्र के आम नागरिकों के जेहन में है। माल्यार्पण कार्यक्रम में भगत राम महतो, अरविंद तिवारी,अशोक पासवान, सुखदेव महतो, अरुण महतो आदि शामिल थे।

### जिला महासचिव ने नगर निगम आयुक्त से मील समस्याओं से कराया अवगत

**बोकारो :** लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के जिला महासचिव प्रेम राय जी की अध्यक्षता में सात सदसिये प्रतिनिधि मंडल ने चास नगर निगम के नगर आयुक्त आनंद कुमार जी को बुके देकर स्वागत किया और चास की जन समस्या से अवगत कराया जिसमे की वार्ड नंबर 14 रामनगर क्लोनी पुराना बांध के समीप सड़क और नाली की बदहाल स्थिति पर चर्चा कि जिस पर नगर आयुक्त ने आश्वासन दिया कि बहुत जल्द वार्ड नंबर 14 रामनगर कॉलोनी के समस्याओं को दूर किया जाएगा जिसके लिए बोकारो जिला लोक जनशक्ति पार्टी उनका धन्यवाद देती इस प्रतिनिधि में मुख रूप से मांगू दास भूपेंद्र सिंह धीरज कुमार शर्मा रमेश कुमार पाठक प्रीतम राय संजीव प्रजापति प्रमोद कुमार ज्ञान रंजन शामिल थे।

# 15 सौ उधार नहीं चुकाने पर दो दोस्तों ने ही की थी एतवा मुंडा की हत्या, गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**खूंटी :** महज 1500 रुपये की उधारी न चुकाने पर दोस्तों ने ही अड़की थाना क्षेत्र के साके गांव निवासी मंगल सोय उर्फ एतवा सोय (21) की हत्या ने कर दी थी। पुलिस ने इस मामले का उद्भेदन करते हुए हत्या के आरोपित कृष्ण स्वांसी (23) निवासी ग्राम रायतोड़ांग थाना अड़की और एतवा मुंडा (22) निवासी ग्राम बंदीडीह थाना मारंगहंदा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त तलवार को भी बरामद कर लिया। खूंटी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 25 मार्च को खूंटी थाना क्षेत्र के अनिगड़ा गांव के पास एक अज्ञात शव मिला था। इस संबंध में में खूंटी थाने में मामला दर्ज कर पुलिस कार्रवाई कर रही थी। 29 अगस्त को पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि घटना में शामिल अपराधकमी कृष्णा स्वांसी अपने गांव रायतोड़ांग आया हुआ है। सूचना के आधार पर एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना कें अप्राथमिक अभियुक्त कृष्णा स्वांसी को उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में कृष्ण स्वामी ने बताया कि इस घटना में इसका एक अन्य सहयोगी एतवा मुंडा भी शामिल था। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया।उसने बताया कि उसने मंगल सोय को 1500 रुपये उधार दिए थे लेकिन हुआ पैसा लौटाने मे मंगल आनाकानी कर रहा था। इसके कारण 25 मार्च को तलवार से काटकर उसकी हत्या कर दी। छापेमारी टीम में एसडीपीओ वरुण रजक, खूंटी थाना प्रभारी पुलिस इंस्पेक्टर मोहन कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक मुकेश कुमार यादव थाना प्रभारी लड़की, पुलिस अवर निरीक्षक अमित कुमार मार्डी, पुलिस अवर निरीक्षक सीताराम दांगी, बीरबल करमाली,नितेश कुमार गुप्ता,अगस्टिन लुगुन, आरक्षी मख्खन कुमार और राजेंद्र नायक के अलावा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

# एसबीयू में राष्ट्रीय खेल दिवस पर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**अनगड़ा :** सरला बिरला विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय खेल दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर और विश्वविख्यात हॉकी खिलाड़ी रहे मेजर ध्यानचंद की तस्वीर पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए विवि के प्रभारी कुलपति वी. के. डांडीन ने खेल को स्वस्थ तन और मन का प्रतीक बताते हुए सभी लोगों को इससे जुड़ने की सलाह दी। उन्होंने देश में खेल से संबंधित कई पुरस्कारों का जिक्र करते हुए विवि में भी इसी तरह के पुरस्कारों के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। कुलसचिव डॉ. वी. के. सिंह ने विवि में खेलों से संबंधित विभिन्न स्पधाओं के आयोजन पर जोर दिया, जिससे विद्यार्थियों में टीम स्पिरिट और नेतृत्व कौशल का विकास किया जा सके। कार्यक्रम में स्वागत भाषण डॉ. अशोक अस्थाना और धन्यवाद भाषण सुभाष शाहदेव ने दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरोही आनंद ने किया। इस अवसर पर डॉ. सुभानी बाड़ा, डॉ. नीलिमा पाठक, डॉ. हरिबाबू शुक्ला, डॉ. संदीप, डॉ. आर. एम. झा, डॉ. पंकज गोस्वामी एवं अन्यान्य शिक्षक तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित हुए। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, डायरेक्टर जनरल प्रो. गोपाल पाठक और सांसद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने इस कार्यक्रम के आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

# चैनपुर में आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कर्यक्रम का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**चैनपुर :** चैनपुर प्रखंड के कतींग पंचायत मे शुक्रवार को आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कर्यक्रम का शुभ आरम्भ मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा, प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा, अंचलाअधिकारी दिनेश गुप्ता के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसमे सभी विभाग के स्टॉल लगाए गए थे। जिनमें कतींग पंचायत के विभिन्न गाँवो से आए लोगों ने अपनी बातों को रखते हुए योजना के लाभ का आवेदन जमा किया। वहीं मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य मेरी लकड़ा ने योजना का लाभ लेन आये दूर दराज के ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप की योजना आप की सरकार आप के द्वार कर्यक्रम का मुख्य उदेश्य झारखण्ड की सरकार आप सभी को विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओ को सीधा आप तक पहुचाने और उसका लाभ दिलाने के उदेश्य से प्रयासरत है आप सभी अपने जरुरत व पात्रता के आधार पर योजना का लाभ लें। वहीं उन्होंने आगे कहा की कातिग पंचायत आदिवासी बहुलक क्षेत्र है यहाँ के लोगों मे जानकारी का आभव होने के कारण क्षेत्र की जनता योजना का लाभ नहीं ले पाते हैं क्यूंकि क्षेत्र की जनता क्षेत्रीय भाषा का ज्यादा उपयोग करते हैं इसलिए जिन्हे भी जानकारी की आवश्यकता हुई उन्हें जीप सदस्य ने उराव भाषा से समझाते हुए योजना का लाभ दिलवाने का कार्य किया। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा ने कहा कि आप की योजना आप की सरकार आप के द्वार कार्यक्रम के तहत हम सभी आप के द्वार मे आपको सरकार की हर महत्वपूर्ण योजना की जानकारी व उसका लाभ देने आए है आप सभी सरकार की इस कार्यक्रम का लाभ लें।

## बालू लदा हाइवा पलटा, ड्राईवर की मौत

**अनगड़ा :** थाना क्षेत्र अंतर्गत जरगा गांव में सुबह लगभग 6 बजे सड़क के किनारे एक बालू लदा हाईवा पलट गया। जिससे घटना स्थल पर ही ड्राईवर की मौत हो गई। मृतक का नाम विपिन कुमार महतो है। जिसका गाड़ी न0 जे एच 01 डीजेड 3370 है। मौके पर अंगड़ा पुलिस पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। जरगा गांव के स्थानीय लोगों ने बताया कि बालू का परिचालन बंद है। इसके बावजूद बालू का अवैध तरीके से परिचालन किया जा रहा है। जबकि खनन विभाग ने जारी कर दिया है 15 अक्टूबर तक झारखंड में खनन बंद रहेगा।

## महिला के गले से चेन छीन कर उचक्के हुए फरार

**सिल्ली/मुरी :** मुरी ओपी थाना अंतर्गत गुरुवार के दिन देर संध्या छोटा मुरी निवासी सुनीता देवी अपने पड़ोसी महिला के साथ संध्या में टहलने निकली थी। टहलने के क्रम में मुरी स्टेशन रोड में राय क्लॉथ स्टोर के समीप पीछे से मोटरसाइकिल से आए उच्चको ने झपट्टा मारकर उनके गले से सोने की चेन लेकर फरार हो गए। थाना प्रभारी कुंदन कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है परंतु लिखित रूप से शिकायत नहीं मिली है।

# हड़ताल पर मनरेगा कर्मी, मुश्किल में मजदूर, पलायन को मजबूर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**गुमला :** जिले के सभी मनरेगा कर्मी अपने भविष्य निधि के लिए विगत 39 वे दिन से सरकार से अपनी मांगो को लेकर जोरदार धरना प्रदर्शन कर रहे है मनरेगा का काम पूरी तरह से ठप है ग्रामीण को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है लाभुक अपने कामों को लेकर ब्लॉक तो पहुंच रहे है लेकिन ब्लॉक में मनरेगा कर्मी नही रहने के कारण लाभुक घर वापस चले जा रहे है। मनरेगा कर्मी का कहना है कि जब तक सरकार हमे ग्रेड पे नही देता तब तक हमलोग अपना धरना प्रदर्शन को करते रहेंगे हमलोग का मांग जायज है समान काम का सामान वेतन मिलना चाहिए। बताते चले की मनरेगा कर्मियों के हड़ताल पर जाने से प्रखंड में संचालित मनरेगा योजना का कार्य बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। जहां एक तरफ नई योजना स्वीकृत नहीं हो रहा है वहीं दूसरी तरफ स्वीकृत योजना में डिमांड नहीं लग रहा है। डिमांड नहीं लगने से मनरेगा मजदूरों को रोजगार नहीं मिल रहा है। उससे मनरेगा मजदूर पलायन करने को विवश हो रहे हैं। मनरेगा मजदूर ने बताया कि 25 दिनों से वह ब्लॉक कार्यालय का चक्कर काट रहे हैं। मनरेगा कर्मियों के हड़ताल पर जाने से प्रखंड क्षेत्र में मनरेगा कार्य प्रभावित है। सरकार को मनरेगा कर्मियों के मांगों को ध्यान में रखते हुए पूरा किया जाए ताकि क्षेत्र में पुनः मनरेगा कार्य बहाल हो सके। बता दें कि झारखंड राज्य मनरेगा कर्मचारी संघ ने वादा निभाओ-स्थायी करो अभियान के तहत आंदोलन की शुरूआत की है। 22 जुलाई से ही सभी मनरेगा कर्मी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए है सभी ने बीते महीने में मुख्यमंत्री आवास, झामुमो केंद्रीय कार्यालय और जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया था। पर सरकार की ओर से कोई निर्णय नहीं लिया गया।

## प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश का किया गया स्वागत

**सिल्ली :** 30 अगस्त को झारखंड प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश का झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यालय रांची में सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो, कार्यकारी अध्यक्ष निशाकर महतो, रांची जिला ग्रामीण कांग्रेस सचिव नागेश्वर महतो, जिला प्रवक्ता जगदीश चन्द्र महतो द्वारा गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया।

# मासु मंजिला टोला में सड़क जर्जर ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**अनगड़ा :** प्रखंड अंतर्गत हेसल पंचायत के मासु मंजिला टोला मिडिल स्कूल के समीप बीच सड़क में जल जमाव को लेकर आजसू पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष जगरनाथ महतो और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष अजीत महतो के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया। मुख्य रूप से खिजरी के पूर्व विधायक रामकुमार पहान, भाजपा के युवा नेता राजू प्रामाणिक शामिल थे। मौके पर पूर्व विधायक ने कहा की सड़क खराब होने से गांव के लोगो को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय विधायक को छेत्र के सड़क नाली समस्याओं का निश्चित तौर पर समाधान करने का प्रयास करना चाहिए। आगे जगरनाथ महतो ने कहा कि 4 फरवरी 2023 में इस सड़क का प्रधानमंत्री सड़क योजना से करीबन 3.5 किलो मीटर सड़क मरामत कार्य का शिलान्यास खिजरी के विधायक राजेश कच्छप सांसद संजय सेट ने किया था। वर्तमान में सड़क का कार्य मात्र 300 मीटर का काम हुआ है बाकी काम नहीं होने से सड़क बहुत ज्यादा जर्जर स्थिति में हो गया है। जिससे गांव के लोगो को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जिस जगह पर पानी जमा पड़ा उसी जगह पर एक जल मीनार बना है। गंदा पानी जल मीनार में अंदर चला जा रहा है जिससे गांव के ग्रामीण गंदा पानी को पीने को बेवश है। पूर्व अध्यक्ष अजित महतो ने कहा कि करीबन एक वर्ष गुजर गया शिलान्यास किए हुए लेकिन सड़क बना कर कंप्लीट नहीं हुआ। जिससे स्कूल के छात्र छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है अगर सड़क निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरू नहीं किया गया। तो पुरुलिया सड़क को बाधित करने का काम करेंगे। मौके उप मुखिया दुर्गा महतो गांव के ग्रामीण शामिल थे।


## कार्यालय जिला परिषद, हजारीबाग।

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या :– 16/2024–25
दिनांक 29/08/2024
मद का नाम :– 15वें वित्त आयोग मद।

| क्र0 | प्रखण्ड | योजना का नाम | प्राक्कलित राशि | परिमाण विपत्र का मूल्य | अग्रधन की राशि | योजना पूर्ण करने की तिथि | टेंडर कॉल संख्या |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | बरकट्ठा | स्वास्थ्य उपकेन्द्र, सूर्यकुण्ड का निर्माण। | 5550000.00 | 10000.00 | 111000.00 | नौ माह | तृतीय कॉल |

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि 03.09.2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय 03.09.24 से 11.09.2024 अपराहन् 5:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने का स्थान– जिला परिषद, हजारीबाग।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 13.09.2024 पूर्वाहन् 10:00 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता – जिला अभियंता, जिला परिषद, हजारीबाग।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष संo–06546 261406 ई–मेल – districtboardhazaribag@gmail.com
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
9. निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट या www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, हजारीबाग।

PR 334151 District(24-25)D

## उपायुक्त का कार्यालय, हजारीबाग
(जिला नजारत शाखा)

अति अल्पकालीन निविदा
इच्छुक फर्मों/एजेन्सियों से निविदा का आमंत्रण

प्रबंधकीय समिति, जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट, हजारीबाग में लिए गए निर्णय के आलोक में हजारीबाग स्वास्थ्य विभाग अन्तर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बरकट्ठा, बरही, ईचाक एवं विष्णुगढ़ में दन्तकीय उपकरण/ उपस्कर की आपूर्ति की जानी है।

उपायुक्त–सह–अध्यक्ष, जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट, हजारीबाग के निदेश के आलोक में उक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में दन्तकीय उपकरण/ उपस्कर की आपूर्ति हेतु दिनांक–31.08.2024 से 09.09.2024 के अपराहन् 04:00 बजे तक सभी इच्छुक फर्मों/एजेन्सियों से अल्पकालीन निविदा दैनिक समाचार पत्रों के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निविदा संबंधी सभी नियम एवं शर्तें विशिष्टता एवं सामग्रियों की सूची हजारीबाग जिला के अधिकारिक वेबसाईट www.hazaribag.nic.in पर अपलोड किया गया है, जिससे डाउनलोड कर देखा जा सकता है।

उपायुक्त के निदेश के आलोक में,
नजारत उपसमाहर्ता,
हजारीबाग

PR 334228 (District)24-25*D

## कार्यालय, जिला परिषद, राँची
(अभियंत्रण शाखा)

अति अल्पकालीन पुनः निविदा आमंत्रण सूचना
संख्या –05/2024–2025 PR No. 329807

1. विज्ञापनदाता का नाम : जिला अभियंता जिला परिषद राँची
2. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : सहायक अभियंता, जिला परिषद राँची। जिला अभियंता, जिला परिषद, कार्यालय, राँची
3. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि : दिनांक 09.09.2024 (अपराहन 2.00 बजे तक)
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि : दिनांक 10.09.2024 को अपराहन 3:00 बजे तक
5. निविदा प्राप्त करने का स्थान : जिला नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा खोलने की तिथि : दिनांक 10.09.2024 को अपराहन 3:30 बजे।
7. निविदा खोलने का स्थान : जिला परिषद, कार्यालय, राँची।
8. कार्य का विस्तृत विवरणी : Untied Fund

| क्र० सं० | ग्रुप सं० | प्रखण्ड/शहरी क्षेत्र | योजना का नाम | प्राक्कलित राशि | अग्रधन की राशि | परिमाण विपत्र की राशि | कार्य समाप्ति की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 01 | 19 | शहरी क्षेत्र | सुखदेव नगर मुख्य पथ में प्रदीप तुलस्यान के घर से महावीर मंदिर तक कालीकरण कार्य। | 10,95,100.00 | 22,000.00 | 2500.00 | तीन माह |

नोटः 1. निविदा की अन्य शर्तें जिला परिषद, कार्यालय, राँची के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।
2. इस निविदा में जिला परिषद, राँची अन्तर्गत निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक भाग लेगें।

जिला अभियंता
जिला परिषद राँची

PR 334150 Panchayati Raj(24-25)#D

## जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला

आम सूचना
राष्ट्रीय लोक अदालत
दिनांक 28.09.2024, शनिवार
स्थान -व्यवहार न्यायालय परिसर, गुमला
निःशुल्क, सुलभ एवं शीघ्र न्याय हेतु

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली के निर्देशानुसार व्यवहार न्यायालय (कचहरी), गुमला के प्रांगण में दिनांक 28.09.2024 को पूर्वाहन 11:00 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा।

उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में निम्नलिखित प्रकार के मामले का निष्पादन किया जायेगा :–
(1) सुलह योग्य आपराधिक वाद, N.I.Act. U/s 138 से संबंधित वाद (चेक अनादर के केस), (2) मोटर –दुर्घटना क्षतिपूर्ति वाद ,(3) पारिवारिक/वैवाहिक वाद, (4) श्रम विवाद, (5) भूमि अधिग्रहण संबंधित विवाद (भू अर्जन मुआवजा), (6) सिविल वाद, किराया आदि से संबंधित वाद, (7) बैंक रिकवरी से संबंधित वाद, राजस्व वाद, मनरेगा, बिजली बिल, मामले और पानी बिल से संबंधित वाद, बिक्री कर, वाणिज्य कर एवं आयकर से संबंधित वाद, सेवा से संबंधित वाद, वन विभाग से संबंधित वाद, उत्पाद से संबंधित वाद, सिविल अपील, क्रिमिनल अपील, विविध अपील आदि से संबंधित वाद, नीलाम वाद, दाखिल खारिज मामले, अन्य मामले जिन्हें लोक अदालत के माध्यम से सुलझाया जा सकता है।

इस संबंध में किसी भी प्रकार की विस्तृत जानकारी के लिए आप किसी भी कार्य दिवस पर सुबह 11:00 बजे से दिन के 04:30 बजे तक जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला के कार्यालय में आकर संपर्क कर सकते हैं।

श्री शंकु कुमार सिंह
पुलिस अधीक्षक–सह–सदस्य
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला।

श्री कर्ण सत्यार्थी
उपायुक्त–सह–उपाध्यक्ष
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला।

श्री ध्रुव चंद्र मिश्र
प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश–सह–अध्यक्ष,
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गुमला।

PR 334199 Law (24-25)_D

## कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
विशेष कार्य प्रमण्डल
भवन निर्माण विभाग, राँची।
Mail:-splworksdivbcdrnc@gmail.com

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0–16/2024–25

1. विज्ञापनदाता का पदनाम :– कार्यपालक अभियंता, विशेष कार्य प्रमण्डल, भवन निर्माण विभाग, राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि :– दिनांक–05.09.2024 को अपराहन 1.00 बजे तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक–06.09.2024 को अपराहन 3.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक–06.09.2024 को अपराहन 3.30 बजे।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (क) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, छोटानागपुर भवन अंचल संख्या–1, भवन निर्माण विभाग, राँची। (ख) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, विशेष कार्य प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग राँची।
6. निविदा प्राप्ति एवं खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, विशेष कार्य प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, राँची।
7. निविदादीन कार्य का विवरण :–

| क्र. सं | कार्य का नाम | प्राक्कलित राशि (रू0) | अग्रधन की राशि (रू0) | परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0) | कार्य समाप्ति की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Construction of Security Incharge Office of New High Court Jharkhand at Dhurwa, Ranchi for the Year of 2024-25 | 24,94,200.00 | 50,000.00 | 5000.00 | 5 Months |

8. निविदा की शर्तें prdjharkhand.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

विश्वासभाजन
कार्यपालक अभियंता
विशेष कार्य प्रमण्डल, भ0 नि0 वि0, राँची।

PR 334249 (Building) 24-25 (D)

## स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)
जिला जल एवं स्वच्छता समिति"प्रकल्प" लातेहार
पानी टंकी कैम्पस मेन रोड लातेहार
Email ID-eedwsd.latehar@gmail.com

संविदा पर अधारित नियुक्ति संबंधित सूचना
शुद्धि–पत्र

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रा0), जिला जल एवं स्वच्छता समिति "प्रकल्प" लातेहार एवं जल जीवन मिशन अन्तर्गत संविदा पद नियुक्ति संबंधित सूचना जो दैनिक समाचार पत्रों में PR No 333764 Drinking Water and Sanitation(24-25):D द्वारा प्रकाशित है। जिसके आवश्यक शर्तों में निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है।

| प्रकाशित शर्त। | संशोधित शर्त। |
|---|---|
| राष्ट्रीयता:– आवेदक भारतीय नागरिक होना चाहिए। | राष्ट्रीयता:– आवेदक भारतीय नागरिक होना चाहिए। |
| 1. शारीरीक विकलांग कोटि के लिए बीतिज आरक्षण का अनुपालन कार्मिक, प्रशासनिक सुधार राजभाषा विभाग झारखण्ड के द्वारा निर्गत अद्यतन परिपत्रों के अनुसार किया जाएगा। | 1. शारीरीक विकलांग कोटि के लिए बीतिज आरक्षण का अनुपालन कार्मिक, प्रशासनिक सुधार राजभाषा विभाग झारखण्ड के द्वारा निर्गत अद्यतन परिपत्रों के अनुसार किया जाएगा। |
| 2. स्थानीय को प्राथमिकता दी जाएगी। | 2. स्थानीय को प्राथमिकता दी जाएगी। |
| 3. आवेदन प्रपत्र | 3. आवेदन प्रपत्र |
| 4. आवेदन प्राप्ति की तिथि:– 15.09.2024 के अपराहन 05 बजे तक है। | 4. आवेदन प्राप्ति की तिथि:– 15 .09.2024 के अपराहन 05 बजे तक है। |
| 5. आवेदन जमा करने का स्थान:– कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल लातेहार के कार्यालय में आवेदक अपना आवेदन प्रपत्र में भरकर वैधिनिक अनुभव एवं अन्य संबंधित प्रमाण पत्र की छायाप्रति स्व अभिप्रमाणित के साथ जमा कर सकते हैं। | 5. आवेदक अपना आवेदन प्रपत्र, वैधिनिक अनुभव एवं अन्य संबंधित प्रमाण पत्र PDF File में ई– मेल आईडी –recruitmentlateharpmu@gmail.com पर भेजेंगें। ऑफलाईन माध्यम से आवेदन स्वीकार नहीं है। |
| 6. सभी पदों पर नियुक्तियाँ पूर्णतः संविदा के आधार पर होगी। प्रारंभिक चरण में यह नियुक्ति एक वर्ष की होगी। कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर अगले एक वर्ष के लिए अनुबंध का नवीनीकरण किया जा सकेगा। कार्यक्रम का कार्यकाल पूर्ण होने पर की गई नियुक्ति स्वतः समाप्त हो जाएगी। | 6. सभी पदों पर नियुक्तियाँ पूर्णतः संविदा के आधार पर होगी। प्रारंभिक चरण में यह नियुक्ति एक वर्ष की होगी। कार्य संतोषप्रद पाये जाने पर अगले एक वर्ष के लिए अनुबंध का नवीनीकरण किया जा सकेगा।कार्यक्रम का कार्यकाल पूर्ण होने पर संविदा पर की गई नियुक्ति स्वतः समाप्त हो जाएगी। |
| टिप्पणी:– साक्षात्कार में भाग लेने हेतु कोई यात्रा भत्ता/ दैनिक भत्ता देय नहीं होगा। उपायुक्त– सह– अध्यक्ष के द्वारा किसी भी अभ्यर्थी की पात्रता को स्वीकार एवं निरस्त करने का अधिकार रखते है। लिखित परीक्षा की तिथि एवं चयनित अभ्यर्थियों के साक्षात्कार हेतु सूचना www.latehar.nic.in एवं विभाग के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है। | 7. नियुक्ति से संबंधित सभी आगामी सूचना www.latehar.nic.in पर देखा जा सकता है। टिप्पणी:– साक्षात्कार में भाग लेने हेतु कोई यात्रा भत्ता/ दैनिक भत्ता देय नहीं होगा। उपायुक्त– सह– अध्यक्ष के द्वारा किसी भी अभ्यर्थी की पात्रता को स्वीकार एवं निरस्त करने का अधिकार रखते है। लिखित परीक्षा की तिथि एवं चयनित अभ्यर्थियों के साक्षात्कार हेतु सूचना www.latehar.nic.in एवं विभाग के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है। |

नियुक्ति की शेष सभी सूचना एवं शर्त यथावत रहेंगी।

कार्यपालक अभियंता –सह– सदस्य– सचिव,
जिला जल एवं स्वच्छता समिति लातेहार

PR 334243 (Drinking Water and Sanitation)24-25*D

## उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, लोहरदगा (खेल शाखा)
Lohardagadso@gmail.com

अति अल्पकालीन निविदा शुद्धि–पत्र

इस कार्यालय के पत्रांक–247/खेल, लो0 दिनांक–31.07.2024 द्वारा प्रकाशित P.R. संख्या–331468 में मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल कप (बालक एवं बालिका) प्रतियोगिता, 2023–24 का आयोजन के निमित पंचायत स्तर से प्रखण्ड स्तर तक के खिलाड़ियों को विभिन्न खेल सामग्री उपलब्ध कराने हेतु GeM के माध्यम से आंमत्रित निविदा में निर्धारित निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं निविदा खुलने की तिथि को अपरिहार्य कारण वश बढ़ाकर निविदा जमा करने की अंतिम तिथि–02.09.2024 के अपराहन् 05:00 बजे तक एवं निविदा खुलने की तिथि दिनांक–03.09.2024 की जाती है। शेष सभी निविदा की शर्ते यथावत रहेंगी।

उप विकास आयुक्त,
लोहरदगा।

PR.NO.334140 Lohardaga(24-25):D

# सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम(यूपीएस) को मंजूरी

विनोद कुमार सिंह

**यूनिफाइड पेंशन स्कीम में महंगाई सूचकांक की भी बात की गई है। इसके तहत सुनिश्चित पेंशन पर, सुनिश्चित पारिवारिक पेंशन पर और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन पर-सर्विस इम्पलॉइज के केस में ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फॉर इंडस्ट्रियल वर्कर्स पर बेस्ड महंगाई राहत की व्यवस्था की गई है। कर्मचारी के रिटायरमेंट की तारीख पर मासिक परिलब्धियों(वेतन+डीए) का1/10वां हिस्सा-सर्विस के हर पूर्ण छह महीने के लिए इस भुगतान से सुनिश्चित पेंशन की मात्रा कम नहीं होगी।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली कैबिनेट ने नई पेंशन स्कीम को मंजूरी दे दी...

-10 साल की नौकरी पर कम से कम 10 हजार रुपये की पेंशन...

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत को पर्व त्योहारों का देश कहा जाता है। पर्व त्योहार की इस श्रृंखला में चुनाव पर्व का अपना महत्वपूर्ण स्थान है। अभी कुछ दिन पहले ही लोकसभा 24 का चुनाव सम्पन्न हुआ था। जिसमें भाजपा व एनडीए गठबन्धन को आशा के अनुरूप सफलता नही मिली थी, हालाकि भाजपा व उनके गठबन्धन दलों के अलावे नीतीश व नायडु के दलो का समर्थन पा कर केन्द्र मे सरकार बनाने में सफल रही। तभी से केन्द्र की भाजपा सरकार अपनी प्रचड़ बहुमत नही मिलने के कारणों का पता लगाने व इस पर चिन्तन-मनन कर रही है। इस क्रमः में केन्द्र सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के पेंशन को लेकर विगत शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली कैबिनेट ने सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को मंजूरी दे दी है। अब पुरानी और नई की जगह यूनिफाइड पेंशन स्कीम शुरू की जाएगी। इसके मुताबिक कम से कम 25 साल की नौकरी के बाद बेसिक पेमेंट की 50 फीसदी रकम यु पी एस के तहत मिलेगी यानी यह रकम पेंशन के तौर पर दी जाएगी। वहीं 10 साल की नौकरी के बाद कम से कम 10 हजार रुपये पेंशन के तौर पर मिलेंगे। केन्द्र सरकार का मानना है कि इस नई पेंशन योजना से 23 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों को फायदा होगा। यह योजना 01 अप्रैल 2025 से लागू होगी। हालाकि केंद्र सरकार के कर्मचारियों को नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) और यूपीएस में से किसी एक योजना को चुनने का विकल्प दिया जाएगा। वही केंद्र सरकार के एनपीएस ग्राहकों को भी यूपीएस में स्विच करने का विकल्प दिया जाएगा। सर्वविदित रहे कि सरकार ने इस साल मार्च में तत्कालीन वित्त सचिव टी वी सोमनाथन की अध्यक्षता में एन पी एस में सुधार के लिए एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी ने देश और दुनिया की कई पेंशन स्कीमों की गहन अध्ययन की थी।

इस घोषणा के बाद स्वंय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट कर सरकारी कर्मचारियों पर गर्व जताया। उन्होंने कहा कि'देश की प्रगति के लिए कठिन परिश्रम करने वाले सभी सरकारी कर्मचारियों पर हमें गर्व है। यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) इन कर्मचारियों की गरिमा और आर्थिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने वाली है। यह कदम उनके

कल्याण और सुरक्षित भविष्य के लिए हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस योजना के लाभार्थी को कम से कम 25 साल तक नौकरी करने वाले को रिटायरमेंट से पहले पिछले 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन का 50 फीसदी पेंशन के रूप में दिया जाएगा। इस पेंशन के हकदार वही कर्मचारी होंगे जो कम से कम 10 साल नौकरी करेंगे। 10 साल की नौकरी के बाद अगर कोई नौकरी छोड़ता है तो उसे कम से कम 10 हजार रुपये पेंशन के तौर पर मिलेंगे। सरकारी सेवा में कर्मचारी की अगर मृत्यु होने पर उसकी पेंशन की 60 फीसदी रकम परिवार को मिलेगी। रिटायर होने पर ग्रेच्युटी के अलावा एकमुश्त भुगतान व महंगाई इंडेक्सेशन का लाभ भी मिलेगा। इसके लिए कर्मचारियों को अंशदान करने की जरूरत नहीं होगी। सरकार अपनी तरफ से कर्मचारी की बैसिक सैलरी का 18.5 फीसदी वहन करेगी। हर छह महीने की सेवा के बदले मासिक वेतन(वेतन+डीए)का दसवां हिस्सा जुड़ कर रिटायरमेंट पर मिलेगा। अभी पेंशन के लिए कर्मचारियों को नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में बेसिक सैलरी का 10 फीसदी हिस्सा सहयोग राशि देना होता है। इसमें सरकार अपनी ओर से 14 फीसदी हिस्सा सरकार अपनी ओर से देती है। वही नई पेशन योजना में इसके लिए कर्मचारी को कोई भी अंशदान नहीं देना होगा। सरकार अपनी तरफ से कर्मचारी की मुल वेतन का 18.5 फीसदी हिस्सा अंशदान करेगी।

आप को याद होगा कर्मचारियों की पेंशन का मुद्दा विगत लोकसभा चुनाव से हावी था। कर्मचारी पुरानी पेंशन (ओपीएस) को बहाल करने की मांग कर रहे थे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी पेंशन का मुद्दा उठाया था। कर्मचारी संगठनों ने ओपीएस को बहाल करने को लेकर फरवरी में प्रधानमंत्री मोदी को एक पत्र लिख कर मांग की गई थी कि सरकार एन पी एस बंद करे और गारंटीकृत ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करे कर्मचारियों के संगठनों ने कहा था कि अगर उनकी मांग पूरी न की गई तो वे एक मई से हड़ताल करेंगे। हालांकि सरकार से बातचीत और आश्वासन मिलने के बाद हड़ताल को टाल दिया गया था। यूनिफाइड पेंशन स्कीम की घोषणा होने पर सरकारी कर्मचारियों एक खेमें की ओर से यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू करने के लिए मोदी सरकार की तारीफ की गई है। आप के मन में जिज्ञासा होगी कि आखिरकार यूनिफाइड पेंशन स्कीम क्या है, तो आयें आसान भाषा में जानने की कोशिस करते है। इस नई पेशन भेजना अर्थात यूनिफाइड पेंशन स्कीम में कर्मचारी को कम से कम 10 वर्ष की सेवा देने के बाद रिटायरमेंट पर 10 हजार रुपये हर महीने की बात की गई है।

न्यूज एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी कर्मचारियों ने केंद्र सरकार द्वारा उन्हें सुनिश्चित पेंशन देने के फैसले के मोदी सरकार की तारीफ की। ऐजेन्सी की रिपोर्ट के अनुसार सरकारी कर्मचारी संगठनों के संयुक्त फोरमझसंयुक्त सलाहकार मशीनरी के सचिव शिव गोपाल मिश्रा ने बताया कि उन्हें प्रधान मंत्री द्वारा आर्मंत्रित किया गया था। उन्होंने कहा कि पहली बार जे सी एम को प्रधानमंत्री द्वारा आर्मंत्रित किया गया था। यह 32 लाख सरकारी कर्मचारियों के लिए यह बहुत गर्व का पल था। सरकारी श्रोतो से मिली जानकारी के अनुसार, यूनिफाइड पेंशन स्कीम में सुनिश्चित पेंशन की व्यवस्था की गई है। इसके तहत कम से कम 25 साल की सेवा के लिए रिटायरमेंट से पहले के अंतिम 12महीनों में मिली बेसिक सैलरी के औसत के 50 फीसदी की व्यवस्था की गई है। कम से कम 10 साल तक की सर्विस के लिए यह आनुपातिक होगा। इस योजना के तहत सरकारी कर्मचारी के निधन से ठीक पहले उसकी पेंशन के 60 प्रतिशत की व्यवस्था की गई है।

यूनिफाइड पेंशन स्कीम में महंगाई सूचकांक की भी बात की गई है। इसके तहत सुनिश्चित पेंशन पर, सुनिश्चित पारिवारिक पेंशन पर और सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन पर-सर्विस इम्पलॉइज के केस में ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फॉर इंडस्ट्रियल वर्कर्स पर बेस्ड महंगाई राहत की व्यवस्था की गई है। कर्मचारी के रिटायरमेंट की तारीख पर मासिक परिलब्धियों(वेतन+डीए) का1/10वां हिस्सा-सर्विस के हर पूर्ण छह महीने के लिए इस भुगतान से सुनिश्चित पेंशन की मात्रा कम नहीं होगी। कैबिनेट सेक्रेटरी डेजिग्नेट सोमनाथन के अनुसर नई योजना1अप्रैल 2025 से लागू होगी। उन्होंने कहा कि यूनिफाइड पेंशन स्कीम के फायदे उन सभी पर लागू होंगे जो रिटायर्ड हो चुके हैं और एन पी एस के तहत 31मार्च 2025 सेवा निवृत हो रहे हैं। वे सभी बकाया राशि के पात्र होंगे। वही दूसरी तरफ यूनिफाइड पेंशन स्कीम की घोषणा होने के बाद यूनिफाइड पेंशन स्कीम का विरोध भी होने लगी है। विपक्षी दलों व कर्मचारी संगठन के नेताओं का कहना है कि अगर यह यूनिफाइड पेंशन स्कीम इतनी अच्छी है ' वे इनकी तारीफ करते हुए थक नही रहे है तो सांसदों व विधायकों के लिए भी यूनिफाइड पेंशन स्कीम क्यूँ नही लागु कर रहें है। यू नई पेंशन योजना पर सी पी आई ने कहा कि सरकारी की नई पेशन स्क्रीम ये नई बोतल में पुरानी शराब है। पी एस सरकारी कर्मचारियों के लिए लॉली पॉप के अलावे कुछ भी नही है। वही कुछ श्रम संगठन के युनियनों का कहना है सरकार को नई पेशन योजना लागु करने से पहले कर्मचारी ट्रेड यूनियन से सम्पर्क व संवाद कर कुछ संसोधन की आवश्यकता है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार है)

## संपादकीय

### जायज है गुस्सा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहे अपराधों पर आक्रोश जाहिर करना वाकई जायज है। उन्होंने कहा, बस अब बहुत हो चुका। अब समय आ गया है भारत ऐसी विकृतियों प्रति जागरूक हो और उस मानसिकता का मुकाबला करे जो महिलाओं को कम शक्तिशाली, कम सक्षम व कम बुद्धिमान के रूप में देखती है। मुर्मु ने विशेष बातचीत में कहा कि कुछ लोगों द्वारा महिलाओं को वस्तु के रूप में देखने की मानसिकता जिम्मेदार है। अपनी बेटियों के प्रति यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें भय से मुक्ति पाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करें। कोलकाता की डॉक्टर के रेप-हत्या के मामले का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने उसे स्तब्ध व व्यधित करने वाला कहा। कोई भी सभ्य समाज बेटियों व बहनों पर इस तरह के अत्याचार की अनुमति नहीं दे सकता। उधर पश्चिम बंगाल में 12 घंटे के बन्द का मिल-जुला असर रहा। जन-जीवन बुरी तरह तरह प्रभावित रहा। अपनी व्यवस्था में राष्ट्रपति अव्वल तो किसी गंभीर मसले में अपनी राय देने से बचते हैं। मगर यह मामला दिल दहला वाला है। महिला होने के नाते राष्ट्रपति आधी आबादी के खिलाफ हो रही इस पीड़ा को गहरे से समझ सकती हैं। उन्होंने जिस कड़ाई से यह बात रखी, वह महिलाओं के हित में बेहद महत्त्वपूर्ण है। कुछ ही दिन पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस मामले में संवेदना व्यक्त की थी। महिलाओं के प्रति लगातार गंभीर अपराध बढ़ते ही जा रहे हैं। इन पर काबू पाने में सरकारें बुरी तरह असफल रही हैं। कड़े. कानूनों के बावजूद महिलाओं के खिलाफ अपराधों का बढ़ता ग्राफ थम नहीं रहा है। इसके लिए मुख्य रूप से स्थानीय प्रशासन को जवाबदेह बनाने की जरूरत है। हां, सरकार को नये सिरे से दुष्कर्म के अपराध में सख्त-से-सख्त सजा के बारे में गंभीरता से सोचना होगा। जितना धरना-प्रदर्शन इस घटना से उपजे गुस्से के बाद से चालू है, उतना यदि लोगों को जागरूक करने, लैंगिक विषमता, महिलाओं के निजी अधिकारों, कानूनों और अपराध के खिलाफ माहौल बनाने के प्रति चेतना जगाने में सार्वजनिक रूप से प्रयास हों तो हम बेहतर माहौल बनाने में सफल हो सकते हैं। देश की प्रथम नागरिक द्वारा जाहिर आक्रोश से सरकार के कानों में जूं रेंगने की उम्मीद की जा सकती है।

## चिंतन-मनन

### दूर करें अध्यात्म विद्या का अभाव

अध्यात्म विद्या के विषय में अधिकांश भौतिक विद्वान शिक्षा को ही विद्या मान बैठते हैं। वे विद्या और शिक्षा के अंतर को भी समझने में असमर्थ हैं जबकि विद्या और शिक्षा में धरती और आसमान का अंतर है। इस विषय को स्पष्ट करते हुए महात्मा परमचेतनानंद ने अपने प्रवचन में कहा कि शिक्षा शब्द शिक्ष धातु से बना है जिसका अर्थ है सीखना। भौतिक शिक्षा अनुकरण के द्वारा सीखी जाती है जिसका संबंध ज्ञानेन्द्रियों, कर्मेंद्रियों व मन बुद्धि तक सीमित है। इसके अतिरिक्त विद्या शब्द विद् धातु से बना है जिसका अर्थ है जानना अर्थात वास्तविक ज्ञान।

यह ज्ञान स्वयं अंदर से प्रकट होता है, इसे ही अध्यात्म ज्ञान कहा जाता है। इसे आत्मा की गहराई में पहुंचने पर ही जाना जाता है। शिक्षा के विद्वान अहंकार से ग्रसित होते हैं, उनमें विनम्रता का अभाव होता है जबकि विद्या का प्रथम गुण विनम्रता है। विद्या वास्तव में मानव की मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करती है।

इस अध्यात्म विद्या से मानव निष्काम कर्म योगी बनता है जो सभी को समान भाव से देखता है। पहले निष्काम कर्म योगी को ही प्रजा अपना राजा चुनती थी। वे अपने पुत्र तथा अन्य प्रजा के साथ समान रूप से न्याय करते थे। आज के असमय में अध्यात्म विद्या का अभाव होने के कारण राजा और प्रजा दोनों ही अशांत हैं फिर भी इसे ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जबकि अध्यात्म विद्या के वेत्ता तत्वदर्शी संत आज भी मौजूद हैं।

# आँख की किरकिरी ममता पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन संभव....?

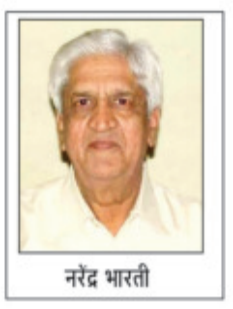

नरेंद्र भारती

केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के अश्वमेद्य यज्ञ का घोड़ा रोकने वाली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी भाजपा की आँख की किरकिरी बनी हुई है, भारतीय जनता पार्टी का सपना पूरे देश के सभी राज्यों पर ह्यएकछत्रह्न राज स्थापित करना है, किंतु पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे राज्य बाधक बने हुए है, अब पश्चिम बंगाल के मौजूदा हालातों को देखते हुए लगता है कि भाजपा ने आर-पार की लड़ाई शुरू करने की ठान ली है और भाजपा विरोधी नेताओं से हर तरीके से निपटने की ठान ली है, इसी का ट्रेलर मौजूदा पश्चिम बंगाल में दिखाई दे रहा है, इसलिए भाजपा ने भी तय कर लिया है कि वे हर कानूनी गैर-कानूनी कदम उठाकर अपनी मनोकामना पूरी करेगें, इसके लिए उन्हें कुछ भी क्यों न करना पड़े? इसलिए यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि पश्चिम बंगाल में भाजपा अपनी कौशिशों में कामयाब नही होती है तो वहां राज्यस्तरीय अशांति के

नाम पर सरकार को भंग कर राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है, जिसकी सिफारिश वहां के राज्यपाल केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलकर पहले ही कर चुके है।

अब यहां मुख्य सवाल यह पैदा होता है कि पश्चिम बंगाल में जिस घटना को लेकर राजनीतिक उठापटक की जा रही है, वैसी घटनाएं तो भाजपा शासित उत्तरप्रदेश जैसे राज्यों में कई घट चुकी है, फिर वहां पश्चिम बंगाल की मौजूदा तर्ज पर आंदोलन क्यों नही हुए, भाजपा शासित उत्तरप्रदेश तो अपराधों का सबसे बड़ा केन्द्र माना जाता रहा है, जहां के मुख्यमंत्री अब शांति का दावा कर रहे है, तो क्या वास्तव में उत्तरप्रदेश ह्याह्यअपराध शून्य प्रदेशह्नह्न हो गया है, जबकि वहां के लोगों का यह कहना है कि वहां ऐसे अपराधों में कोई कमी नही आई है, उन्हें सार्वजनिक रूप देने पर सक्षम रोक लगाई गई है।

अब जहां तक पश्चिम बंगाल का सवाल है, वहां पिछले दो-तीन दिन से जो कुछ हो रहा है, उसके पीछे केवल और केवल भाजपा का ही हाथ बताया जा रहा है, वहां के छात्रों को इस विध्वंसक राजनीति का मोहरा बनायया गया है और इस सबका एकमात्र राजनीतिक उद्देश्य पश्चिम बंगाल को ह्याअशांत राज्यह्न बताकर वहां की सरकार को भंग कर वहां राष्ट्रपति शासन कायम करना है, अब तक का यह इतिहास रहा है कि केन्द्र में जिस दल की भी सरकार होती है, वह विरोधी पार्टी की राज्य सरकारों को इसी तरह गिरती आई है और राष्ट्रपति शासन कायम करती आई है, आज विपक्ष में विराजित कांग्रेस ने भी केन्द्र में सरकार रहते, विरोधी दलों की राज्य सरकारों पर अनेक बार यही सलूक किया है, इसलिए आज केन्द्र में विराजित सरकार पश्चिम बंगाल को लेकर जो सोच रही है, वह भारतीय राजनीति में कोई नया नही है।

पश्चिम बंगाल के बारे में कोर्ठ सख्त कानूनी कदम उठाने के पहले भारतीय जनता पार्टी इस पहलू पर भी गंभीर चिंतन कर रही है कि केन्द्र के इस कदम का अगले एक दो महीनों में होने वाले कुछ राज्यों के विधानसभा चुनावों पर क्या असर पड़ेगा, इसी मसले पर अभी भाजपा में गंभीर चिंतन जारी है, जिसकी बागडोर गृहमंत्री अमित शाह संभाल रहे है।

इस प्रकार कुल मिलाकर मौजूदा समय इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि क्योंकि भारत के राजनीतिक दल अपनी भावी योजनाओं के गंभीर चिंतन में वयस्त है तथा मुख्यतः भाजपा पूरे देश पर ह्यएकछत्र राजह्न स्थापित करने के मंसूबों में व्यस्त है, अब ऐसे में देश में विकास व जनहित की योजनाओं पर मंथन शून्य हो गया है।

# जांच एजेंसियां : दबाव मुक्त हों तभी बात बनेगी

रजनीश कपूर

वर्ष 2014 से जब नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने की तैयारी में अपना अभियान शुरू किया तो भ्रष्टाचार के विरुद्ध उनका आह्वान था, 'न खाऊंगा न खाने दूंगा।' उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद इसका असर भी फौरन दिखाई दिया। केंद्र सरकार की नौकरशाही में यह संदेश गया तो ऐसा लगा जैसे अब जल्दी ही लालफीताशाही खत्म होगी। पर जैसे-जैसे समय बीतता गया, ये शुरू आती लक्षण ठंडे पड़ते गए। हालांकि मोदी जी दो बार अपने बूते पर और तीसरी बार अन्य दलों की मदद लेकर सरकार की तीसरी पारी खेल रहे हैं पर इन वर्षों में जिस बात ने सबको चौंकाया वो ये कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध मोदी जी का ये अभियान केवल विपक्षी दलों तक ही सिमट कर रह गया है। उनमें से भी भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे जिस विपक्षी दल के नेता मोदी जी और अमित शाह के शरणागत हो जाते हैं उनके सौ खून भी माफ कर दिए जाते हैं। इतना ही नहीं उन्हें संसद या मंत्री बना कर पुरस्कृत भी किया जाता है।

मोदी-शाह की इस रणनीति के हथियार बने हैं केंद्रीय जांच एजेंसियां, जो लगातार 'हिज मास्टर्स वॉइस' की तर्ज पर काम कर रही हैं। इसलिए लगातार विपक्ष उन पर जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगा रहा है, संसद में भी और संसद के बाहर भी। वैसे तो सीबीआई, आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय की छवि बड़े-बड़े मामलों को लंबा खींचने या दबाए

रखने की है। पर मोदी राज में ये चमत्कार हो रहा है कि सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों पर तो प्राथमिक कार्रवाई भी नहीं होती किंतु विपक्ष के नेताओं पर हवा की गति से कार्रवाई होती है। यह आश्चर्यजनक है। हाल ही में सरकार की इस प्रवृत्ति पर कुछ रोक लगती नजर आई है। बीते कुछ महीनों में जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के कई मामलों पर जांच एजेंसियों और सरकार को आड़े हाथों लिया है उससे यह संदेश गया है कि जांच एजेंसियां राजनैतिक दबाव में काम कर रही हैं, निष्पक्षता से कानून के दायरे में नहीं। मान्य सिद्धांत यह है कि आरोपी चाहे किसी भी दल या विचारधारा को क्यों न हो, यदि उसने अपराध किया है तो उसकी जांच निष्पक्षता से ही की जानी चाहिए। जाहिरि सी बात है कि जांच एजेंसियों द्वारा ऐसी गलतियां बिना किसी दबाव के नहीं होती। ताजा उदाहरण दिल्ली शराब नीति घोटाले का है। जिस तरह शराब नीति घोटाले को लेकर आरोपी नेता एक के बाद एक जमानत पर छूट रहे हैं, उससे जांच एजेंसियों की 'जांच' को लेकर सवाल उठ रहे हैं। चुनाव से पहले और चुनाव के दौरान यह माहौल बनाया जा रहा था कि इन नेताओं का अपराध काफी संगीन है, इसीलिए इन्हें जमानत नहीं मिल रही, परंतु लंबे समय तक कछुए की चाल चल रही इस मामले की "जांच' ने इन एजेंसियों की क्षमता को शक के घेरे में अवश्य खड़ा कर दिया है। वहीं सुप्रीम कोर्ट के कड़े रुख और सख्त आदेश के बाद जांच एजेंसियों द्वारा अपनाए गए दोहरे मापदंड का भी पदार्फाश हुआ। यदि जांच एजेंसियां सभी आरोपियों को एक ही पैमाने से मापेगी तो जनता के बीच सही संदेश जाएगा, सिसोदिया होङ्क केजरीवाल हो, संजय राउत हो, या अन्य कोई आम आदमी, कानून की नजर में सभी एक समान हैं। पर यह भी विचारणीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने इन वीआईपी आरोपियों के मामले में ये रुख पहले क्यों नहीं अपनाया? उल्लेखनीय है कि केंद्रीय जांच एजेंसियों पर निगरानी रखने के लिए 1997 के 'विनीत नारायण बनाम भारत सरकार' (जैन हवाला कांड केस) के फैसले ने केंद्रीय सतर्कता आयोग का पुनर्गठन किया था। जांच एजेंसियों को निष्पक्ष और राजनैतिक दबाव से मुक्त करने की दृष्टि से यह एक ऐतिहासिक फैसला था।

जाहिरि सी बात है कि तमाम राजनीतिक दलों ने इसका विरोध भी किया, लेकिन उसके फौरन बाद ही से जिस तरह जांच एजेंसियों को 'पिंजरे में बंद तोता' और 'सत्तापक्ष के हथियार' से नवाजा गया है, यह लोकतंत्र के लिए उचित नहीं था। इसलिए यदि जांच एजेंसियों को अपनी छवि सुधारनी है तो उन्हें भय मुक्त हो कर ही कार्य करना होगा। जांच अधिकारी, चाहे छोटे पद पर हो या बड़े पद पर, उसे इस बात के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए कि यदि उसने किसी केस की जांच को लेकर, किसी नेता के मन की नहीं मानी तो हद से हद उस अधिकारी का तबादला ही हो होगा, परंतु यदि वो अधिकारी फाइल पर सभी कानूनी तथ्यों को सही से दर्ज कर देता है तो कोई भी अधिकारी उसके खिलाफ नहीं जा सकता। उम्मीद की जानी चाहिए कि देश में आज भी ऐसे ईमानदार अधिकारी होंगे जो तबादले के डर से भयभीत हुए बिना अपना काम निष्ठा से करना जानते हैं। समय की मांग है कि ऐसे अधिकारी महत्त्वपूर्ण केस में सही तथ्यों को दर्ज कर केस फाइल के जरूरी पन्नों पर अपनी निष्पक्ष राय अवश्य दर्ज कराएं। भविष्य में जब भी कभी केस फाइल की जांच किसी निष्पक्ष समिति द्वारा की जाएगी तो दूध का दूध और पानी का पानी अपने आप सामने आ जाएगा। ऐसे में एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए जांच एजेंसियों का निष्पक्ष और दबाव मुक्त होना अनिवार्य है। (लेख में व्यक्त विचार निजी हैं)

## एक नजर

### विस चुनाव में पुलिस रहेगी सक्रिय अपराधियों पर कसेगी नकेल : आईजी

**रामगढ़ :** झारखंड विधानसभा चुनाव में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। सभी जिलों की पुलिस सामंजस्य बनाकर शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव संपन्न कराएगी। इसी उद्देश्य से उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र अंतर्जिला स्तरीय बैठक आयोजित हुई है। यह बातें बैठक के दौरान उत्तरी छोटानागपुर आईजी डॉ माइकल एस राज ने कही। एसपी कार्यालय में आयोजित इस बैठक में सात जिलों के एसपी शामिल हुए हैं। बैठक में हजारीबाग रेंज के डीआईजी सुनील भास्कर और बोकारो रेंज के डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा के साथ रामगढ़ एसपी अजय कुमार, हजारीबाग एसपी अरविंद कुमार सिंह, गिरिडीह एसपी डॉ बिमल कुमार, कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह, धनबाद एसपी हृदीप पी जनार्दन, बोकारो एसपी पूज्य प्रकाश और चतरा एसपी विकास पांडे जिले के एसपी आपस में सारे मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने बताया कि चुनाव के दौरान काफी सारे बिंदुओं पर तैयारी की जाती है। कुछ बिंदुओं पर कमी रह गई है, जिसे जल्द ही दुरुस्त कर लिया जाएगा। आईजी ने बताया कि संगठित अपराध पर रोक लगाने के लिए सभी अधिकारियों का आपस में सामंजस्य स्थापित होना बेहद जरूरी है। अपराधी कई जिलों में कांड करते हैं। ऐसी ही हालत कोयला तस्करी और अवैध कारोबारों की भी है। इन सभी अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस पदाधिकारी एक साथ मिलकर कार्रवाई करेंगे।

### खूंटी जिले की दो विस सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए टिकट के कई दावेदार

**खूंटी :** भले ही झारखंड विधानसभा चुनाव की डुगडुगी अभी नहीं बजी है लेकिन राजनीतिक दलों के नेताओं की संक्रियता काफी बढ़ गई है। एक ही पार्टी के कई दावेदार टिकट के लिए ताल ठोंक रहे हैं। टिकट चाहने वालों की सबसे बड़ी लाइन झामुमो में है। भाजपा और, कांग्रेस के टिकट के दावेदारों की सूची भी काफी लंबी है। खूंटी जिले में दो विधानसभा सीटें हैं और दोनों जनजातियों के लिए आरक्षित हैं। दोनों सीटों पर भाजपा के विधायक काबिज हैं। खूंटी से भाजपा के वर्तमान विधायक और राज्य के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री नीलकंठ सिंह मुंडा 1099 से लगातार इस क्षेत्र का प्रतिनित्वि करते आ रहे हैं। तोरपा के विधायक कोचे मुंडा भी तीन बार से विधायक चुने जाते रहे हैं। तोरपा विधानसभा सीट से भाजपा के टिकट चार दावेदार अपनी पहुंच और पैरवी के बल पर प्रदेश स्तरीय नेताओं से संपर्क साध रहे हैं। तोरपा विधानसभा सभा सीट की बात करें, तो टिकट के चार प्रबल दावेदार इस दौड़ में हैं। वर्तमान विधायक कोचे मुंडा स्वाभाविक रूप से टिकट के दावेदार हैं, वहीं निखिल कंडुलना, अजीत तोपनो और ब्रजेन्द्र हेमरोम भी टिकट के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। कोचे मुंडा पहली बार 1999 में बिहार विधाननसभा के लिए चुने गये थे। वर्ष 2000 और 2005 के चुनाव में भी उन्होंने विजय हासिल की थी लेकिन 2009 और 2014 में उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। इस बार भी वे टिकट के मजबूत दावेदार हैं। अजीत तोपनोरू तोरपा सीट से टिकट के दावेदारों में अजीत तोपनो के नाम की चर्चा जोरों पर है। वे तोरपा विधानसभा क्षेत्र के बानो प्रखंड के रहने वाले हैं। वर्तमान में सिमडेगा जिला एसटी मोर्चा के उपाध्यक्ष हैं। विगत कई वर्षो से वे क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। अजीत का दावा है कि कार्यकताओं का एक वर्ग उनके साथ भी है। ब्रजेंद्र हेमरोम का नाम भी तोरपा सीट से भाजपा के दावेदारों में है। ब्रजेंद्र हेमरोम परिवहन विभाग के संयुक्त सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं।

# एनजीटी की रोक और टास्क फोर्स की कार्रवाई बेअसर, कोयल नदी से बालू का हो रहा अवैध उठाव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**पलामू :** नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की रोक और टास्क फोर्स की कार्रवाई इस इलाके में बेअसर साबित हो रही है। हम बात कर रहे हैं पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के बोकेया कोयल नदी घाट की। यहां रात के अंधेरे से लेकर अहले सुबह तक बालू की अवैध ढुलाई धड़ल्ले से की जा रही है। गुरूवार एवं शुक्रवार को भी यह स्थिति देखने को मिली। इस इलाके से गुजर रहे बालू लोड पांच ट्रैक्टरों को ग्रामीणों ने रोक रखा था। अंचलाधिकारी और थाना प्रभारी को सूचना दी गई थी, लेकिन किसी ने रिस्पांस नहीं दिया। इसी बीच ट्रैक्टर मालिक और उनके रिश्तेदार वाहन को मौके से जबरन ले गए। बताते चलें कि जिले के उपायुक्त शशि रंजन ने गुरुवार को ही जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक की थी। इस बैठक में खनन पदाधिकारी के साथ-साथ अंचलाधिकारी और थाना प्रभारी को अवैध खनन रोकने के लिए निर्देश दिये थे। बैठक में डीसी ने सभी अंचलाधिकारियों व थाना प्रभारियों से खनन क्षेत्र के निरीक्षण की समेकित रिपोर्ट प्रस्तुत करने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र में नियमित जांच करें एवं यह सुनिश्चित करें कि आपके क्षेत्र अंतर्गत कहीं भी अवैध खनन नहीं हो। इस बीच चैनपुर से इस तरह का मामला सामने आने से स्पष्ट है कि अवैध खनन रोकने को लेकर अंचलाधिकारी और थाना प्रभारी की कार्रवाई किस स्तर पर हो रही है। बोकेया कोयल नदी से हर दिन दर्जनों ट्रैक्टर अवैध बालू लेकर तस्कर निकलते हैं। बोकेया का कोयल नदी चैनपुर थाना से काफी दूर है। ऐसे में जब भी पुलिस की कोई गतिविधि होती है तो बालू तस्करी से जुड़े लोगों को आसानी से जानकारी हो जाती है और वे मौके से निकालकर फरार हो जाते हैं। हालांकि यह भी चर्चा है की बालू के इस अवैध धंधे में नीचे से लेकर ऊपर तक सेटिंग है। यही कारण है कि बोकेया में अवैध बालू उठाव वाले रास्ते पर प्रशासन की ओर से ट्रेंच नहीं खुदवाया गया। यहां बता दे कि पिछले दिनों सभी अंचल क्षेत्र में बालू उठा वाले इलाके में वाहनों के गुजरने वाले रास्ते पर जेसीबी लगाकर ट्रेंच खुदवाया गया था। ग्रामीणों के द्वारा ट्रैक्टर रोकने के पीछे मामूली कारण सामने आया है, लेकिन इसी वजह से बालू तस्करी सामने आई। दरअसल, कोयल नदी से बालू उठाने के बाद ट्रैक्टर तेज रफ्तार से सड़क से गुजरते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वाहनों के तेज चलने से हमेशा दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। ट्रैक्टर के द्वारा कई मुर्गियों को कुचल दिया गया था। गुस्से में सभी बालू लोड ट्रैक्टरों को रोका गया और प्रशासन को सूचना दी गई, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई तत्काल नहीं की गई। इसी बीच एक समाज विशेष के लोग मौके पर पहुंच गए और सारे ट्रैक्टर को मौके से जबरन ले गए। अगर प्रशासन समय पर आकर कार्रवाई करता तो तस्करों की करतूत पर लगाम लग सकता था। एक साथ पांच ट्रैक्टरों को रोका गया था।

## पलामू में सफाईकर्मियों की हड़ताल से चरमराई नगर की सफाई व्यवस्था

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**मेदिनीनगर (पलामू) :** छतरपुर निकायकर्मियों की हड़ताल के कारण छतरपुर नगर पंचायत की सफाई व्यवस्था चरमरा गई है, सभी कार्य ठप्प पड़े हैं। इस बावत छतरपुर विकास मंच के संस्थापक अध्यक्ष सह नगर के पूर्व अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अरविंद गुप्ता चुनमून ने नगर पंचायत के कार्यपालक अधिकारी से प्रेस रिलीज जारी कर कहा है कि निकाय कर्मियों की मांगों के बावत आलाधिकारियों से बात कर कार्यापलक अधिकारी समाधान निकालें। उन्होंने कहा कि हड़ताल के कारण पीएम आवास के लाभुकों का भुगतान नहीं हो पा रहा है, भुगतान करने वाले कर्मी किस्त भुगतान के एवज में लाभुकों से पैसे मांग रहे हैं। नए कार्यालय भवन में शिफ्ट होने की सूचना कार्यालय द्वारा जनसाधारण को उचित तरिके से नहीं दी गयी जिसके कारण नया कार्यालय कहां खुला है उससे लोग अनभिज्ञ हैं। नगर के लोग पुराने कार्यालय में ताला लगा देख कर वापस लौट जा रहे हैं। नगर में चारों तरफ गंदगी का अंबार पसरा है ऐसे में बारिश का मौसम होने के कारण, नगर में बीमारियों के फैलने का खतरा मंडरा रहा है।

सफाई का कुछ वैकल्पिक रास्ता निकलने की मांग की है साथ ही यह भी कहा कि बुनियादी सुविधाएं नहीं होने के बावजूद मजबूरीवश नगरवासी होल्डिंग टैक्स देने को विवश हैं। ऐसे में नगर पंचायत का नैतिक कर्तव्य बनता है कि वह समस्याओं का समाधान निकाले, वरना नगर के लोग भी अनशन करने को विवश हो जाएंगे।

## आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का जिले में हुआ शुभारंभ

- सरल तरीके से अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना ही कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**मेदिनीनगर (पलामू) :** जिले में शुक्रवार को हुसैनाबाद प्रखंड के पतराखुर्द पंचायत में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। उपायुक्त शशि रंजन, उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, हुसैनाबाद के भूमिसुधार उप समाहर्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी व स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर अभियान की शुरूआत की। इसमें प्रखंड स्तर के सभी विभागों के पदाधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया.इस अवसर पर लोगों को संबोधित करते हुए उपायुक्त रंजन ने कहा कि इस विशेष अभियान का एक मात्र उदेश्य सरकार द्वारा चलायी जा रही। विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने का है। उन्होंने कहा इस अभियान के माध्यम से आपके अधिकारों को आपके घर तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। गांव में रह रहें लोगों को कई बार सरकार द्वारा संचालित कई योजनाओं की जानकारी नहीं होती है इसलिए सरकार आपके द्वार तक पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि सामान्यतःलोग अपने कार्य को लेकर प्रखंड कार्यालय या जिला पहुंचते है लेकिन आप लोगों को कहीं जाने की जरूरत नहीं, सभी पदाधिकारी पूरे कार्यालय के सेटअप के साथ आपके द्वार तक पहुंच रहें है। उन्होंने सभी परता खुर्द के ग्रामीणों से इस अभियान के दौरान अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की।

## एनडीपीएस के तीन फरार आरोपी अड़की और मारंगहादा से गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**खूंटी :** एनडीपीएस के तीन फरार आरोपित अड़की और मारंगहादा से गिरफ्तार एनडीपीएस के तीन फरार आरोपित अड़की और मारंहादा से गिरफ्तार खूंटी थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अड़की थाना क्षेत्र के तायर बेड़ा गांव में शुक्रवार को छापामारी कर एनडीपीएस एक्ट के फरार अभियुक्त तुपुंग सोय और मटन मुंडा को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में खूंटी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वरुण रजक ने शुक्रवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अड़की के थाना प्रभारी मुकेश कुमार यादव को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि अफीम की खेती और तस्करी से जुड़े मामले के फरार आरोपित तुपुंग सोय और मटन मुंडा अपने घर तायरबेड़ा आए हुए है। पुलिस ने छापामारी टीम का गठन कर दोनों फरार वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। एसडीपीओ ने बताया कि 24 जून 2019 को वाहन चेकिंग के दौरान सरवदा के पास मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति के पास से एक किलो 600 किलोग्राम अवैध अफीम और 2200 रु नकद मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल बरामद की गई थी। इस संबंध में थाने में मामला दर्ज किया गया था। इस मामले के दोनों अभियुक्त फरार थे। उनके विरुद्धा न्यायालय से आड़की थाना में गिरफ्तारी वारंट भेजा गया था। इसके बाद अड़की पुलिस द्वारा दोनों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम में थाना प्रभारी मुकेश कुमार यादव, पुलिस अवर निरीक्षक प्रवीण तिवारी और रोशन खाखा तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। एसडीपीओ ने बताया कि चार मई 2023 को मांरगहदा थाना के कातुद के जंगल से चेकिंग के दौरान दो पिकअप वाहन पर अवैध रूप से लदे 1320 किलो अवैध डोडा, दो पिकअप वाहन और दो मोटरसाइकिल को पुलिस द्वारा जप्त किया गया था। इस कांड के फरार अभियुक्त केदार मुंडा को भी काड़ेतुबिद गांव थाना मारंहादा से शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया।

## सेंट्रल जेल डालटनगंज में प्राधिकार सचिव ने सुनी कैदियों की फरियाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**पलामू :** जिला विधिक सेवा प्राधिकार पलामू के तत्वावधान में शुक्रवार को केंद्रीय कारा डालटनगंज में शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया। कारा के बंदियो की समस्याएं सुनी गई व उसका निपटारा करने का आश्वासन दिया गया। मौके पर प्राधिकार के सचिव अर्पित श्रीवास्तव, लीगल एड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय, असिस्टेंट वीर विक्रम वक्स राय व जेलर प्रमोद कुमार के समक्ष बन्दियों ने अपनी-अपनी समस्याएं रखी, जिसका निवारण के लिए आश्वासन दिया गया। मौके पर प्राधिकार के सचिव ने कहा कि जो बंदी अपील नहीं दाखिल कर पाए हैं, उनकी अपील जिला विधिक सेवा प्राधिकार के माध्यम से होगी। पीएलवी के माध्यम से बंदी आवेदन भेज सकते हैं। कोई भी बंदी बिना अपील के नहीं रहे। लीगल एंड डिफेंस काउंसिल के डिप्टी चीफ ने कहा कि अपील लोगों का अधिकार है। प्राधिकार के माध्यम से अपील करने में कोई खर्च नहीं लगता है। जो बंदी किसी कारणवश अभी तक अपील नहीं कर पाए हैं वह यथाशीघ्र बंदी आवेदन जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय में भेज दें ताकि उनकी अपील सेशन न्यायालय, उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में दाखिल किया जा सके। वीर विक्रम वक्स रॉय ने कहा कि लीगल एड डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ता सप्ताह के सभी दिन जेल विजिट में आते हैं। कोई भी बंदी अपनी समस्या व शिकायत इन काउंसिल के पास निडर होकर रख सकता है। हम उनकी समस्याओं को जिला विधिक सेवा प्राधिकार में पहुंचाएंगे।

# राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर कैंब्रिज पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेल महोत्सव का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**मेदिनीनगर (पलामू) :** मेदिनीनगर दुबियाखाड़ चौक स्थित कैंब्रिज पब्लिक स्कूल में मेजर ध्यानचंद जयंती के अवसर पर वार्षिक खेलकूद महोत्सव का आयोजन किया गया। मौके पर विद्यालय प्राचार्य नंद किशोर भारती सहित सभी शिक्षकों ने मेजर ध्यानचंद के तस्वीर पर पुष्प अर्पण कर सभी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं दी। उक्त अवसर पर विद्यालय में विद्यार्थियों के बीच, फुटबॉल, क्रिकेट, वॉलीबॉल,खो-खो, कबड्डी, लंबी दौड़ और टॉफी रेस जैसे कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। मौके पर प्राचार्य नंद किशोर भारती ने कहा, कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ कोई ना कोई खेल खेलते रहना चाहिए। आमतौर पर लोग खेल-कूद को पढ़ाई के लिए हानिकारक मानते हैं लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि खेलना-कूदना बच्चों की सेहत के साथ-साथ पढ़ाई के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। नियमित रूप से खेलने पर बच्चों में स्किल डेवलेपमेंट होता है। मौके पर स्कूल कोऑर्डिनेटर काजल मैम ने भी मेजर ध्यानचंद की जीवनी पर प्रकाश डाला और बच्चों को उनसे शिक्षा लेने की सलाह दी। सभी प्रतियोगिताएं कैंब्रिज पब्लिक स्कूल के रेड़मा तथा दुबियाखाड़ चौक के बीच खेला गया। विभिन्न खेलों में सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों को मोमेंटोस एवं मेडल से सम्मानित किया गया। कबड्डी, खो-खो, फुटबॉल खेल में लड़कों के श्रेणी में मनीष कुमार -वर्ग 8,अमन कुमार -वर्ग 10, अनिकेत कुमार- वर्ग 10, प्रेम कुमार- वर्ग 7, अनूप कुमार - वर्ग 6, प्रज्ञान कुमार- वर्ग 7, अभिज्ञान कुमार- वर्ग 7, सुमित कुमार- वर्ग 8, अमन कुमार- वर्ग 2, मंटू कुमार- वर्ग 7, आर्यन कुमार- वर्ग 4,दीपांशु कुमार- वर्ग 4, सनी ठाकुर- वर्ग 7, अमित कुमार- वर्ग 7, रामानंद कुमार- वर्ग 8, सौरभ कुमार- वर्ग 7, अनिल कुमार- वर्ग 8, विकास कुमार- वर्ग 8,अमन कुमार- 8, पियूष कुमार- वर्ग 10, सत्यम कुमार- वर्ग 3,सुमित कुमार- वर्ग 8, प्रणीत कुमार - वर्ग 10 ने प्रथम स्थान हासिल किया। बालिकाओं के श्रेणी में खो-खो तथा कबड्डी के खेल में श्रुति कुमारी- वर्ग 8, शिल्पा कुमारी- वर्ग 9, नेहा कुमारी - वर्ग 9, अंकिता कुमारी- वर्ग 9, पूर्णिमा कुमारी- वर्ग 4, कीर्ति कुमारी- वर्ग 6, आराध्या कुमारी- वर्ग 6, अर्चना कुमारी- वर्ग 8, प्रीति कुमारी -वर्ग 9, परिधि कुमारी- वर्ग 6, इशिका कुमारी-वर्ग 10, काजल कुमारी- वर्ग 9, प्रियांशी कुमारी- वर्ग 7, कीर्ति कुमारी- वर्ग 7,विभूति नंदिनी- वर्ग 7, साक्षी कुमारी- वर्ग 10, आद्या कुमारी- वर्ग 10,आराध्या कुमारी-वर्ग 6 ने प्रथम स्थान हासिल किया ।

## संक्षिप्त खबरें

### मिलन समारोह का हुआ आयोजन

**मेदिनीनगर (पलामू) :** डालटनगंज विधानसभा के चैनपुर के लादी चौक पर वहाँ के युवाओं के द्वारा मिलन समारोह का आयोजन किया गया आयोजन के मुख्य अतिथि विधान सभा के युवा नेता ज्योति पांडेय उपस्थित रहे हैं कार्यक्रम की अध्यक्षता विवेक अग्रवाल ने की विवेक अग्रवाल ने कहा कि इस विधानसभा में ज्योति पांडेय जैसे युवा नेतृत्व की जरूरत है यहाँ के सभी लोगो के सुख दुख में शामिल होते हैं और यहाँ के युवाओं से इनका खास लगाव है हम सभी ने देखा है कि छात्र राजनीति से ही युवाओं के हक के लिए लड़ने का काम आपने किया है यहाँ का हर युवा आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है। ज्योति पांडेय ने वहाँ उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह आपका प्यार है जो आपने मुझे इतने सम्मान के साथ यहाँ बुलाया है युवा मोर्चा के अध्यक्ष रहते हुए पलामू के युवाओं के साथ साथ डाल्टनगंज विधानसभा के युवाओं को मैं पार्टी के विचार से जोड़ने का काम किया हूँ और आगे भी संगठन को और मजबूत करूँगा यह विधानसभा मेरा परिवार है और परिवार के सुख दुख में शामिल होना परिवार के व्यक्ति का फर्ज होता है। हम सभी को संगठित होकर इस युवा विरोधी सरकार जो पाँच साल के अपने कार्यकाल में युवाओं को धोखा देने का काम किया। इस निकम्मे सरकार को उखाड़ फेंकने का काम करना है आने वाले चुनावों में राज्य सरकार की पराजय यह साबित कर देगी की आज का युवा अपने हक और अधिकार के लिए लड़ने और भिड़ने से भी पीछे नहीं हटता। इस कार्यक्रम में अमर पसारी ईश्वरी प्रसाद रूपेश प्रजापति नंद किशोर कुमार गोल्डन शर्मा विशाल कुमार अनिल कुमार विश्वकर्मा रामलाल राम नरेश प्रजापति शिवनाथ प्रजापति अजीत रजक सुनील कुमार चंद्रवंशी विशाल कुमार धनंजय कुमार बब्लू कुमार दीपक मांजी शुभम कुमार आदि कई लोग मौजूद थे।

### आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में चला जागरूकता अभियान

**मेदिनीनगर (पलामू) :** आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आज पलामू प्रमंडल क्षेत्र अंतर्गत तीनों जिले पलामू, गढ़वा एवं लातेहार के विभिन्न प्रखंडों में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। चौथी बार लगाये जा रहे शिविर के पहले दिन प्रमंडलीय जनसंपर्क इकाई, पलामू प्रमंडल की ओर से पलामू जिले के तरहसी प्रखंड एवं लातेहार जिले के प्रखंड कार्यालय, लातेहार परिसर में मेला प्रदर्शनी एवं नुक्कड़-नाटक का आयोजन किया गया। लातेहार में आयोजित मेला प्रदर्शनी एवं नुक्कड़-नाटक कार्यक्रम का उद्घाटन लातेहार के जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन ने फीता काटकर उद्घाटन किया। मेला प्रदर्शनी एवं नुक्कड़-नाटक कार्यक्रम के माध्यम से आमजनों को झारखंड मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, गुरूजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, अबुआ आवास योजना, सर्वजन पेंशन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना' सहित सरकार द्वारा संचालित अन्य विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी। आमजनों को इन योजनाओं का लाभ लेकर सशक्त होने संबंधी जानकारी दी गयी।

### विधायक की पहल पर डीसी ने लिया एक्शन राजस्व कर्मचारी का हुआ ट्रांसफर

**सरिया( गिरिडीह ) :** बीते दो दिनों से सोशल मीडिया पर सरिया अंचल कार्यालय में कार्यरत कर्मचारी आलोक त्रिगुणाइत के द्वारा जाति, आवासीय ,आय प्रमाण पत्र में साइन करने के नाम पर रिश्वत लेने का वीडियो एवं विरोध करने पर साइन नहीं करने से संबंधित वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा था। जिसका संज्ञान बगोदर विधायक विनोद कुमार सिंह ने गुरुवार को लेते हुए इसकी जानकारी गिरिडीह उपयुक्त को दी । जिसके आलोक में गिरिडीह उपायुक्त ने तत्काल एक्शन लेते हुए वायरल वीडियो में रिश्वत लेने के मामले की जांच का जिम्मा भूमि सुधार उपसम्हर्ता सरिया को सौंपा गया एवं इसे लेकर भूमि सुधार उपसम्हर्ता सरिया के द्वारा ज्ञापांक 1468 द्वारा तत्काल स्पष्टीकरण पत्र जारी करते हुए आरोपी राजस्व कर्मचारी को नोटिस जारी करते हुए कहा गया है की वायरल वीडियो से स्पष्ट पता चलता है कि आप सरकारी कार्य के बदले पैसे लेते हुए देखे गए हैं जो एक सरकारी अधिकारी के लिए गलत है इस संबंध में 24 घंटे के अंदर स्पष्टीकरण जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। वही इस बीच उपायुक्त ने आरोपी राजस्व कर्मचारी को सरिया अंचल कार्यालय से गावा अंचल कार्यालय में ट्रांसफर कर दिया गया है वहीं गांवा अंचल कार्यालय के राजस्व कर्मचारी परमेश्वर उराव को सरिया अंचल कार्यालय में योगदान देने का निर्देश भी जारी की गई है। विधायक विनोद सिंह के द्वारा उक्त मामले का तत्काल संज्ञान लेने एवं त्वरित उपायुक्त के द्वारा इस संबंध में कार्रवाई किए जाने के बाद सरिया वासियों में खुशी की लहर देखी जा रही है । चुकी उक्त राजस्व कर्मचारी पर पूर्व में भी कई बार इस प्रकार के गंभीर आरोप लगा चुके थे। लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों की ठोस पहल नहीं होने के कारण उस पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो सका था।

### आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम की हुई शुरुआत

**सरिया( गिरिडीह ) :** सरिया प्रखंड क्षेत्र के सरिया नगर पंचायत वार्ड नंबर 1 वार्ड नंबर 2 तथा वार्ड नंबर 4 के लिए आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम का आयोजन सरिया (उत्तरी) पंचायत भवन में शुक्रवार को आयोजित किया गया .जिसमें सभी विभागों के अलग-अलग स्टॉल लगे हुए थे . उक्त शिविर में काफी संख्या में महिला पुरुष पहुंचकर अपनी आवश्यकता अनुसार आवेदन जमा किए . जिसका पंजीकरण भी किया गया . इस संबंध में नगर प्रबंधक विशाल सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत आय प्रमाण पत्र,जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र,सर्वजन पेंशन योजना, मुख्यमंत्री मंईया पेंशन योजना से संबंधित स्टॉल लगाए गए थे .इसके अतिरिक्त गुरुजी क्रेडिट कार्ड,प्रधानमंत्री आवास योजना,सावित्रीबाई फुले योजना,होल्डिंग टैक्स,ट्रेड लाइसेंस,बिजली बिल, स्वास्थ्य विभाग ने भी लाभुकों के लिए अलग-अलग टेबल लगाए थे .उक्त शिविर में 175 लोगों ने आवेदन जमा किए .वहीं सरिया प्रखंड क्षेत्र के घुटिया पेसरा में भी आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित की गई सरिया नगर पंचायत के शिविर में नगर प्रबंधक विशाल सिंहा,देवेंद्र कुमार,अभिषेक कुमार,दीपक कुमार,भरत कुमार महतो,अजय कुमार गुप्ता,मणिलाल सोरेन,अंजू वर्मा,अंजू देवी,अनीता देवी,राजेश रवानी,बीआरपी अजीत कुमार, अजय कुमार,सचिन कुमार, गोपाल वर्मा सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की सराहनीय भूमिका रही।

## एक नजर

### उपायुक्त की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट कायाकल्प की हुई समीक्षा बैठक

**साहिबगंज :** उपायुक्त कार्यालय प्रकोष्ठ में आज उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में प्रोजेक्ट कायाकल्प की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिले के स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान डॉक्टरों की रोस्टर ड्यूटी, डॉक्टर्स और स्टाफ की कमी जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। उपायुक्त हेमंत सती ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया। उन्होंने जिले में 2 सर्जन, 2 एनेस्थीसिया डॉक्टरों सहित अन्य आवश्यक कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन ट्रस्ट के तहत नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए मानव संसाधन की कमी को जल्द से जल्द दूर करना जरूरी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि डॉक्टरों और स्टाफ की रोस्टर ड्यूटी को सुचारू रूप से चलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल सकें।

### प्रामाणिक को प्रेम प्रसंग के विवाद में मारी गई गोली : एसपी

**जमशेदपुर :** सुभाष प्रामाणिक पर 27 अगस्त की सुबह हुए हमले के मामले का खुलासा आज शुक्रवार को जिले के एसपी मुकेश लुणायत ने की। उन्होंने बताया कि सुभाष की भतीजी के साथ बस्ती के ही युवक रवि नायक का प्रेम प्रसंग था। जिसको लेकर दोनों परिवारों के बीच विवाद चल रहा था। लड़की की शादी पिछले साल दिसंबर में होने के बावजूद रवि नायक उस लड़की को परेशान कर रहा था। इसी बात को लेकर सुभाष के साथ रवि नायक की अदावत चल रही थी । इसी विवाद में बस्ती के चार युवकों के साथ मिलकर रवि नायक ने सुभाष पर गोलीबारी की थी। एसपी ने बताया कि इस घटना के उद्भेदन के लिए एसडीपीओ सरायकेला के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था। एसआईटी ने पांच अपराधियों के साथ 2 पिस्टल व 2 देशी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया। एसपी ने बताया कि इस गोलीकांड के सभी आरोपी हथियार के साथ गिरफ्तार हो चुके हैं। गिरफ्तार आरोपियों में रवि नायक, शम्भू महतो उर्फ छोटू, राजू कुमार उर्फ टकला, शुभम महतो, दीपांकर भुइंया शामिल हैं। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

### सारंडा जंगल से लकड़ी तस्करी करते दो गिरफ्तार

**सरायकेला :** सारंडा वन प्रमंडल पदाधिकारी अभिरुप सिन्हा के निदेर्शानुसार तथा संलग्न पदाधिकारी नितिश कुमार एवं गुवा के रेंजर परमानंद रजक के नेतृत्व में गुवा, मनोहरपुर एवं किरीबुरु वन विभाग की संयुक्त टीम ने सारंडा के गंगदा एवं चिड़िया पंचायत क्षेत्र के जंगल में लकड़ी माफियाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। वन विभाग की टीम ने मझगांव निवासी लकड़ी तस्कर मोहम्मद सादिक पिता स्व0 मोहम्मद रकीब एवं लकड़ी काटकर चिराई करने वाला गणेश अंगारिया पिता लक्ष्मण अंगारिया, ग्राम लोड़ो (अंकुवा) को गिरफ्तार किया है। उनके पास से एक कार (जेएच05सीआर- 1448) तथा 74 पीस साल का पटरा जब्त किया है। जिस कैम्फर वाहन से पटरा लेकर माफिया स्कॉट कर जा रहे थे वह वाहन लोड़ो गांव के जंगल में तस्करी कर ले जा रहे पटरा को गिराकर चालक वाहन लेकर भागने में सफल रहा।

# सत्ता का सुख भोगने वालों को अपने वोट से करें बाहर : जयराम महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**जमशेदपुर :** सत्ता का सुख भोगने वालों को अपने वोट से सत्ता से बाहर करें। ये बातें झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी के सुप्रीमो जयराम महतो ने कहीं। वे शुक्रवार को चक्रधरपुर प्रखंड की गोपीनाथपुर पंचायत के चारमोड़ व जामिद पंचायत के फुटबॉल मैदान में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी की ओर से आयोजित बदलाव संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे। चक्रधरपुर के चारमोड़ मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि वोट आप सभी देने का अधिकार है, जनता अपने अधिकारों की लड़ाई तीर-धनुष या तलवार से नहीं लड़ सकती है, वोट से ही यह लड़ाई लड़ी जा सकती है। उन्होंने कहा कि मैं जब भी वोट करें एक शिक्षित व विकास करने वाले व्यक्ति को वोट करें।अपने संबोधन के दौरान जयराम महतो ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि झारखंड में अब विधानसभा चुनाव के लगभग दो महीने बचे हुए हैं। चुनाव से दो महीने पूर्व राज्य सरकार द्वारा मंईयां सम्मान योजनी लायी गयी है। यह हमारी झारखंड के मां-बहनों को ठगने का काम किया जा रहा है। पांच साल तक हेमंत सोरेन सरकार को इस बारे में ख्याल क्यूं नहीं आया.उन्होंने कहा कि लालच देकर हेमंत सोरेन सरकार वोट मांगना चाहती है। उन्होंने कहा कि जिस धरती पर बिरसा मुंडा, निर्मल महतो,सुनील महतो शहीद हुए हैं उस धरती की मां-बहनों को ठगने का काम किया जा रहा है।

**हमें रोजगार दीजिए, मंईयां योजना नहीं चाहिए**

उन्होंने कहा कि हमारे राज्य में टाटा, सीसीएल, उषामार्टिन जैसी कई बड़ी कंपनियां हैं, हमें रोजगार दीजिए। यह मईयां योजना नहीं चाहिए। आप यह योजना अपने मंत्री मंडल में बैठे मंत्रियों को दें। मंत्रिमंडल में शामिल मंत्रियों व विधायकों फॉचूयनर,लाख रुपये वेतन दिये जाते हैं,सुख-सुविधाएं दी जाती है। हमारी पार्टी को कैंची छाप मिला है। इन सत्ता में रहने वालों की सुविधाओं में हम कटौती करेंगे। उन्होंने कहा कि जनता को गरीब रखकर सत्ता में रहने वाले सुख-सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी अगर सत्ता में आती है तो डोमिसाइल नीति लागू करायी जाएगी। स्थानीय लोगों को सरकारी व गैर सरकारी संस्थान में नौकरी मिलनी चाहिए। इस राज्य को चलाने के लिए कोई नियम है। नियम के साथ सरकार को चलाया जाएगा। इससे पहले जयराम महतो ने चक्रधरपुर के पोटका स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा व चारमोड़ स्थित शहीद निर्मल महतो चौक पर माल्यार्पण किया। चारमोड़ मैदान व जामिद फुटबॉल मैदान दोनों स्थान पर जयराम महतो का भाषण सुनने के लिए आसपास गांव के ग्रामीण जुटे थे। इस मौके पर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा पार्टी के प्रमंडलीय अध्यक्ष दीपक महतो,कोल्हान प्रमंडलीय सचिव करण महतो, बंदगांव की जिला परिषद् सदस्य बंसती पूर्ति, नगर अध्यक्ष गणेश महतो, जिला सचिव दुर्योधन महतो, प्रखंड अध्यक्ष अजय महतो, सक्रिय सदस्य रोमित सिंह कटियार, चंदन महतो, रुपेश महतो, नितेश महतो, प्रदीप तांती समेत पार्टी के अन्य सदस्य व कार्यकर्ता मौजूद थे। हेमंत सोरेन की सरकार रही निशाने पर चक्रधरपुर के चारमोड़ मैदान व जामिद गांव स्थित मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जयराम महतो ने अपने संबोधन में खासकर राज्य की हेमंत सोरेन सरकार को निशाने पर रखा।

## अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष से एमटी राजा के नेतृत्व में मिला शिष्टमंडल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**साहिबगंज :** झामुमो नेता एमटी राजा के नेतृत्व में शुक्रवार को एक शिष्ट मंडल ने झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान से मुलाकात की। साथ ही उन्हें जिले के अल्पसंख्यकों से जुड़े कई मुद्दों से अवगत कराते हुए समस्या समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा। दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि गंगा कटाव के चलते उच्च विद्यालय लालबथानी को महादेवगंज में संचालित किया जा रहा है। ऐसे में लालबथानी के छात्र-छात्राओं को गंगा किनारे-किनारे 5.7 किमी की दूरी तय कर विद्यालय आनेजाने में भारी कठिनाई हो रही है। विद्यालय को लालबथानी में ही पुनर्स्थापित करने की मांग की गई। वहीं मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना में बहुत कम अल्पसंख्यकों को लाभ मिलने की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए बताया गया कि विभाग युवकों को रोजगार के नाम पर कार्यालय का चक्कर लगवाया जाता है। अधिक से अधिक अल्पसंख्यक युवकों को मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना से जोड़ने की मांग भी कई गई। मौके पर प्रो नजरुल इस्लाम, सदर प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष प्रो मोजम्मिल हक, राजू अंसारी सहित अन्य मौजूद थे।

## रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन का मना स्थापना दिवस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**जमशेदपुर :** रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन के छठे स्थापना दिवस का आयोजन गितिलता कैंपस में किया गया। जिसमें दो दिवसीय इंडियन नॉलेज सिस्टम और नेक बाइनरी सिस्टम पर राष्ट्रीय कार्यशाला शुः की गई। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर कोल्हान विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ राजेंद्र भारती और सम्मानित अतिथि के रूप में कोल्हान विश्वविद्यालय के पूर्व वित्त पदाधिकारी डॉ प्रभात कुमार पाणि उपस्थित थे। कार्यशाला में नोट स्पीकर के रूप में ओडिशा से शिक्षाविद डॉ दिलीप मंगराज, अतिथि के तौर पर बिहार के रामाधार टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजीत कुमार पांडे, स्वामी विवेकानंद कॉलेज ऑफ एजुकेशन के चेयरमैन सुब्रतो विश्वास और कॉलेज की अध्यक्षा रंभा देवी उपस्थित थीं। मुख्य अतिथि रजिस्ट्रार डॉ राजेन्द्र भारती ने अपने वक्तव्य में कहा कि उच्च शिक्षा में प्रतिदिन परिवर्तन हो रहे हैं। सभी को नैक के नये बायनरी सिस्टम और भारतीय शिक्षा पद्धति की जानकारी होना जरूरी है। यह कार्यशाला उस दिशा में बहुत महत्वपूर्ण साबित होगी। सम्मानित अतिथि डॉ. प्रभात पाणि ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारतीय ज्ञान पद्धति, योग, वैदिक गणित, भारतीय दृष्टि और आत्म प्रबंधन की जानकारी आज के भौतिकवाद और तनावपूर्ण जीवन में बहुत आवश्यक है। भारतीय ज्ञान पद्धति ज्ञान-विज्ञान और जीवन दर्शन अनुभव, निरीक्षण और प्रयोग पर आधारित है। की नोट स्पीकर डॉ दिलीप मंगराज ने कहा कि भारतीय शिक्षा में ही जीवन का मूलभूत सार निहित है। यह हमें आत्म प्रबंधन और उन्नयन की ओर ले जाता है। इस कार्यशाला में पटना के रामाधार टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ अजीत कुमार पांडे ने विद्यार्थियों से विचार मंथन कराया। कक्षा सात की हिंदी पुस्तक के पाठ मिठाईवाला पर आधारित प्रश्नोत्तरी भी कराया गया। तत्पश्चात फीडबैक लेकर विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान पद्धति की जानकारी उदाहरण के साथ दी गई।

## जीवन के हर खास मौके पर पौधरोपण जरूर करें : जोबा मांझी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**चाईबासा :** कोल्हान वन प्रमंडल के तत्वावधान में शुक्रवार को सोनुआ प्रखंड के टुनिया गांव में 75वां वन महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव का उद्घाटन मुख्य अतिथि सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। वन महोत्सव में सांसद जोबा माझी ने कहा कि मानव जीवन के लिए पर्यावरण संरक्षण बेहद आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों से पौधरोपण के साथ उसके संरक्षण के लिए जागरूक बनने की अपील की। सांसद ने कहा कि हमें हर खास अवसर पर एक पेड़ जरूर लगाना चाहिए। इससे आत्म संतुष्टि मिलेगी. उन्होंने कोरोना काल को याद करते हुए ऑक्सीजन की महत्ता की याद दिलायी और कहा कि ऐसी विकट परिस्थिति का सामना करने के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। वहीं कोल्हान वन प्रमंडल पदाधिकारी कुलदीप मीणा ने कहा कि वन महोत्सव का उद्देश्य आम लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता लाना है। कोल्हान वन प्रमंडल ने इस वर्ष 55 हजार पौधरोपण का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए बड़े पैमाने पर पौधरोपण किये जा रहे है। उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान में शामिल होने की अपील की। मौके पर सांसद व डीएफओ समेत वन अधिकारियों ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय टुनिया मुंडासाई परिसर में पौधरोपण किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सुभाष तिवारी ने किया। मौके पर वन क्षेत्र पदाधिकारी शंकर भगत, रामानंद, ललन उरांव, गोइलकेरा के प्रखंड बीस सूत्री कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष अकबर खान, हरे कृष्ण नायक, रौशन मुर्मू समेत काफी संख्या में ग्रामीण व स्कूली बच्चे मौजूद थे।

## आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में उमड़े लाभार्थी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**जमशेदपुर :** सरकार के जन उपयोगी आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार के पहले दिन विभिन्न केंद्रों पर लाभार्थियों की भीड़ उमड़ी। जहां कई योजनाओं का लोगों ने आवेदन जमा किया। सबसे ज्यादा भीड़ मंईयां सम्मान योजना को लेकर बने शिविर में दिखी। लेकिन पहले दिन ही महिलाओं को निराशा हाथ लगी. सुबह से लेकर शाम तक सर्वर डाउन रहने के कारण वेबसाइट नहीं खुली। जिससे फॉर्म का लॉगिंग नहीं हो पाया. हालांकि शिविर में मौजूद कर्मियों ने सभी का ऑफलाइन फॉर्म जमा ले लिया।

**उपायुक्त ने 20 विभागों के स्टॉल का किया निरीक्षण, बांटी परिसंपत्ति**

30 अगस्त से 15 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के पहले दिन जिले के 10 प्रखंड के 18 पंचायत एवं 2 नगर निकायों में आयोजित किया गया। पहले दिन उपायुक्त अनन्य मित्तल द्वारा जमशदेपुर सदर प्रखंड के पूर्वी कीताडीह पंचायत में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया गया।

# कुकडू प्रखंड मुख्यालय से हाटतोला तक आजसू ने निकाली जनजागरण पदयात्रा

**35 वर्ष से चली आ रही पैंतरेबाजी की राजनीति के कारण ईचागढ़ विधानसभा का विकास नहीं हुआ : हरेलाल महतो**

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**कुकडू :** आजसू पार्टी की ओर से शुक्रवार को कुकडू प्रखंड में जनजागरण पदयात्रा निकाली गई। कुकडू प्रखंड मुख्यालय से हाट तोला तक केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो के नेतृत्व में पदयात्रा निकाली गई। पदयात्रा हाटतोला में पहुंचकर नुक्कड़ सभा में तब्दील हो गई, जहां चलंत एल ई डी वैन के माध्यम से हेमंत सरकार घोषणाओं और वादों के वीडियो दिखाए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आजसू कार्यकताओं ने भाग लिया था। इस अवसर पर नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय महासचिव हरेलाल महतो ने कहा कि हेमंत सरकार ने राज्य की जनता को धोखा देने का काम किया है। हेमंत सरकार ने अपने ही झारखंड आंदोलन के संस्थापक सदस्य चंपई सोरेन जैसे नेताओं को अपमानित करने का काम किया है। इसके लिए हेमंत सरकार को जनता कभी माफ नहीं करेगी। हरेलाल महतो ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के नेतृत्व में झारखंडी भावना का आभास हुआ था लेकिन चंपई सोरेन से जबरन इस्तीफा लिया गया। चंपई सोरेन के इस्तीफे के बाद फिर से झारखंड विरोधी ताकतों ने राज्य सरकार पर कब्जा जमा लिया है। हरेलाल महतो ने कहा कि ईचागढ़ विधानसभा का विकास हम सबका दायित्व है, अपनी राजनीतिक जबावदेही को समझने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 35 वर्ष से पैंतरेबाजी की राजनीति चली आ रही हैं, जिसके कारण क्षेत्र का विकास नहीं हुआ है। अब पैंतरेबाजी की राजनीति को खत्म करने का समय आ गया है। इस मौके पर केंद्रीय सचिव सत्यनारायण महतो, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक साव, विधानसभा प्रभारी सुनील सिंह, प्रखंड अरुण महतो ने नुक्कड़ सभा को संबोधित किया। इस मौके पर कृष्णा पोद्दार, बसंत पोद्दार,राजू गोराई, ठाकुर सिंह, सुनील महतो, रोहिन महतो आदि मौजूद थे।

## संक्षिप्त खबरें

### उपायुक्त ने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार लगा कर जनता की समस्याओं का किया समाधान

**साहिबगंज :** उपायुक्त हेमंत सती ने कार्यालय प्रकोष्ठ में जनता दरबार का आयोजन किया, जहां उन्होंने आमजनों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और उनकी शिकायतों का समाधान करने का आश्वासन दिया। इस दौरान, उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित और प्रभावी ढंग से समस्याओं के निपटारे के निर्देश दिए। जनता दरबार में उपस्थित नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा, जिनमें से कई का मौके पर ही समाधान किया गया। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर है और इस दिशा में हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जन समस्याओं को प्राथमिकता से लें और उनके त्वरित समाधान को सुनिश्चित करें। जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे, जो उपायुक्त की त्वरित और संवेदनशील कार्रवाई से संतुष्ट दिखे।

### 46 वें एसपी के रूप में अमित कुमार सिंह ने किया पदभार ग्रहण

**साहिबगंज :** पुलिस लाईन स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 46 वें एसपी के रूप में 2016 बैच के आईपीएस अधिकारी अमित कुमार सिंह ने शुक्रवार को निवर्तमान एसपी कुमार गौरव से अपना पदभार ग्रहण कर लिया। इसके पूर्व नए एसपी को पुलिस जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर स्वागत किया। वहीं नए एसपी के कार्यालय पहुंचने पर निवर्तमान एसपी कुमार गौरव ने उनका स्वागत उन्हें बुके देकर दिया। इस दौरान नए एसपी अमित कुमार सिंह ने कहा कि अपराधियों को उनके कार्यकाल में कोई जगह नहीं मिलेगी जहां अपराधी मुख्यधारा में शामिल हो जाएं या जिला छोड़ दें। आगे उन्होंने कहा कि साहिबगंज पुलिस अब सभी अपराधियों से सख्ती से निपटेगी। उधर वारदातों का तुरंत उद्भेदन, दोषियों पर कड़ी कार्रवाई और फिर कोर्ट तक पूरी प्रक्रिया को त्वरित रूप से निपटा कर दोषियों को सजा दिलाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। वही जनता के साथ पुलिस के बीच बेहतर संबंध बनाएंगे जहां अवैध कारोबार पर अंकुश लगाएंगे। वही आने वाले चुनाव और पर्व त्योहारों में लॉ एंड आर्डर को कड़ाई से लागू किया जाएगा। वही थानों में जनता के आवेदनों पर तुरंत कार्यवाही कराएंगे। इस दौरान नए एसपी ने अपराध मुक्त जिला बनाने में लोगों से सहयोग की अपील भी की।

### झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा बहाली दौड़ में चौदह अभ्यर्थी हुए बेहोश

**साहिबगंज :** जैप 9 परिसर में चल रहे झारखंड उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा 2023 के बहाली दौड़ में उपस्थित अभ्यर्थियों की शारीरिक जांच परीक्षा के दौरान 14 लोग परमानंद कुमार सिंह उम्र 25 वर्ष गिरिडीह, सुमित कुमार महतो उम्र 20 वर्ष नवादा बिहार, रवि कुमार उम्र 19 वर्ष पटना बिहार, संदीप कुमार उम्र 20 वर्ष नवादा बिहार, संतोष कुमार उम्र 25 वर्ष पटना बिहार, राहुल कुमार यादव उम्र 20 वर्ष बिहार भागलपुर, संदीप हांसदा उम्र 30 वर्ष गोड्डा, विनोद कुमार शर्मा उम्र 27 वर्ष बिहार, आकाश कुमार उम्र 23 वर्ष भागलपुर, पवन कुमार उम्र 25 वर्ष गढ़वा, देवेंद्र शर्मा उम्र 23 वर्ष गया बिहार, कुमार श्रवण उम्र 20 वर्ष गिरिडीह, आलोक कुमार उम्र 20 वर्ष बांका बिहार, संदीप कुमार उम्र 20 वर्ष नवादा बिहार का अभ्यर्थी बेहोश हो गए जहां आनन फानन में पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष राम प्रसाद, संयुक्त सचिव मनीष कुमार एम्बुलेंस से सभी अभ्यर्थियों को बेहतर ईलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों की देखरेख में सभी का इलाज किया जा रहा है। इसको लेकर चिकित्सक ने बताया कि जो भी युवक बेहोश हुए हैं उनमें सोडियम और पोटेशियम की कमी हो जाती है जिससे दौड़ने में दिक्कत होती है। आगे बताया कि सुबह में दौड़ने से पहले हल्का नाश्ता करें जिसमें केला और सेब या लिक्विड में नाश्ता करें। वही रात में भरपूर नींद लें एवं दौड़ते समय ओआरएस का घोल लगातार पीते रहे जिससे बॉडी में ग्लूकोज की मात्रा बनी रहेगी एवं सोडियम पोटेशियम भी बॉडी में बनी रहेगी जिससे चक्कर नही आएगा और अभ्यर्थी बेहोश नही होंगे।

### बरमसिया गांव में जल जीवन मिशन के तहत निर्मित पानी टंकी 6 माह से बंद, ग्रामीण नाराज

**साहिबगंज :** जिला अंतर्गत बरहेट प्रखंड क्षेत्र के बरमसिया गांव में जल जीवन मिशन के तहत निर्माण पानी टंकी विगत 6 माह से बंद पड़ा है। जिसको लेकर ग्रामीणों में काफी रोष है। ग्रामीणों ने नाराजगी जाहिर करते हुए बताया कि टंकी बंद होने के कारण जल की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। इस संबंध में विभाग को कई बार अवगत कराकर चालू करने का मांग किया गया है परंतु विभाग द्वारा इस समस्या का समाधान के लिए अब तक किसी भी प्रकार का पहल नहीं किया है। इस कारण दर्जनों परिवार जल संकट से जूझ रहा है। वहीं बरमसिया पंचायत के मुखिया नसीमा खातून ने कहा कि पंचायत लगभग सभी टंकी का यही हाल है, कहीं पाइप फटा हुआ है, तो कहीं नल टूटा हुआ, विभाग द्वारा रख रखाव का कोई ख्याल नही किया जा रहा है। मौके पर हमीद अंसारी, हाफाजुद्दीन अंसारी, नेजाम अंसारी, इदरीश अंसारी सहित अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

# 3 माह पहले आरोपी से हुई थी कहासुनी, पति ने कहा- निशाना मैं था, गोली मेरी पत्नी को लगी

**गया।** में बुधवार को धर्म प्रचारक महिला की गोली मार हत्या कर दी गई थी। महिला के पति विजय ने कहा कि हम जनवरी से किराए का मकान लेकर चाकंद में रह रहे थे। मकान में जहानाबाद निवासी जितेंद्र भी रह रहा था। वो भी धर्म प्रचारक है। 5 माह पहले मुझे शक हुआ था कि मेरी पत्नी का जितेंद्र से नाजायज संबंध है। हम किराए का मकान छोड़कर पत्नी के साथ गांव वापस चले गए। मकान छोड़ने के दौरान जितेंद्र से कहासुनी हुई थी। उसने तब ही कहा था कि तुम्हें गोली मार देंगे। पत्नी भी मकान छोड़ने का विरोध कर रही थी। किराए का मकान छोड़ने के बाद जितेंद्र ने मेरी पत्नी की हत्या कर दी। वो मेरी हत्या करने आया था, पर गोली मेरी पत्नी को लग गई। ये जानकारी विजय ने पुलिस को भी दी है। पुलिस मामले के 2 बिंदुओं पर जांच कर रही है। पहला कि वास्तव में नामजद आरोपी जितेंद्र ने ही महिला की हत्या की है या फिर कोई और है। उसकी तलाश में पुलिस जुटी है। यही कारण है कि मृतका के पति विजय को पुलिस ने अपनी अभिरक्षा में रखा है। उसका मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज चल रहा है। उसके कंधे पर छर्रा लगा था। मामूली जख्म है। पुलिस मामले में अभी खुलकर नहीं बोल रही है। विजय ने बताया कि पत्नी अमीषा के सीने में दर्द रहता था। उसका का एक जगह इलाज कराया पर कोई फायदा नहीं हुआ। इसी दौरान वो ईसाई धर्म की प्रार्थना सभा में गई। वहां उसने अपनी समस्या रखी। उसे बताया गया कि इस बीमारी को कोई दूसरा ठीक नहीं कर सकता है। यीशु ही ठीक कर सकते हैं। दो-तीन बार वहां जाने के बाद उसकी समस्या धीरे-धीरे ठीक हो गई। इसके बाद मेरे सीने में भी दर्द शुरू हो गया। इलाज कराया पर लाभ नहीं हुआ। हम भी पत्नी के कहने पर चर्च की प्रार्थना में पहुंच गए। वहां हम बिल्कुल ठीक हो गए। इसी दौरान जितेंद्र सम्पर्क में आया था। उसी ने इलाज कराया था। इसके बाद पति-पत्नी दोनों धर्म प्रचार में जुट गए। यह सारी बातें 2022 से लेकर 2024 तक की है। मृतका के शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद उसकी डेड बॉडी विजय के परिजनों को सौंप दिया गया था, लेकिन विजय को अस्पताल से अंतिम संस्कार के लिए छुट्टी नहीं दी गई थी। काफी प्रयास और एक नेता की पहल पर चंदौती पुलिस ने उसे छुट्टी दी थी। जिसके बाद विजय ने अपनी पत्नी को चाकन्द के सोढ़ही गांव में दफनाया था। पत्नी को दफनाने के बाद हिन्दू रीति रिवाज के तहत सिर मुंडवा लिया। डीएसपी खुर्शीद आलम ने कहा कि एसएसपी ने एसआईटी गठित की है। जांच में धीरे-धीरे कई बातें सामने आ रही है। सब की पुष्टि की जा रही है। साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। शीघ्र ही आरोपी पुलिस के गिरफ्त में होगा। दरअसल बुधवार को मृतका अपने पति के साथ बाइक से जा रही थी, इसी दौरान उसे गोली मारी गई थी। घटना चंदौती-बुनियादगंज थाना के बॉर्डर स्थित अलीपुर के पास की है। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए थे।

## संक्षिप्त डायरी

### पूर्व एमएलसी सुनील सिंह की याचिका पर 4 हफ्ते में मांगा जवाब जुलाई में गई थी सदस्यता

**पटना।** आरजेडी के पूर्व MLC सुनील सिंह की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने विधान परिषद कार्यालय को नोटिस जारी किया है। विधान परिषद से सदस्यता जाने के बाद सुनील सिंह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार लिया है और विधान परिषद कार्यालय से 4 हफ्ते में जवाब मांगा है। दरअसल, राजद नेता सुनील कुमार सिंह और कारी सोहेब ने 13 फरवरी 2024 को बजट सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर सीएम नीतीश कुमार की मिमिक्री की थी। मामला आचार समिति के पास पहुंचा। आचार समिति की जांच में दोनों दोषी पाए गए। MLC कारी सोहेब को दो दिन के लिए निलंबित किया गया था। सोहेब ने पहले ही माफी मांग ली थी, लेकिन सुनील सिंह ने माफी नहीं मांगी। जुलाई में मानसून सत्र के दौरान सुनील सिंह को विधान परिषद से बर्खास्त कर दिया गया था। विधान परिषद की आचार समिति की अनुशंसा पर उनके खिलाफ कार्रवाई हुई थी। मानसून सत्र के दौरान विधान परिषद की आचार समिति ने सुनील सिंह पर कार्रवाई की अनुशंसा की थी। इसमें कहा गया था कि वे लगातार सदन के अंदर 4 बैठकों में शामिल नहीं हुए हैं। 5वीं बैठक में वे आए, लेकिन अपने ऊपर लगे आरोपों पर कोई जवाब नहीं दिया। इसके साथ ही अनुशंसा पत्र में कहा गया है कि वे लगातार सदन के नेता, यानी मुख्यमंत्री के खिलाफ बयानबाजी करते आ रहे हैं। उनका व्यवहार भी असंसदीय और लोकतंत्र के खिलाफ है। ऐसे में क्यों ना विधान परिषद से उनकी सदस्यता खत्म कर दी जाए। इसके जवाब में सुनील कुमार सिंह ने कहा कि मेरे खिलाफ प्रतिवेदन तैयार करने में उन लोगों ने काफी मेहनत की है। सदन में गरीबों, किसानों, वंचितों, बेरोजगारों की आवाज नहीं उठ सके, इसलिए यह किया गया है। कार्रवाई को लेकर सुनील सिंह ने कहा कि सीएम के दबाव में ये कार्रवाई हुई है। मिमिक्री करना अपराध नहीं है। एक ने लोकसभा सदस्य बनने के लिए और दूसरे ने उपसभापति बनने की लिए ऐसी रिपोर्ट दी है। सुनील सिंह का इशारा देवेश चंद्र ठाकुर और रामबचन राय की ओर था। सुनील सिंह ने कहा कि मुझे बोलने तक नहीं दिया गया। उन्होंने सीएम पर कार्रवाई की मांग भी की। इससे पहले गुरुवार को उन्हें बिस्कोमान अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। सुनील सिंह लालू परिवार के काफी करीब हैं। पूर्व सीएम राबड़ी देवी उन्हें अपना भाई मानती हैं और राखी बांधती है। नीतीश कुमार के खिलाफ मुखर नेता रहे हैं। महागठबंधन सरकार के समय कई बार तो बिना नाम लिए वे नीतीश कुमार पर तंज कसते रहे हैं।

## पटना में होटल के कमरे से मिला प्रोफेसर का शव

**पटना।** के मारवाड़ी आवास होटल में शुक्रवार को एक प्रोफेसर का शव मिला है। प्रोफेसर का नाम वाचस्पति मिश्रा है और वह धनबाद के रहने वाले थे। होटल के कमरा नंबर 77 में उनका शव पलंग के नीचे पड़ा हुआ था। होटल के मैनेजर अशोक रावत के मुताबिक, वे राजगीर से लौटे थे और धनबाद वापस जाने वाले थे। जानकारी के मुताबिक, प्रोफेसर का शव कमरे में 30 घंटे से ज्यादा समय तक पड़ा था। कमरे से बदबू आने पर दरवाजा खुलवाने की कोशिश की, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस की मौजूदगी में ही अंदर से बंद दरवाजे को तोड़ा गया तो प्रोफेसर का शव पड़ा था। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मामले का खुलासा हो पाएगा। मृतक के परिजनों को इसकी सूचना दी गई है। परिजन अभी धनबाद में ही हैं। होटल के CCTV फुटेज में देखा गया कि गुरुवार रात करीब 12.30 बजे होटल में प्रोफेसर वाचस्पति मिश्रा ने कमरा बुक कराया था। उसके बाद ये बाहर ही नहीं आए। CCTV में उनके कमरे से बाहर निकलने का फुटेज भी नहीं है। जांच के दौरान किसी तरह का कोई नशीला पदार्थ या कोई और समान बरामद नहीं हुआ है। होटल के कर्मचारियों के मुताबिक, मारवाड़ी वासा में खाना पानी नहीं दिया जाता है। लोग खुद या अपना खाना पानी लेकर आते हैं। कल रात में चेक इन किया था। उसके बाद बाहर नहीं आए। आज दोपहर के समय कमरे से कुछ बदबू आ रही थी। जिसके बाद पुलिस की सूचना दी गई। पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी।

कोतवाली DSP विधि व्यवस्था कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया, 'कर्मचारी ने मारवाड़ी आवास होटल के कमरे से बदबू आने की शिकायत की थी। जांच के दौरान पलंग के नीचे से शव बरामद किया गया है। फिलहाल ऋछ की टीम को बुलाया गया है। हत्या या आत्महत्या अभी इस पर जांच चल रही है।

## 4 दिन से लापता बीएसएपी जवान वाराणसी से बरामद

**बक्सर।** जिले के निमार्णाधीन थर्मल पावर प्लांट की सुरक्षा में तैनात लापता BSAP (बिहार स्पेशल आर्म्ड पुलिस) जवान को चार दिन बाद वाराणसी के गंगा घाट से बरामद कर लिया गया है। लापता होने के संबंध में जवान किसी से फिलहाल कुछ बात करना नहीं चाहता है।मामले के बारे में जवान के भाई से पूछे जाने पर बताया है कि उन्होंने कहा कि वो बस एकांत और सबसे अलग रहना चाहते हैं। पुलिस फिलहाल कोर्ट में जज के समाने पेश करने की करवाई में जुटी हुई है। जवान की बरामदगी को लेकर पुलिस पदाधिकारी ने बताया है कि आसपास की सीसीटीवी फुटेज और एटीएम से ट्रांजेक्शन के आधार और एक पुलिस स्टाफ द्वारा सोशल मीडिया पर चल रहे फोटो के आधार पर वाराणसी से सूचना मिली। जिसपर हमलोगों ने जवान को बरामद किया है। जवान को लाने के लिए पुलिस के साथ पहुंचे उसके भाई अशफाक अंसारी ने बताया कि अल्ताफ के सीनियर पूजा-पाठ के सिलसिले में कल बनारस में थे। उसी दौरान घाट पर यह दिखाई दिया जिसकी सूचना उन्होंने स्थानीय पुलिस और परिजनों को दी। मैं और यहां की पुलिस उसे लाने पहुंचे। भाई ने आगे बताया कि गर्लफ्रेंड का चक्कर है।

जिससे बातचीत बंद हो जाने के बाद से यह परेशान चल रहा है। एक्सीडेंट हो गया था। जिसमें इसी ठीक होने में 42 दिन का समय लगा था।

## मुजफ्फरपुर के सरकारी स्कूल का मामला, स्टूडेंट्स का सी.एच.सी में हुआ इलाज

**मुजफ्फरपुर।** के सरकारी विद्यालय में कक्षा के छत का प्लास्टर गिर गया। जिसमें तीन बच्चे चोटिल हो गए। इस समय कक्षा में बच्चे पढ़ाई कर रहे थे। स्टूडेंट्स का CHC में इलाज कराया गया। फिलहाल, सभी की स्थिति ठीक है। घटना जिले के साहेबगंज थाना क्षेत्र के परसौनी गुलाबपट्टी आदर्श राजकीय मध्य विद्यालय का है। घटना में चोटिल बच्चों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र साहेबगंज में कराया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार आदर्श राजकीय मध्य विद्यालय परसौनी गुलाब पट्टी साहेबगंज प्रखंड में कक्षा पांचवी के बच्चों की पढ़ाई चल रही थी। तभी स्कूल का छत में लगे हुए पंखे के पास का प्लास्टर गिर गया। प्लास्टर गिरने के बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। इस दौरान तीन बच्चे इसकी चपेट में आ गए। सभी बच्चे के सिर में मामूली चोट आई है। जिसको इलाज के लिए CHC साहेबगंज में भेजा गया है। घटना की जानकारी के बाद मौके पर ग्रामीण की भीड़ उमड़ पड़ी। स्कूल के शिक्षक दिनेश कुमार ने बताया कि स्कूल में कक्षा 5 की क्लास चल रही थी, तभी पंखे के पास लगा हुआ प्लास्टर अचानक गिर पड़ा। जा रहा है। फिलहाल, स्कूल को बंद कर दिया गया है। मामले से जिला शिक्षा विभाग को अवगत कराया गया है।

## वीटीआर से निकलकर रिहायशी क्षेत्र में पहुंचा भालू

**वाल्मीकिनगर।** के जंगल से भटककर आए भालू ने इलाके में दहशत फैला दी है। भालू को सड़क पर मस्ती करते और सैलानियों की बाइक के आसपास लगभग एक घंटे तक चक्कर काटते देखा गया, जिससे वहां मौजूद लोग सहम गए। यह घटना वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना के वन प्रमंडल 2 के अंतर्गत आने वाले रिहायशी क्षेत्र की है। जहां भालू की बढ़ती गतिविधियों से लोग पहले ही डरे हुए हैं। बताया जा रहा है कि छाता चौक, तीन नंबर पहाड़, स्टेट बैंक चौराहा के साथ-साथ इको पार्क आदि जगहों पर भालू बिंदास मूड में घूमते नजर आ रहा है। इसी दौरान बाइक सवार सैलानियों से भालू की मुलाकात हो गई। जानकारी के मुताबिक, चार सैलानी वाल्मीकिनगर घूमने के लिए आए थे और जंगल के पास अपनी बाइक खड़ी कर तस्वीरें ले रहे थे। अचानक, भालू वहां आ गया और उनकी बाइक के आसपास मंडराने लगा। भालू को देख सैलानियों ने दूर से ही स्थिति को भांपा और सुरक्षित स्थान पर खड़े रहे। लगभग एक घंटे तक भालू बाइक के पास रहा और सड़क पर मस्ती करता नजर आया। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में आने वाले सैलानी भालू को देखकर काफी रोमांचित हो रहे हैं। हालांकि स्थानीय निवासी और सैलानी, दोनों ही भालू की मस्ती को देखकर परेशान भी हो रहे है । जबकि, भालू ने किसी पर हमला नहीं किया, लेकिन उसकी उपस्थिति ने इलाके में डर का माहौल पैदा कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर भालू को सुरक्षित तरीके से वापस जंगल में ले जाने का प्रयास शुरू किया। वाल्मीकिनगर के रेंजर राजकुमार पासवान ने बताया कि भालू को वन क्षेत्र में वापस भेजने के लिए टीम सक्रिय है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। उन्होंने कहा कि भालू भटककर रिहायशी इलाकों में आ गया है और वन विभाग उसे सुरक्षित तरीके से वापस जंगल में पहुंचाने के प्रयास कर रहा है। वाल्मीकिनगर के निवासियों और सैलानियों से अपील की गई है कि वे जंगल के पास जाने से बचें।

## केंद्रीय विद्यालय के शिक्षक तैयार करेंगे ई-कंटेंट, आज पटना में दी जाएगी स्पेशल ट्रेनिंग

**पटना।** NCERT के दिशा-निर्देश पर नई शिक्षा नीति 2020 के तहत स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों में बेहतर समझ विकसित करने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके लिए केंद्रीय विद्यालय के शिक्षक एनिमेटेड कंटेंट तैयार करेंगे। आज केंद्रीय विद्यालय, कंकड़बाग में शिक्षकों को स्पेशल ट्रेनिंग देने के लिए वर्कशॉप का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम केंद्रीय विद्यालय संगठन, पटना की ओर से आयोजित की जा रही है। केंद्रीय विद्यालय, कंकड़बाग के प्रिंसिपल पी के सिंह ने कहा कि NCERT ने डिजिटल फामूर्ले के तहत केंद्रीय विद्यालय के शिक्षकों को ई- कंटेंट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। शिक्षकों को हर एक चैप्टर का ई-कंटेंट तैयार करने के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी। प्रत्येक चैप्टर का डिजिटल कंटेंट तैयार किया जाएगा। यह डिजिटल पढ़ाई को बढ़ावा देगा और अब लेसन प्लान के जगह पर एनिमेटेड कंटेंट होंगे। प्रिंसिपल पी के सिंह ने आगे कहा कि डिजिटल पढ़ाई को प्रमोट करने के तहत इंटरएक्टिव बोर्ड, इंटरनेट कनेक्टिविटी, प्रोजेक्टर, ई लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब, आदि का एक्सेस बच्चों को होना चाहिए, ताकि किसी भी कांटिक्ट को डिजिटली बच्चों को इंटरेक्ट करके पढ़ाया जा सके। नई शिक्षा नीति के तहत NCERT कक्षा 6 से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम से जुड़े विभिन्न विषय के आधार पर एनिमेटेड कंटेंट तैयार हो रहा है।

## नवादा सदर अस्पताल में बेड कमी, मरीजों का जमीन पर हो रहा इलाज

**नवादा।** के मुफसील क्षेत्र में और हिसुआ के गांधी टोला में डायरिया की चपेट में आने से 30 लोग बीमार हो गए। जिसके बाद सभी को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां साथ इतने मरीजों के पहुंचने पर अस्पताल में बेड कम पड़ गया। बाद कई मरीजों का इलाज जमीन पर लेटाकर किया गया। इलाज के लिए पहुंचे मरीजों ने बताया कि गुरुवार की रात हुई तेज बारिश के बाद क्षेत्र में जलजमाव हो गया था। लोगों को आशंका है की इसी के कारण सभी बीमार पड़े है। जिसके बाद सभी उल्टी और दस्त होने पर इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचे थे। जहां इलाज की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण उनका जमीन पर लेटाकर इलाज किया जा रहा है। बता दें कि नवादा सदर अस्पताल में 72 बेड की व्यवस्था है। जहां एक साथ इतने मरीजों के पहुंचे पर बेड कम पड़ गया था। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ अजय कुमार ने बताया कि फिलहाल हमारे पास 29 मरीज भर्ती हुए हैं।

## पटना के स्मार्ट बस स्टॉप पर नहीं रुकती हैं बसें

**पटना।** राजधानी पटना के कई व्यस्ततम इलाकों में स्मार्ट बस स्टॉप का निर्माण साल 2021 में किया गया था। बस स्टॉप का निर्माण पटना स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत शहर के एरिया बेस्ड डेवलपमेंट क्षेत्र में पड़ने वाले जगहों पर किया गया था। शहर में 10 जगहों पर 2.5 करोड़ रुपए की लागत से बस स्टॉप का निर्माण हुआ था, लेकिन आज इनका हाल बेहाल है। यहां बस रुकती ही नहीं है। यह हाल सिर्फ स्मार्ट सिटी के तहत निर्माण हुए स्टॉप का नहीं है, बल्कि पटना के कई पुराने बस स्टॉप पर भी बस नहीं रुकती है। वहीं जहां स्टॉप नहीं है, वहां बसें रुकती हैं। वहीं ड्राइवर और कंडक्टर का कहना है कि किसी रूट में 17 जगहों पर रुकने का आर्डर है, लेकिन लोगों के दबाव में 100 जगहों पर बस को रोकना पड़ता है। मना करने पर यात्री मारपीट भी करते हैं। पटना के इनकम टैक्स गोलंबर पर पटना स्मार्ट सिटी के तहत बस स्टॉप बनाया गया, लेकिन आज की तारीख में एक भी बस इस बस स्टॉप पर नहीं रुकती है। हमने खुद 5 बस का इंतजार किया, लेकिन एक भी बस नहीं रुकी। इनकम टैक्स गोलंबर बस स्टॉप पर यात्री भी बस का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन उनको भी नहीं पता कि कौन सी बस स्टॉप पर रुकेगी। यात्री परेशान हैं।

## पत्नी नगमा से बनी सोनिया, खौफ से आज भी लोग नहीं करते इसके बारे में बात

**बेगूसराय।** का बिहारी पासवान करीब 20 साल की उम्र से ही नक्सली विचार धारा से प्रभावित होने लगा था। पहली बार 18 मार्च 2002 को उसे देसी कट्टा के साथ वीरपुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। लेकिन कुछ ही दिन बाद वह जेल से बाहर आया और भाकपा माओवादी का सक्रिय सदस्य बन गया। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने बेगूसराय से बुधवार को नक्सली कमांडर राकेश पासवान उर्फ बिहारी पासवान को गिरफ्तार किया है। बेगूसराय और खगड़िया के विभिन्न थानों में 18 मामलों के आरोपी बिहारी पासवान पर सड़क, पुल, पुलिया जैसे सरकारी विकास कार्य को बाधित करने लिए जेसीबी जलाने, फायरिंग करने, घर में विस्फोट करने, लेवी (रंगदारी) वसूलने समेत कई अन्य बड़े संगीन मामले दर्ज हैं। बिहारी का खौफ गांव में ऐसा है कि आज भी लोग उसके बारे में बात नहीं करते हैं। बिहारी पासवान के नक्सली बनने, मुस्लिम महिला से शादी के बाद उसका नाम बदलने की कहानी भी काफी दिलचस्प है। पाली गांव में बुधवार की सुबह 5 बजे सिविल ड्रेस में पहुंची ठक्ब की टीम ने बिहारी पासवान के तीन मंजिल घर को घेर लिया। इस दौरान ग्रामीण वहां नहीं आए। क्योंकि गांव में बिहारी पासवान का बहुत अधिक खौफ है। NIA की टीम घर में घुसी और बिहारी पासवान के पांच कमरों में कोई ऐसी जगह नहीं छोड़ा, जहां सघन तलाशी नहीं की गई हो। 7 घंटे की पूछताछ के बाद बिहारी पासवान को गिरफ्तार कर लिया गया। पाली गांव निवासी किसान कपिलेश्वर पासवान अपने पांच बेटे राजकुमार, बिहारी, विकास, विपिन और मंगल का पालन-पोषण खेती किसानी कर कर रहे थे। एक बीघा उनकी अपनी जमीन थी और गांव के कुछ लोगों से बटाई पर जमीन लेकर वह खेती करते थे। तत्कालीन भगवानपुर थाना क्षेत्र का यह पाली गांव नक्सलियों के रेड जोन से जुड़ा हुआ था। काफी दूर देहात में रहने के कारण यहां पुलिस की गतिविधि काफी कम थी तो इलाके में नक्सलियों का जमावड़ा लगता था। बिहारी करीब 20 साल की उम्र से ही नक्सलियों की बात से प्रभावित होने लगा था। पहली बार 18 मार्च 2002 को उसे देसी कट्टा के साथ वीरपुर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। लेकिन कुछ ही दिन बाद वह जेल से बाहर आ गया। इसके बाद भाकपा माओवादी का सक्रिय सदस्य बनकर उसने घटनाओं को अंजाम देना शुरू कर दिया। सूत्रों के अनुसार, मध्य क्षेत्र में संगठन विस्तार की जिम्मेदारी संभाल रहे छौड़ाही बखड्डा निवासी हार्डकोर नक्सली खुदाबख्श उर्फ मेंगो ने बिहारी पासवान को ट्रेनिंग दी। उसे विशेष तरीके से ट्रीट किया जाने लगा, जिम्मेदारी भी बढ़ा दी गई और समय बीतने के साथ उत्तर बिहार मध्य जोनल कमेटी का एरिया कमांडर बनाते हुए कई उपनाम दिए गए। बिहारी पासवान को राकेश, मोहन जी, विनय और ऋषिकेश के नाम से जाना जाने लगा। अलग-अलग ग्रुप के लोग उसे अलग-अलग नाम से जानते थे।

# मुझे मालूम था कि तलाक बच्चों के लिए कितना मुश्किल होता है: फरहान

बालीवुड के मशहूर लेखक और गीतकार जावेद अख्तर के बेटे फरहान अख्तर ने हाल ही में एक साक्षात्कार में अपनी व्यक्तिगत जिन्दगी को लेकर खुलकर बातचीत की है। फरहान बताया कि उनके माता-पिता के तलाक का उन पर और उनकी पत्नी अधुना भवानी के साथ शादीशुदा जिंदगी पर क्या असर पड़ा। फरहान ने कहा कि वो समय मुश्किल था क्योंकि मैं खुद तलाकशुदा पैरेंट्स का बच्चा था। मुझे मालूम था कि तलाक बच्चों के लिए कितना मुश्किल होता है। मेरे अंदर से हमेशा एक आवाज आती थी कि मैं अपने बच्चों के साथ ऐसा नहीं कर सकता हूं। फिर इस फैसले का एक ऐसा मोड़ आया जब मैंने और अधुना ने उनसे साफ-साफ अपने तलाक के बारे में बात की। मैंने अपने बच्चों को बताया कि हम उनकी वजह से अलग नहीं हो रहे हैं, न वे इसकी वजह हैं और न ही उन्होंने ऐसा कुछ किया है जिसकी वजह से हम दोनों अलग हो रहे हैं। हमारे इस फैसले से बच्चों का कुछ लेना-देना नहीं था। वो दो बड़े लोगों की आपसी बात थी। एक दोस्त के तौर पर हमने ये फैसला लिया था कि हम ये करना चाहते हैं और यही हम सबके लिए सबसे अच्छा होगा। हालांकि आज भी मेरे अंदर से एक आवाज आती है कि क्या मेरे बच्चों के साथ ऐसा होना चाहिए था। शायद ये एक ऐसा अहसास है जिसके साथ ही मुझे जीना होगा। मेरे साथ बचपन में ऐसा ही हुआ था इसी वजह से अब मुझे ऐसा महसूस होता है। बता दें फरहान और अधुना ने साल 2000 में शादी की थी और वे साल 2017 में अलग हो गए। उनके दो बेटियां शाक्या और अकिरा हैं। फरहान ने साल 2022 में शिबानी दांडेकर के साथ दूसरी शादी कर ली। उल्लेखनीय है कि फरहान के पिता जावेद अख्तर ने साल 1972 में हनी ईरानी के साथ शादी की थी। उनके बेटी जोया अख्तर भी है। जावेद-हनी ने साल 1985 में तलाक ले लिया। जावेद ने साल 1984 में एक्ट्रेस शबाना आजमी के साथ दूसरी शादी की थी।

# अल्फा की शूटिंग के लिए कश्मीर जा रही शरवरी वाघ

कश्मीर में एक्शन फिल्म अल्फा की शूटिंग से पहले अभिनेत्री शरवरी वाघ ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। इसमें वह वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। उन्होंने इसे कैप्शन दिया अल्फा स्टेट ऑफ माइंड। अभिनेत्री फिल्म अल्फा के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग के लिए कश्मीर जा रही हैं। अभिनेत्री ने पहले कश्मीर में शूटिंग करने के लिए अपनी उत्सुकता जताई थी। अपने आगामी शेड्यूल के बारे में शरवरी ने पहले कहा था, मैं कश्मीर में अल्फा की शूटिंग का इंतजार नहीं कर सकती हूं। मैं रोमांचित हूं कि यह एक बहुत ही रोमांचक शेड्यूल होने वाला है। अल्फा टीम कुछ समय बाद मिलने वाली है। हम सभी कश्मीर शेड्यूल शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि किसी के करियर में इतनी जल्दी ऐसा अवसर मिलना वास्तव में एक आशीर्वाद है। इस फिल्म में बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री आलिया भट्ट भी एक्शन करती हुई दिखाई देंगी। शरवरी वर्तमान में 'मुंज्या' की सफलता का आनंद ले रही हैं, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये कमाए। उन्हें 'महाराज' और 'वेदा' में भी देखा गया था। वेदा में उनके साथ जॉन अब्राहम मुख्य रोल में हैं। निखिल आडवाणी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक दलित लड़की पर केंद्रित है, जिसे उच्च जाति द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है और अभिमन्यु उसके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कश्मीर में एक्शन फिल्म अल्फा की शूटिंग से पहले अभिनेत्री शरवरी वाघ एक्शन मोड में हैं। वह इस फिल्म में भूमिका निभाएंगी।

# मुझे नहीं लगता अब मैं दोबारा शादी कर पाऊंगा: आमिर खान

-एक्टर ने कहा-मैं फिर से अपनी फैमिली से जुड़ गया हूं

हाल ही में बालीवुड एक्टर आमिर खान अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट में गए थे, जहां पर उनसे तीसरी शादी करने के बारे में सवाल पूछा गया। इस पर आमिर ने साफ तौर पर कहा कि शादी एक कैनवास है जिसे 2 लोग मिलकर रंगते हैं और रही मेरी शादी की बात तो मैं अब 59 का हो गया हूं।

मुझे नहीं लगता अब मैं दोबारा शादी कर पाऊंगा। मुश्किल लग रहा है। मेरी जिंदगी में इस वक्त बहुत सारे रिश्ते हैं। मैं फिर से अपनी फैमिली से जुड़ गया हूं। मेरे बच्चे, भाई और बहनें हैं। मैं उन लोगों के साथ खुश हूं जो मेरे करीब हैं। मैं एक बेहतर इंसान बनने की तरफ काम कर रहा हूं। ज्ञातव्य है कि आमिर की पहली शादी रीना दत्ता के साथ हुई थी। फिल्मों में आने से पहले ही उन्होंने रीना के साथ शादी कर ली थी। यह प्रेम विवाह था। शादी के बाद उनकी बतौर नायक पहली फिल्म कयामत से कयामत तक थी, जिसे उनके चचेरे भाई मंसूर खान ने निर्देशित किया था। आमिर-रीना की शादी 16 साल चली। उनके दो बच्चे आयरा और जुनैद हैं। आयरा की हाल ही में शादी हुई है और जुनैद ने अपना फिल्म करियर अब शुरू किया है। आयरा की जनवरी में फिटनेस ट्रेनर नुपुर शिखरे के साथ शादी हुई है, जबकि जुनैद ने पिछले दिनों 'महाराज' फिल्म के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। आमिर ने रीना से अलग होने के बाद आमिर ने फिल्ममेकर किरण राव के साथ शादी की थी। उनका एक बेटा आजाद है। किरण और आमिर ने साल 2021 में अलग होने का फैसला ले लिया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके तलाक की अनाउंसमेंट की थी। आमिर हालांकि अपनी दोनों पूर्व पत्नियों और बच्चों के साथ आज भी दिल से जुड़े हुए हैं। आमिर ने अपने साक्षात्कार में बताया कि कोविड-19 और लॉकडाउन के दौरान उन्हें बैठकर सोचने और अपने लाइफ को जानने का बहुत समय मिला। उन्हें अहसास हुआ कि वे पिछले 30 सालों से अपने काम में कैसे मशगूल हो गए थे कि उन्होंने अपने परिवार और बच्चों के साथ टाइम बिताना मिस कर दिया। इसके चलते उन्हें खुद पर गुस्सा आया। आमिर ने कहा कि मैं काम की वजह से अपने परिवार को नजरअंदाज करने से इतने दुखी और गिल्ट से भर गया था कि मैंने पूरी तरह से फिल्में छोड़ने का फैसला किया। मैंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी बेचने की कोशिश की लेकिन मुझे खरीदार नहीं मिले, यहां तक कि मेरा बेटा जुनैद भी ऐसा नहीं चाहता था। बाद में किरण और बच्चों ने आमिर को काम और परिवार के बीच संतुलन बनाने के लिए मना लिया। आमिर के वर्कफंट की बात करें तो वे आखिरी बार साल 2022 में 'लाल सिंह चड्ढा' मूवी में करीना कपूर खान के साथ नजर आए थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई। अब आमिर जल्द ही 'सितारे जमीन पर' फिल्म में दिखेंगे। ये डाउन सिंड्रोम बीमारी पर आधारित है। फिल्म में आमिर के साथ रितेश देशमुख की पत्नी जेनेलिया डिसूजा भी हैं। बता दें कि आमिर खान अपनी फिल्मों के साथ अपनी निजी जिन्दगी को लेकर भी चर्चाओं में रहते हैं। अपनी जिन्दगी में उन्होंने दो बार शादी की मगर अफसोस दोनों टूट गई।

# कियारा बगैर हिच - किचाहट नए ट्रेंड अपनाती हैं: सिद्धार्थ मल्होत्रा

अपनी अभिनेत्री-पत्नी कियारा आडवाणी को लेकर बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कहा है कि उनका फैशन सेंस बोल्ड और एडवेंचरस है। उन्होंने कहा कि कियारा अपनी स्टाइल के साथ अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखती है। सिद्धार्थ ने कहा, वह बिना किसी हिचकिचाहट के नए ट्रेंड अपनाती हैं और रंगों को इस्तेमाल करने से भी हिचकिचाती नहीं हैं। उनका स्टाइल काफी ग्लैमरस है। वह अपनी मजबूत व्यक्तिगत पहचान बनाए रखती है।सिद्धार्थ ने 2012 में स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अपने करियर की शुरुआत की थी और बाद में एक विलेन और शेरशाह जैसी हिट फिल्मों में देखे गए। फैशन मॉडल के तौर पर अपना करियर शुरू करने वाले सिद्धार्थ ने कहा, मैं यह सुनिश्चित करता हूं कि हर काम परफेक्शन के साथ हो। सिद्धार्थ और कियारा ने 2020 में डेटिंग शुरू की थी। शेरशाह के सेट पर दोनों की मुलाकात हुई और प्यार हो गया। उन्होंने 2023 में राजस्थान में शादी कर ली। सिद्धार्थ ने 2010 में माई नेम इज खान में करण जौहर के सहायक निर्देशक के तौर पर शुरुआत की। उन्होंने 2012 में फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से डेब्यू किया। इसके बाद उन्हें हंसी तो फंसी, एक विलेन, कपूर एंड संस, ए जेंटलमैन, अय्यारी, जबरिया जोड़ी जैसी कई फिल्मों में देखा गया। उन्होंने शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय अभिनीत डिजिटल थ्रिलर सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स से ओटीटी पर डेब्यू किया।

# वास्तविक समानता हासिल कर लें तो हर दिन जश्न होगा: काम्या पंजाबी

बालीवुड अभिनेत्री काम्या पंजाबी ने महिला समानता दिवस पर बात करते हुए कहा कि हम इसके बारे में बात करते हैं और इसका जश्न मनाते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि अगर हम वास्तविक समानता हासिल कर लें तो हर दिन एक जश्न होगा। यह किसी खास दिन या अवसर तक सीमित नहीं होगा। दुर्भाग्य से हमें समाज में अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। लोग कहते हैं कि चीजें बदल गई हैं, लेकिन हम जानते हैं कि अभी भी भरोसे और विश्वास की कमी है। मुझे अक्सर लगता है कि समानता का विचार उन लोगों के लिए एक मजाक है, जो असमानताओं को नहीं देख पाते। उन्होंने आगे कहा, मनोरंजन उद्योग में यह और भी मुश्किल है। यहां लोग एक-दूसरे का समर्थन करने के बजाय अपना स्टेटस बनाए रखने पर अधिक ध्यान देते हैं। समर्थन की यह कमी और असुरक्षा हमें पीछे धकेल देती है। अभिनेत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि हम ऐसे क्षेत्रों में एक-दूसरे का समर्थन करना शुरू करें। मनोरंजन का मतलब दर्शकों का मनोरंजन करना है, लेकिन इसमें सामाजिक संदेश देने की भी शक्ति है। हमें एक-दूसरे का समर्थन करते हुए बेहतरीन चीजें बनाने के लिए एक साथ आने की आवश्यकता है। टेलीविजन शो में महिलाओं के काम को लेकर काम्या ने कहा, एक समय था जब महिलाओं को अक्सर कमजोर दिखाया जाता था, इसके बावजूद भी वह अपने दम पर दृढ़ रहते हुए अपने परिवार का समर्थन करने में कामयाब रहीं। उन्होंने आगे कहा, मेरा किरदार मोहिनी बहुत ही मजबूत और दृढ़ निश्चयी है। मेरा शो इश्क जबरिया भी दो महिलाओं के बीच के संघर्ष को दिखाता है कि कैसे वे कभी-कभी एक-दूसरे को नीचा दिखा सकती हैं। इसके अलावा शो का मुख्य किरदार गुलकी (सिद्धि शर्मा) एक मजबूत महिला है जो हार नहीं मानती और अपने अधिकारों के लिए लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहती है। उन्होंने कहा कि समय बहुत बदल गया है, और अब हम स्क्रीन पर महिलाओं को शक्तिशाली रूप में देख सकते हैं। टेलीविजन पर किसी भी नायिका को देखें, वह कभी हार नहीं मानती, कभी हिम्मत नहीं हारती और आगे बढ़ती रहती है।

# केबीसी 16 में अमिताभ ने की पंकज की प्रशंसा

हाल ही में बिग बी ने केबीसी के सेट से फिल्म स्त्री 2 के एक एक्टर की जमकर तारीफ की है और बिग बी ने खुलासा किया कि वे इस एक्टर की सारी फिल्में देखते हैं। बिग बी ने केबीसी 16 के एक हालिया एपिसोड में स्त्री 2 के एक्टर पंकज त्रिपाठी को लेकर एक सवाल किया। बिग बी ने पारस मणि नाम के एक कंटेस्टेंट से 20,000 रुपये के लिए सवाल किया था कि, पंकज त्रिपाठी ने फिल्म मैं अटल हूं में इनमें से किसकी भूमिका निभाई है? इसके चार विकल्प सेलर, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और क्रिकेटर थे. सही जवाब प्रधानमंत्री था। आगे बिग बी ने पंकज त्रिपाठी की जमकर तारीफ की। बिग बी ने बताया कि, पंकज त्रिपाठी जो हैं वो एक सक्षम कलाकार हैं हमारी हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के। बहुत बढ़िया कलाकार हैं वो। उनकी जितनी फिल्में आती हैं हम देखते हैं और हम सीखते हैं, उनकी कला इतनी अच्छी है। जहां बिग बी हाल ही में ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि में नजर आए थे तो वहीं पंकज इन दिनों ब्लॉकबस्टर हो चुकी फिल्म स्त्री 2 में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर लीड रोल में नजर आ रहे हैं। वहीं पंकज के अलावा अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना अभी अहम रोल निभा रहे हैं। 15 अगस्त को रिलीज हुई स्त्री 2 बॉक्स ऑफिस पर गर्दा उड़ा रही हैं। फिल्म ने भारत में 12 दिनों के अंदर 422 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है, जबकि वर्ल्डवाइड फिल्म की कमाई 589 करोड़ रुपये हो चुकी है। बता दें कि हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन की पूरी दुनिया दीवानी है। अमिताभ बच्चन ने दुनियाभर में अपने फैंस बनाए हैं और हर किसी का मनोरंजन किया है। आज 81 साल की उम्र में भी बिग बी लगातार काम कर रहे हैं। हाल ही में बिग बी अपनी ब्लॉकबस्टर हो चुकी फिल्म कल्कि 2898 एडी में नजर आए थे। फिलहाल बिग बी अपने फैंस का अपने क्विज शो कौन बनेगा करोड़पति 16 से मनोरंजन कर रहे हैं।

# मेरा सबसे पसंदीदा सीन फाइनल कट में नहीं आया: राजकुमार राव

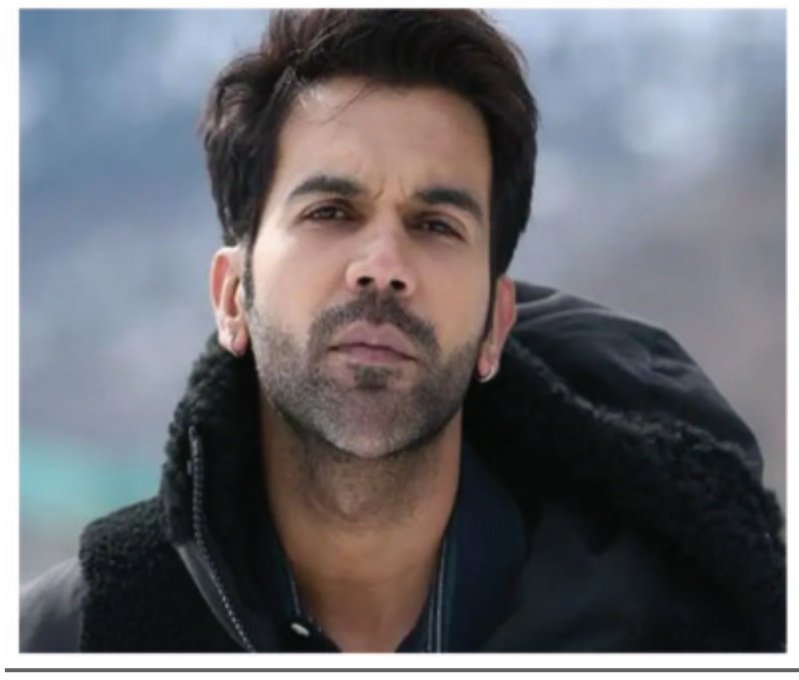

फिल्म स्त्री 2 में विक्की की भूमिका निभाने वाले राजकुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म की शूटिंग से एक अनदेखी तस्वीर शेयर की। अभिनेता ने फिल्म के मजेदार दृश्यों में से एक तस्वीर शेयर की। इसमें राव लड़की के कपड़ों में दिखाई दे रहे हैं। मगर यह सीन फाइनल कट में जगह नहीं बना पाया था।

इंस्टाग्राम पर अभिनेता के 7.8 मिलियन फॉलोअर्स हैं। तस्वीर में हम उन्हें लाल रंग के चमकदार टॉप, गोल्डन जैकेट और छोटी बैंगनी रंग की चमकदार स्कर्ट पहने हुए देख सकते हैं। उन्होंने लंबे बालों वाली विग और हील्स पहनी हुई हैं। पोस्ट का शीर्षक है, फिल्म स्त्री 2- सरकटे का आतंक का मेरा सबसे पसंदीदा और मजेदार सीन जो फाइनल कट में नहीं आया। क्या आप लोग फिल्म में ये सीन देखना चाहते हैं? आप सब बताइए। अभिनेता विजय वर्मा ने टिप्पणी की, हाहाहाहा मैं इसे देखने के लिए पैसे दूंगा। निमरत कौर ने कहा, बिक्की प्लीज।

फिल्म निर्माता गुनीत मोंगा ने लिखा, हां, इसे देखने के लिए पैसे दूंगा। अमर कौशिक द्वारा निर्देशित, निरेन भट्ट द्वारा लिखित और मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियो द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित यह फिल्म 2018 की फिल्म स्त्री का सीक्वल है। फिल्म में श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना हैं। फिल्म में शमा के रूप में तमन्ना भाटिया भी विशेष भूमिका में हैं। फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से अभिनय की पढ़ाई करने वाले राजकुमार ने 2010 में एंथोलॉजी फिल्म लव सेक्स और धोखा से अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्हें गैंग्स ऑफ वासेपुर पार्ट 2 और तलाश- द आंसर लाइज विदिन फिल्मों में सहायक भूमिकाओं में देखा गया था। उन्हें 2013 में काई पो चे, और शाहिद फिल्मों से सफलता मिली।

शाहिद में वकील शाहिद आजमी की भूमिका निभाने वाले राव ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता। वह डॉली की डोली, क्वीन, सिटीलाइट्स, अलीगढ़, बरेली की बर्फी, शादी में जरूर आना, ओमेर्टा, लूडो, भीड़, श्रीकांत और मिस्टर एंड मिसेज माही जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। राजकुमार के पास अगली फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और भूल चूक माफ है। बता दें कि इन दिनों अभिनेता राजकुमार राव अपनी हाल ही रिलीज हुई फिल्म स्त्री 2- सरकटे का आतंक की सफलता का आनंद ले रहे हैं।

# अवनि लेखरा ने रचा इतिहास, पैरालंपिक खेलों में दो स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

**पेरिस (एजेंसी)।** अवनि लेखरा शुक्रवार को यहां महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) स्पर्धा में जीत के साथ दो पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। वहीं इसी प्रतियोगिता में उनकी हमवतन मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीता।

तीन साल पहले टोक्यो पैरालंपिक स्वर्ण जीतने वाली 22 वर्षीय अवनि ने शानदार 249.7 अंक हासिल कर जापानी राजधानी में बनाए गए 249.6 के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ दिया जबकि 2022 में निशानेबाजी खेल में उतरने वाली मोना ने 228.7 अंक हासिल कर कांस्य पदक जीता।

अवनि 11 साल की उम्र में एक कार दुर्घटना में कमर के नीचे लकवाग्रस्त हो गई थी और उसके बाद से व्हीलचेयर पर हैं, 2021 में

टोक्यो पैरालिंपिक में निशानेबाजी में पदक जीतने वाली देश की पहली महिला निशानेबाज बनी थीं। निशानेबाजी में एसएच1 श्रेणी में ऐसे एथलीट शामिल होते हैं जिनकी भुजाओं, धड़ के निचले हिस्से, पैरों की गति प्रभावित होती है या जिनके कोई अंग नहीं होते हैं। क्वालीफिकेशन में गत चैंपियन अवनि ने 625.8 का स्कोर किया और इरीना शचेतनिक के बाद दूसरे स्थान पर रहीं जिन्होंने 627.5 के स्कोर के साथ पैरालंपिक क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड तोड़ा।

### ऐतिहासिक पदक जीत बोली अवनि लेखरा- अभी दो और पदक लाने हैं

शेटराउ। ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पैरा निशानेबाज अवनि लेखरा का ध्यान पेरिस पैरालंपिक में और अधिक पदक जीतने पर लगा है और उनका कहना है कि वह अपनी बची हुई दो स्पर्धाओं में भी पोडियम पर आना चाहती हैं। अवनि शुक्रवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) निशानेबाजी स्पर्धा लगातार दो पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं। तीन साल पहले टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली 22 वर्षीय अवनि ने शानदार 249.7 अंक हासिल कर तीन साल पहले के अपने ही पैरालम्पिक रिकॉर्ड 249.6 को तोड़ दिया। अवनि ने ऐतिहासिक जीत के बाद कहा कि यह बहुत करीबी फाइनल था। पहले, दूसरे और तीसरे स्थान के लिए बहुत कम अंतर था। लेकिन मैं नतीजों के बजाय अपने विचारों पर ध्यान लगा रही थी। इस चैम्पियन निशानेबाज ने कहा कि मुझे खुशी है कि इस बार भी एरीना में बजने वाला पहला राष्ट्रगान भारत का राष्ट्रगान था। मुझे अभी 2 और स्पर्धाओं में हिस्सा लेना है इसलिए मैं देश के लिए और पदक जीतने पर ध्यान लगाए हूं। वहीं अवनि के साथ कांस्य पदक जीतने वाली मोना अग्रवाल ने कहा कि काफी मुश्किल था लेकिन मैं सफल रही। इसलिये शुक्रिया। अवनि के साथ रहने निश्चित रूप से मदद की। वह एक चैम्पियन हैं और वह मुझे प्रेरित करती हैं। मोना (37 वर्ष) ने निशानेबाजी से पहले गोला फेंक, पावरलिफ्टिंग और व्हीलचेयर वॉलीबॉल सहित कई खेलों में हाथ आजमाया था। वह 228.7 अंक से कांस्य पदक जीतने में सफल रहीं।

## पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट का पहला दिन बारिश से धुला

**रावलपिंडी (एजेंसी)।** पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट मैच का शुरुआती दिन शुक्रवार को लगातार बारिश के कारण धुल गया। बांग्लादेश दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे है। उसने पिछले सप्ताह इसी स्थान पर 10 विकेट की ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी।

इस मैच में पाकिस्तान की दूसरी पारी पांचवें और अंतिम दिन महज 146 रन पर सिमट गई थी। तेज बारिश के कारण खिलाड़ी और टीम अधिकारी होटल में ही रुके रहे और अंपायरों ने स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:05 बजे दिन का खेल रद्द कर दिया। भारी बारिश के कारण मैदान का आउटफील्ड जलमग्न है। दोनों टीमें विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका में सबसे निचले स्थान पर काबिज वेस्टइंडीज से ठीक ऊपर हैं। इसमें बांग्लादेश सातवें स्थान पर और पाकिस्तान आठवें स्थान पर है।

पिछले साल शान मसूद को कप्तान बनाए जाने के बाद से लगातार चार टेस्ट मैच हार चुके पाकिस्तान ने दिसंबर 2021 में दक्षिण अफ्रीका को हराने के बाद से एक भी घरेलू टेस्ट नहीं जीता है। न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गये चार टेस्ट मैच ड्रॉ पर छूटे थे। पाकिस्तान ने अपनी 12 सदस्यीय टीम में तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को बाहर कर दिया और लेग स्पिनर अबरार अहमद के साथ एक और बाएं हाथ के स्पिनर मीर हमजा को इसमें शामिल किया है।

## पेरिस पैरालंपिक खेलों में भारत की शीतल ने बनाया नया विश्व रिकार्ड

**पेरिस (एजेंसी)।** भारत की 16 साल की तीरंदाज शीतल देवी ने पेरिस पैरालंपिक में एक नया रिकार्ड बनाया है। शीतल ने तीरंदाजी के क्वालिफिकेशन राउंड में 703 अंक हासिल किये। ये इन खेलों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। शीतल ने पहले दौर में 59, 59, 58, 56, 59, 57 का स्कोर किया जबकि दूसरे में उन्होंने 60, 57, 60, 59, 60, 59 का स्कोर किया। अब शीतल का लक्ष्य स्वर्ण पदक जीतना रहेगा। शीतल ने महिला व्यक्तिगत कंपाउंड आर्चरी के क्वालिफिकेशन में 720 में से 703 अंक हासिल किये। इसके साथ ही वह 698 अंक के अपने पिछले विश्व रिकॉर्ड से आगे निकल गयी हैं। शीतल ओवरऑल रैंकिंग राउंड में दूसरे स्थान पर रहीं। उन्हें अगले दौर में बाई मिली है और अब वह 31 अगस्त को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उतरेंगी। इस इवेंट में भारत की सरिता ने 682 का स्कोर किया और उसे 9 वां स्थान मिला। भारत ने पेरिस पैरालंपिक में 84 खिलाड़ियों का सबसे बड़ा दल भेजा है। शीतल के अलावा बैडमिंटन में 8 भारतीय खिलाड़ी जीते हैं। निशानेबाज सुहास यथिराज (एसएल4), सुकांत कदम (एसएल4), तरुण (एसएल4), नितेश कुमार ( एसएल 3), पलक कोहली (एसएल 4), तुलसीमति मुरुगेसन (एसयू 5), मनीषा रामदास (एसयू 5) और नित्या श्री सुमति सिवान (एसएच 6) ने पहले दौर के अपने-अपने मैच जीत लिए हैं।

## चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का पाकिस्तान जाना तय! इस पूर्व पाकिस्तान खिलाड़ी ने किया दावा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पाकिस्तान की मेजबानी में खेली जानी है। लंबे समय बाद टूर्नामेंट की वापसी हो रही है। टूर्नामेंट 19 फरवरी से 9 मार्च के बाच पाकिस्तान में खेला जाएगा। हालांकि टीम इंडिया टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान का दौरा करेगी या नहीं। ये अभी एक सवाल बना हुआ है, इसी बीच पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ी राशिद लतीफ की तरफ से दावा करते हुए कहा गया कि टीम इंडिया का पाकिस्तान आना 50 फीसदी तय है।

राशिद लतीफ ने जय शाह के आईसीसी चेयरमैन बनने के बाद ये दावा किया कि उन्होंने कहा कि जय शाह को आईसीसी चेयरमैन बनने में पाकिस्तान का भी सपोर्ट मिला है।

अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए राशिदा लतीफ ने कहा कि, अगर जय शाह निर्विरोध चुने गए हैं, तो इसका मतलब है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी सपोर्ट किया है।

उन्होंने आगे कहा कि, 50 फीदसी पक्का हो गया है कि टीम इंडिया पाकिस्तान आ रही है। इसके अलावा पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी ने जय शाह के बारे में बात करते हुए कहा कि, जय शाह का काम अब तक फायदेमंद रहा है, फिर चाहें वह बीसीसीआई के लिए

हो या आईसीसी के लिए, बता दें कि जय शाह आईसीसी के चेयरमैन बन चुके हैं और 1 दिसंबर से वह अपने पद का कार्यभार संभालेंगे।

वहीं कई मीडिया रिपोर्ट्स से यही पता चला है कि टीम इंडिया चैंपियंस ट्रॉपी के लिए पाकिस्तान का दौरा करने के मूड में नहीं दिख रही है। हालांकि, कई रिपोर्ट्स में हाइब्रिड मॉडल को लेकर भी बात की गई है। बताया गया कि टीम इंडिया चाहती है कि टूर्नामेंट में उनके मुकाबले किसी न्यूट्रल वेन्यू पर हाइब्रिड मॉडल के तहत हों, हालांकि अब तक कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

## शूटिंग में भारत को एक और पदक, मनीष नरवाल ने जीता सिल्वर मेडल

स्पोर्ट्स डेस्क । टोक्यो खेलों के स्वर्ण पदक विजेता निशानेबाज मनीष नरवाल ने शुक्रवार को पेरिस पैरालिंपिक में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल (एसएच1) स्पर्धा में रजत पदक जीतने से पहले कड़ी टक्कर दी। 22 वर्षीय नरवाल ने टोक्यो में 50 मीटर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था, काफी समय तक बढ़त बनाए हुए थे, लेकिन लगातार खराब स्कोर के कारण वह पिछड़ गए और अनुभवी दक्षिण कोरियाई निशानेबाज जो जोंगडू के सामने बढ़त हासिल कर ली। भारतीय पिस्टल निशानेबाज शिवा नरवाल के बड़े भाई नरवाल ने 234.9 का स्कोर किया, जबकि जोंगडू ने 237.4 के कुल स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले अवनि लेखरा शुक्रवार को यहां महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) स्पर्धा में जीत के साथ दो पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं। वहीं इसी प्रतियोगिता में उनकी हमवतन मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीता। भारत ने अब तक पैरालंपिक में चार पदक अपने नाम कर लिए हैं।

## राहुल नीलामी में उतरेंगे तो उन्हें खरीद सकती हैं ये तीन टीमें

मुम्बई। आईपीएल के अगले सत्र में केएल राहुल के लखनऊ सुपर जायंट्स को छोड़कर किसी अन्य टीम में जाने की संभावनाएं जतायी जा रही हैं। इसका कारण है कि पहले दो सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स उनकी कप्तानी में प्लेऑफ में पहुंची पर साल 2024 में उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसे में माना जा रहा है कि उन्हें शायद ही टीम में बरकरार रखा जाये। ऐसे में अगर उन्हें रिलीज किया जाता है तो राहुल को कई टीम शामिल करने को तैयार रहेंगी।

ये टीमें हैं पंजाब किंग्स, आरसीबी और गुजरात टाइटंस।

**पंजाब किंग्स-** आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में राहुल को खरीदने के लिए पंजाब किंग्स भी उत्साहित रहेगी। इसका कारण है कि कप्तान शिखर धवन ने संन्यास ले लिया है और टीम को एक बेहतर बल्लेबाज की जरुरत है। ऐसे में पंजाब किंग्स की टीम अपने पुराने कप्तान केएल राहुल को फिर से टीम शामिल करना चाहेगी, इससे उसकी कप्तानी की समस्या भी दूर हो जाएंगी।

**आरसीबी -** आरसीबी की टीम आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में राहुल को खरीदने मोटी रकम लगा सकती है। इसकी वजह ये है कि आरसीबी के पास विराट कोहली के अलावा दूसरा बड़ा भारतीय बल्लेबाज नहीं है। राहुल के टीम में आने से आरसीबी को मजबूती मिलेगी। दिनेश कार्तिक के संन्यास के बाद विकेटकीपिंग के रूप में राहुल बेहतर विकल्प होंगे और इस वजह से उन्हें खरीदने में आरसीबी की टीम दिलचस्पी दिखा सकती है।

**गुजरात टाइटंस-** गुजरात टाइटंस भी हार्दिक पांड्या के मुम्बई इंडियंस जाने के बाद आईपीएल 2024 में किसी अच्छे बल्लेबाज की तलाश कर रही है। शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटंस कुछ खास नहीं कर पाई। शुभमन की बल्लेबाजी अच्छी रही पर कप्तानी में वह फ्लॉप रहे। ऐसे में टीम शुभमन की जगह किसी अनुभवी को कप्तानी देना चाहेगी और इसके लिए रोहुल एक बेहतर विकल्प होंगे।।

## एमएस धोनी को आईपीएल 2025 में खेलना चाहिए, सुरेश रैना ने बताई बड़ी वजह

**चेन्नई (एजेंसी)।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व ऑलराउंडर सुरेश रैना चाहते हैं कि एमएस धोनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में खेलें क्योंकि टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में उनकी बल्लेबाजी शानदार रही थी। आईपीएल 2024 के ओपनर मुकाबले से पहले कप्तानी छोड़ने वाले धोनी को आईपीएल 2024 में फिनिशर के तौर पर खेला गया था, जहां उन्होंने 14 मैचों में 220.25 की स्ट्राइक रेट से 161 रन बनाए थे और उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 37 रन था।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल 2024 के ओपनर मुकाबले से पहले रुतुराज गायकवाड़ को चेन्नई स्थित फ्रेंचाइजी का नया कप्तान नियुक्त किया गया था। रैना ने स्पोर्ट्स तक से कहा, ''मैं चाहता हूं कि एमएस धोनी आईपीएल 2025 में खेलें, क्योंकि पिछले साल उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की थी। मुझे लगता है कि रुतुराज गायकवाड़ को एक और साल की जरूरत है, जिस तरह से उन्होंने कप्तानी की और आरसीबी से हार के बाद बहुत सी बातें कही गईं। हालांकि, रुतुराज ने शानदार प्रदर्शन किया है।'

आईपीएल 2024 में सीएसके की हार के बाद कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं कि बतौर खिलाड़ी एमएस धोनी का यह आखिरी आईपीएल होगा, लेकिन भारत के पूर्व कप्तान ने अभी तक कुछ भी नहीं कहा है। इस महीने की शुरुआत में हैदराबाद में एक कार्यक्रम में धोनी ने कहा था कि नए नियमों और विनियमों की घोषणा के बाद वह अपने आईपीएल करियर पर फैसला लेंगे। उन्होंने कहा, 'इसके लिए अभी बहुत समय है। हमें देखना होगा कि वे खिलाड़ी को बनाए रखने

आदि पर क्या निर्णय लेते हैं। अभी गेंद हमारे पाले में नहीं है। इसलिए, एक बार नियम और विनियम औपचारिक हो जाने के बाद मैं फैसला लूंगा, लेकिन यह टीम के सर्वोत्तम हित में होना चाहिए।'

## पेरिस पैरालंपिक 2024 के लिए गूगल ने बनाया डूडल

पेरिस। सर्च इंजन गूगल हमेशा ही बड़े अवसरों पर अपने डूडल पेश करता रहा है। इसी कड़ी में अब गूगल ने पेरिस पैरालंपिक खेलों के लिए व्हीलचेयर बास्केटबॉल का डूडल बनाकर उसके प्रति अपना सम्मान और समर्थन दिखाया है। व्हीलचेयर बास्केटबॉल दुनिया के 108 से अधिक देशों में खेला जाता है। इस खेल की दूसरे विश्व युद्ध के बाद हुई थी। इसका लक्ष्य घायल सैनिकों का पुनर्वास और उन्हें अवसाद से बाहर निकालना था। इस खेल को खिलाड़ी व्हीलचेयर की मदद से खेलते हैं। इसीलिए इसे व्हीलचेयर बास्केबॉल कहा जाता है। अंतरराष्ट्रीय व्हीलचेयर बास्केटबॉल फेडरेशन के अनुसार, यह खेल पहली बार 1945 में संयुक्त राज्य अमेरिका के दो अस्पतालों में खेला गया था। गूगल ने पेरिस पैरालंपिक 2024 के अवसर पर अपने डूडल पर इसी खेल को प्रदर्शित किया है। इस डूडल पर जाकर व्हीलचेयर बास्केटबॉल मैचों का कार्यक्रम देखा जा सकता है। पैरालंपिक में व्हीलचेयर बास्केटबॉल सबसे पहले 1960 में रोम खेलों में शामिल किए गए थे। रोम पैरालंपिक में कुल आठ खेल हुए थे, जिनमें व्हीलचेयर बास्केटबॉल भी शामिल था। वहीं रोम पैरालंपिक में व्हीलचेयर बास्केटबॉल में दो मुकाबले हुए थे।

## जो रूट ने फिर जड़ा शतक, फैब-4 की रेस में सबसे आगे, सचिन तेंदुलकर के 2 वर्ल्ड रिकॉर्ड टूटने की कगार पर

**स्पोर्ट्स डेस्क ।** श्रीलंका के खिलाफ लार्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में भी इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज जो रूट ने शतक जड़ दिया। 33 साल के जो शतक है। वहीं पिछले चार सालों में रूट का ये 16वा शतक है। इसके साथ ही जो रूट अब फैब-4 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट की पहली पारी में जो रूट ने 206 गेंद में 143 रनों की पारी खेली। इस दौरान रूट के बल्ले से 18 चौके निकले। 50 के अंदर दो और 100 के भीतर तीन विकेट गिरने के बाद रूट एक छोर पर चट्टान बन गए। इस तरह खराब शुरुआत के बाद भी इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट के पहले दिन सात विकेट पर 358 रन बना लिए।

2021 से तक जो रूट शतकों के मामलों में फैब-4 में चौथे नंबर पर थे। फिर 2021 में रूट के बल्ले से 6 शतक निकले। इसके बाद अगले साल यानी 2022 में रूट ने पांच शतक जड़ डाले। हालांकि, 2023 जो रूट के लिए उतना अच्छा नहीं रहा। वैसे, 2023 में इंग्लैंड ने ज्यादा टेस्ट मैच भी नहीं खेले। 2023 में रूट ने दो शतक मारे। वहीं इस साल अब तक उनके बल्ले से 3 शतक आ चुके हैं।

फैब-4 की बात करें तो अब जो रूट 33 शतकों के साथ पहले नंबर पर हैं। वहीं, न्यूजीलैंड के केन विलियमसन के नाम 32 शतक हैं। ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ भी 32 शतक लगा चुके हैं। भारत के विराट कोहली के नाम 29 शतक ही हैं।

फिलहाल, रूट की नजरें सचिन तेंदुलकर के दो वर्ल्ड रिकॉर्ड पर है। पहला टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड, और दूसरा टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतकों का रिकॉर्ड, सचिन के नाम 15921 रन और 51 शतक हैं। वहीं रूट के नाम अभी 12274 रन और 33 शतक हैं। टेस्ट क्रिकेट में अभी सबसे ज्यादा रन बनाने का मामले में रूट सातवें नंबर हैं। हालांकि, 199 रन और बनाते ही वह टॉप 5 में शामिल हो जाएंगे।

## स्टार हॉकी प्लेयर जॉनी गौड्रेउ और उनके भाई मैथ्यू की मौत

स्पोर्ट्स डेस्क । अमेरिकी हॉकी स्टार जॉनी गौड्रेउ और उनके भाई मैथ्यू की अकल्पनीय त्रासदी के बाद मौत हो गई है, कोलंबस ब्लू जैकेट्स ने शुक्रवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से घोषणा की। टीम ने एक्स पर एक पोस्ट में भाइयों की मौत की पुष्टि की, लेकिन घटना के बारे में कोई अन्य विवरण जारी नहीं किया गया है। एनएचएल कमिश्नर गैरी बेटमैन ने भी जॉनी गौड्रेउ के निधन के बारे में एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया कि वह सिर्फ एक शानदार हॉकी खिलाड़ी नहीं थे, वह एक प्यार करने वाले पिता और प्यारे पति, बेटे, भाई और टीम के साथी थे, जिन्होंने अपने रास्ते में आने वाले हर भाग्यशाली व्यक्ति को अपना दीवाना बना लिया। 31 वर्षीय गौड्रेउ जुलाई 2022 में कैलगरी फ्लेम्स से अप्रतिबंधित फ्री एजेंट के रूप में हस्ताक्षर करने के बाद ब्लू जैकेट्स के शीर्ष फॉरवर्ड थे। एक लोकप्रिय विवाह साइट पर पोस्ट के अनुसार गौड्रेउ और उनके भाई को शुक्रवार को फिलाडेल्फिया में अपनी बहन की शादी में शामिल होना था। गौड्रेउ के अपनी पत्नी मेरेडिथ के साथ दो छोटे बच्चे थे, एक बेटी, नोआ और बेटा जॉनी और दोनों का जन्म कोलंबस में हुआ था।

## जसप्रीत बुमराह को सबसे घातक बल्लेबाज कौन लगता है? भारतीय तेज गेंदबाज ने दिया मजेदार जवाब

**मुम्बई (एजेंसी)।** भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मौजूदा समय में विश्व के बेस्ट तेज गेंदबाज हैं और इसमें कोई शक भी नहीं है। लेकिन क्या बुमराह को गेंदबाजी के दौरान किसी बल्लेबाज से डर लगता है? तो इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि सच तो ये है कि कोई भी बल्लेबाज मेरे दिमाग पर हावी नहीं हो सकता है।

बुमराह चेन्नई के कॉलेज फंक्शन में बातचीत के दौरान बुमराह से पूछा गया कि आपको गेंदबाजी के दौरान सबसे घातक बल्लेबाज कौन लगता है? जवाब में बुमराह ने कहा, 'मैं इस सवाल का अच्छा जवाब देना चाहता हूं. सच तो ये है कि कोई भी बल्लेबाज मेरे दिमाग पर हावी नहीं हो सकता है। मैं किसी को खुद पर हावी नहीं होने देता हूं। मैं सभी बल्लेबाजों का सम्मान करता हूं, लेकिन मन ही मन मैं खुद से बात करते हुए कहता हूं कि यदि मैं अपना काम सही से करूंगा तो दुनिया में कोई भी ऐसा खिलाड़ी नहीं है जो मुझे रोक सके। मैं विरोधी खिलाड़ी के बजाय खुद को देखता हूं। हर चीज पर मेरा कंट्रोल है और अगर मैं खुद को सबसे अच्छा बनाने का मौका देता हूं, तो बाकी सभी चीजें अपने आप ठीक हो जाएंगी।'

गौर हो कि टी20 विश्व कप 2024 के बाद से बुमराह ने अभी तक एक भी मुकाबला नहीं खेला है। वह छुट्टी पर है। टी20 विश्व कप 2024 अभियान के बाद भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे और श्रीलंका का दौरा किया था, बुमराह दोनों ही दौरे पर टीम के साथ नजर नहीं आए थे। अब भारतीय टीम बांग्लादेश के साथ सीरीज खेलती हुई नजर आएगी और सूत्रों के मुताबिक बुमराह इस सीरीज से भी दूर रहेंगे।

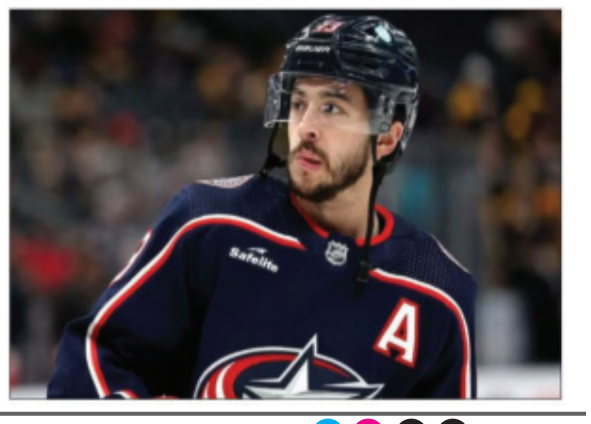

## एक नजर

### अमेरिका ट्रंप को भूलने और नये मार्ग पर चलने को तैयार : कमला हैरिस

**वाशिंगटन :** राष्ट्रपति चुनाव की गहमागहमी के बीच पहली अश्वेत और दक्षिण एशियाई मूल की अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने गुरुवार को एक साक्षात्कार में अपने प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा, "अमेरिका नये मार्ग पर चलने और डोनाल्ड ट्रंप को भूलने के लिए तैयार है। ट्रंप चुनाव में ऐसा माहौल बना रहे हैं, जो अमेरिकी चरित्र को कमजोर कर रहा है। डोनाल्ड अमेरिका को बांट रहे हैं। कमला हैरिस से पूछा गया कि ट्रंप अकसर आपको अति उदारवादी नेता बताते हैं, इस पर आपकी राय क्या है उन्होंने कहा, " मैं मध्यमार्गी हूं। अवैध आव्रजन पर मेरा रुख सख्त रहेगा। विवादित तेल गैस फ्रैकिंग तकनीक का वह समर्थन करती हैं और करती रहेंगी। वह अपने उदार मूल्यों को कभी नहीं छोड़ेंगी।" कमला हैरिस ने साक्षात्कार में गाजा में युद्धविराम का समर्थन करते हुए कहा कि वह इजराइल का समर्थन करेंगी। साथ ही इजराइल को हथियारों की आपूर्ति जारी रखेंगी। उनका रुख साफ है। वह इस पर राष्ट्रपति जो बाइडेन की नीति पर चलेंगी। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनाई गई कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच 10 सितंबर को पहली बहस फिलाडेल्फिया में होनी है। हैरिस अभी तक के सर्वेक्षणों में ट्रंप से आगे हैं। देश में नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होना है।

### दुष्कर्म को लेकर सख्त कानून बनाने की मांग सीएम ममता ने पीएम मोदी को फिर लिखी चिट्ठी

**कोलकाता :** मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर से चिट्ठी लिखकर दुष्कर्म के खिलाफ सख्त कानून बनाने की मांग की है। इस चिट्ठी को उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर भी साझा किया। मुख्यमंत्री ने 22 अगस्त को पहली बार प्रधानमंत्री को इसी विषय पर चिट्ठी लिखी थी, जिसका उन्होंने शुरूआत में ही जिक्र किया है। ममता ने अपनी पहली चिट्ठी में संसद में बिल पास कर दुष्कर्मियों को 'सख्त और उदाहरण प्रस्तुत करने वाली सजा' की जरूरत बताई थी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री को लिखी अपनी दो पन्नों की चिट्ठी में कहा है, ₹इस अत्यंत संवेदनशील मुद्दे पर लिखी गई उस चिट्ठी का कोई जवाब अब तक नहीं मिला है। हालांकि, उन्होंने बताया कि पहली चिट्ठी की एक प्रति केंद्रीय महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय को भेजी गई थी, जिसका जवाब उन्हें मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय की तरफ से आए जवाबी चिट्ठी में इस मुद्दे पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। उन्होंने लिखा, मैंने जिस गंभीरता से इस समाज से जुड़े अहम मुद्दे पर सोचा था, वह गंभीरता मंत्रालय के साधारण जवाबी पत्र में नहीं दिखी।

# केंद्र व राज्य की योजनाओं का लाभ निचले स्तर के पात्र तक पहुंचाएं अधिकारी : राज्यपाल

एजेंसी

**जयपुर/श्रीगंगानगर :** राज्यपाल हरीभाऊ बागडे ने केन्द्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने, बॉर्डर एरिया में विकास कार्यों की प्रभावी योजना बनाकर कार्य करने और जिले को टीबी मुक्त करने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाने का आह्वान किया है। उन्होंने घुमंतू परिवारों के बच्चों की शिक्षा के लिए भी कार्य करने, पिछड़े क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए उत्कृष्ट विद्यालय की व्यवथा के लिए भी गंभीर प्रयास करने पर जोर दिया है। राज्यपाल बागडे गुरुवार को श्रीगंगानगर कलेक्ट्रेट सभा हॉल में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार की संचालित योजनाओं का लाभ निचले स्तर तक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना हमारा दायित्व है। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्र के गांवों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाए। सीमांत क्षेत्र के गांवों में चिकित्सा, शिक्षा, सड़क सहित अन्य प्रकार की व्यवस्थाएं व सुविधाएं मिलनी चाहिए। बागडे ने कहा कि हर घर नल योजना का लाभ सभी परिवारों को मिलना चाहिए। उन्होंने वर्षा जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक मदद देने के साथ-साथ उन्हें मार्केटिंग की सुविधा प्रदान की जाए ताकि वे बाजार में अपने उत्पादों का विक्रय कर सकें। बागडे ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि कोई भी गांव या ढाणी सड़क सुविधा से वंचित न रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि कोयले की मात्रा सीमित है। ऐसे में सूर्य घर योजना बहुत ही कारगर योजना है, जिसका लाभ प्रत्येक नागरिक को लेना चाहिए। विभाग इस योजना की व्यापक जानकारी आमजन तक पहुंचाए। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के तहत जरूरतमंद परिवारों को मिलने वाले उपचार तथा चिकित्सा सुविधा पर चर्चा करते हुए योजना की समीक्षा की। बागडे ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि कोई भी ऐसा गरीब पात्र परिवार बिना आवास के न रहे, इस पर ध्यान दिया जाए। गरीब परिवारों के घरों में शौचालय निर्माण की जानकारी ली गई। बैठक में उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा विद्यालय जाने से वंचित न रहे, इसके लिए शिक्षकगणों को ध्यान देना होगा। जो बच्चा किसी कक्षा में फेल हो जाता है, तो उसे पुनः परीक्षा दिलाने के लिए अध्यापक ध्यान दें। घुमंतू परिवार के बच्चों को भी शिक्षा से जोड़ने पर जोर दिया गया। बैठक में उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की समीक्षा की। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि जिले के किसान इस योजना से जुड़े हुए हैं तथा माननीय मुख्यमंत्री द्वारा 2000 रुपये प्रति किसान को देने की घोषणा के अनुरूप किसानों को राशि का भुगतान किया गया है। किसान की फसल अच्छी हो, इसके लि प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ की गई मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना की समीक्षा की गई।

# गुजरात के बाढ़ ग्रस्त शहरों में तीनों सेनाओं का राहत अभियान तेज

एजेंसी

**नई दिल्ली :** गुजरात के बाढ़ग्रस्त शहरों में तीनों सेनाओं ने राहत अभियान चला रखा है। वायु सेना ने तीन दिनों में 18 लोगों को एयरलिफ्ट करने के साथ ही 3500 से अधिक राहत पैकेट हवाई जहाज से गिराए हैं। सेना की गोल्डन कटार डिवीजन की बाढ़ राहत टुकड़ी ने खंभालिया, द्वारका से 150 फंसे हुए लोगों को निकाला है। भारतीय नौसेना ने भी बचाव एवं राहत कार्य बढ़ाने के लिए टीमें तैनात की हैं और अतिरिक्त बचाव दल को स्टैंडबाय पर रखा है। वायु सेना ने गुजरात के बाढ़ग्रस्त शहरों के लिए राहत अभियान तेज कर दिया है। तीन दिनों के भीतर भारतीय वायुसेना ने चौबीसों घंटे किए गए ऑपरेशन के दौरान 18 लोगों को एयर लिफ्ट किया और 3500 से अधिक आवश्यक आपूर्ति पैकेट हवाई मार्ग से गिराए। वायु सेना ने मानवीय सहायता और आपदा राहत के लिए विभिन्न एयरक्राफ्ट तैनात किए हैं, जिसमें परिवहन विमानों ने राहत सामग्री को निकटतम हवाई क्षेत्रों में पहुंचाया। हेलीकॉप्टरों में चेतक, चीता, एमआई-17 शामिल हैं, जिन्होंने जामनगर और वडोदरा में फंसे स्थानीय लोगों के लिए जीवन रक्षक आवश्यक वस्तुएं गिराईं। गोल्डन कटार डिवीजन की बाढ़ राहत टुकड़ी ने खंभालिया, द्वारका से 150 फंसे हुए लोगों को निकाला। गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने भारतीय सेना की टीम से बातचीत की और भारी बारिश के बावजूद राहत कार्यों को सराहा। भारतीय सेना की टुकड़ियां बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों वडोदरा, जामनगर और राजकोट में भोजन और चिकित्सा सेवा प्रदान कर रही हैं। अब तक 10 हजार से अधिक परिवारों को राहत सामग्री के साथ सहायता पहुंचाई गई है। भारतीय सेना की बाढ़ राहत टीमें, बाल्ड ईगल ब्रिगेड, बाबावाड़ी मांडवी में बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। टीमें हर मुश्किल का सामना कर रही हैं और अब तक 200 लोगों को निकाला जा चुका है तथा प्रभावित स्थानीय लोगों को चिकित्सा सहायता दी जा रही है। भारतीय नौसेना ने गुजरात में एचएडीआर प्रयासों को बढ़ाने के लिए टीमें तैनात कीं हैं। गुजरात में लगातार बारिश के बाद बाढ़ जैसी स्थिति के कारण स्थानीय प्रशासन के अनुरोध पर एचएडीआर प्रयासों को बढ़ाने के लिए पोरबंदर और जामनगर में भारतीय नौसेना की बाढ़ राहत टीमों को तैनात किया गया है।

### बढ़ रहे हैं मलेशिया के पर्यटक

**नई दिल्ली :** भारत में मलेशिया से आने वाले पर्यटकों की संख्या की बढ रही है। शुक्रवार को पर्यटन मंत्रालय ने बताया कि साल 2022 में मेलशिया से आने वाले पर्यटकों की संख्या ढाई लाख रही है। आने वाले समय में यह संख्या कई गुना बढ़ने की संभावना है। इसी के मद्देनजर दोनों देशों के बीच पर्यटन के क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इसी महीने भारत के पर्यटन मंत्रालय और मलेशिया सरकार के पर्यटन, कला और संस्कृति मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत के पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और मलेशिया के पर्यटन, कला और संस्कृति मंत्री वाई बी दातो टिओंग किंग सिंग के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। समझौता ज्ञापन के मुख्य उद्देश्य पर्यटन उत्पादों और सेवाओं का प्रचार और विपणन,विनिमय कार्यक्रमों सहित पर्यटन अनुसंधान, प्रशिक्षण और विकास के क्षेत्र में विस्तार, चिकित्सा पर्यटन के क्षेत्र में सूचनाओं का आदान-प्रदान करना प्रोत्साहन, सम्मेलन, प्रदर्शनियां शामिल हैं।

# जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवित करने के लिए प्रभावी योजनाएं बनायें

एजेंसी

**देहरादून :** अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने शुक्रवार को सभी अधिकारियों को प्राकृतिक जल स्रोतों, नालों और नदियों के संरक्षण और उन्हें पुनर्जीवित करने के लिए बेहतर और प्रभावी कार्य योजनाएं बनाकर शासन को भेजने के निर्देश दिये। अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने शुक्रवार को सचिवालय में स्प्रिंग एंड रिवर रिजूविनेशन प्राधिकरण, उत्तराखण्ड की 11वीं जनपद एवं अर्न्तविभागीय समीक्षा बैठक में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने सभी जिला अधिकारियों एवं विभाग से बेस्ट प्रैक्टिस अपनाते हुए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जल स्रोतों के संरक्षण के लिए लघु एवं दीर्घ कालीन नीतियों पर कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि संबंधित क्षेत्र के अत्यधिक महत्वपूर्ण जल स्रोतों का संरक्षण एवं पुनजीर्वीकरण को शीर्ष प्राथमिकता में रखते हुए कार्य किए जाएं। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि चिन्हित किए गए जल स्रोतों एवं नदियों का जिओ-हाइड्रोलॉजिकल अध्ययन करवा कर उसकी नियमित समीक्षा की जाए। उन्होंने सभी जिला अधिकारियों को जिलों के विभिन्न स्थानों पर बनाए गए अमृत सरोवर के ग्राउंड वेरिफिकेशन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सारा से संबंधित कार्य योजनाओं में किसी तरह की दिक्कत आने पर तुरंत शासन में संबंधित विभाग को अवगत करवाया जाए। सभी संबंधित विभाग आपसी सहयोग से जल संरक्षण के कार्य को करें। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि सारा के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जियो-टैगिंग अनिवार्य रूप से की जाए। सूखाग्रस्त क्षेत्रों में भू-जल रिचार्ज के दृष्टिगत प्रस्तावित कार्यों को तेजी से अमल में लाया जाए। वर्षा आधारित सहायक नदियों/धाराओं की उपचार योजनाओं का निरूपण वैज्ञानिक विधि से किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित जल स्रोतों का सतत रूप से अनुरक्षण सामुदायिक सहभागिता से सुनिश्चित किया जाए।

# नेपाल के पहले हाइड्रोजन प्लांट का प्रधानमंत्री ओली ने किया उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

**काठमांडू :** नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने काठमांडू विश्वविद्यालय के 29वें दीक्षांत समारोह में देश के पहले हाइड्रोजन प्लांट का शुक्रवार को उद्घाटन किया। इस प्लांट का निर्माण विश्वविद्यालय के छात्रों ने किया है। इस अवसर पर ओली ने हाइड्रोजन से चलने वाली कार का भी उद्घाटन किया। वह उसी कार से दीक्षांत समारोह स्थल पर पहुंचे। इस अवसर पर ओली ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित हरित हाइड्रोजन उत्पादन एवं रिफ्यूलिंग स्टेशन का निर्माण एक अनुकरणीय कार्य है। इस प्रकार के प्रकल्प का निर्माण सिर्फ विश्वविद्यालय में ही नहीं बल्कि अन्य स्थानों पर भी किया जाना चाहिए। ओली ने याद किया कि उनके पहले कार्यकाल में हरित हाइड्रोजन और पवन ऊर्जा से बिजली उत्पादन पर चर्चा और अध्ययन शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन वाहनों को पहली प्राथमिकता देनी चाहिए। विश्वविद्यालय के हाइड्रोजन इनिशिएटिव्स के प्रमुख और एसोसिएट प्रोफेसर विराजसिंह थापा ने बताया कि बिजली और पानी को संसाधित कर हाइड्रोजन में परिवर्तित किया गया है। विश्वविद्यालय में पिछले दो वर्षों से हरित हाइड्रोजन ईंधन के उत्पादन और उपयोग का अध्ययन और शोध चल रहा है। नेपाल ऑयल कॉरपोरेशन ने हाइड्रोजन उत्पादन और हाइड्रोजन वाहन संचालन के लिए विश्वविद्यालय को वित्तीय सहायता प्रदान की थी। निगम की मदद से हुंडई कंपनी की कारें पिछले अक्टूबर में दक्षिण कोरिया से आयात की गई थीं।

# एचएएल के साथ फ्रांसीसी कंपनी भारत में बनाएगी नई पीढ़ी के हेलीकॉप्टर इंजन

एजेंसी

- इंजन की डिजाइन और उत्पादन के लिए बेंगलुरु में स्थापित होगी संयुक्त उद्यम कंपनी
- नया संयुक्त उद्यम भारत-फ्रांस के बीच वर्तमान सहयोग के क्षेत्र को और विस्तार देगा

**नई दिल्ली :** अब स्वदेशी मल्टी-रोल हेलीकॉप्टरों और डेक-आधारित मल्टी-रोल हेलीकॉप्टरों के लिए भारत में ही इंजन बनाए जाएंगे। इसके लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने शुक्रवार को फ्रांसीसी कंपनी के साथ एक समझौता किया है। इंजन की डिजाइन और उत्पादन के लिए बेंगलुरु में संयुक्त उद्यम कंपनी स्थापित की जाएगी। नया संयुक्त उद्यम भारत-फ्रांस के बीच वर्तमान सहयोग के क्षेत्र को और विस्तार देगा। फ्रांसीसी कंपनी सफल हेलीकॉप्टर इंजन प्राइवेट लिमिटेड के साथ आज किये गए समझौते के तहत विकसित किये जाने वाले इंजन अगली पीढ़ी के हेलीकॉप्टरों में लगाए जाएंगे। इन इंजनों को 'अरावली' का नाम पश्चिमी भारत में शक्तिशाली पर्वत श्रृंखला से लिया गया है, जो महत्वपूर्ण इंजन प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की देश की आकांक्षाओं का प्रतीक है। कंपनी का पहला उद्देश्य नई पीढ़ी के 13 टन वाले भारतीय मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर के लिए इंजन बनाना है। इसका नौसैनिक संस्करण डेक आधारित मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर भी बनाया जाना है। एचएएल ने इंजन के संयुक्त डिजाइन, विकास, निर्माण और आपूर्ति शुरू करने के लिए एक एयरफ्रेमर अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। एचएएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सीबी अनंतकृष्णन ने कहा कि फ्रांसीसी कंपनी सफल के साथ यह साझेदारी भारत के एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्रों में तकनीकी आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण क्षण है। यह सहयोग न केवल आईएमआरएच और डीबीएमआरएच प्लेटफार्मों की परिचालन क्षमताओं को सुनिश्चित करेगा, बल्कि महत्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी विकास के व्यापक लक्ष्य में भी योगदान देगा। फ्रांसीसी कंपनी सफ्रान पहले से ही भारत के एएलएच, एलसीएच और एलयूएच में लगने वाले इंजनों के डिजाइन, विकास और उत्पादन में सहयोग कर रही है।

## संक्षिप्त खबरें

### प्रधानमंत्री आज तीन वंदे भारत ट्रेनों को दिखाएंगे हरी झंडी

**नई दिल्ली :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शनिवार दोपहर 12:30 बजे तीन वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री के ह्यमेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को साकार करते हुए अत्याधुनिक वंदे भारत एक्सप्रेस मेरठ-लखनऊ, मदुरै-बेंगलुरु और चेन्नई-नागरकोइल सहित तीन मार्गों पर कनेक्टिविटी में सुधार करेगी। मेरठ सिटी-लखनऊ वंदे भारत ट्रेन से यात्रियों को दोनों शहरों के बीच मौजूदा सबसे तेज ट्रेन की तुलना में लगभग 1 घंटे की बचत होगी। इसी तरह, चेन्नई एग्मोर-नागरकोइल वंदे भारत और मदुरै-बेंगलुरु वंदे भारत ट्रेनें क्रमशः 2 घंटे और लगभग 1 घंटे 30 मिनट की बचत करते हुए यात्रा पूरी करेंगी।

### पारिवारिक विवाद के बाद महिला ने चार बच्चों के साथ कुएं में लगाई छलांग, ग्रामीणों ने बचाई जान

**छिंदवाड़ा :** छिंदवाड़ा के तामिया में यादव मोहल्ला बाजार रोड पर बने एक कुएं में शुक्रवार को एक महिला अपने चार बच्चों के साथ कुंए में कूद गई। जैसे ही महिला ने बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगाई, उसके बाद हड़कंप मच गया। महिला के कूदने के तत्काल बाद ही स्थानीय लोगों ने उसे बचा लिया और उसके साथ चारों बच्चों को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। समय रहते लोगों की सूझबूझ से सभी को सुरक्षित बचा लिया गया। बताया जा रहा है कि पारिवारिक विवाद के कारण महिला ने खौफनाक कदम उठाया। जानकारी अनुसार जिले के तामिया में शुक्रवार सुबह परिवारिक विवाद के कारण इंद्रा कालोनी निवासी धन्नू मालवी और पत्नी कीर्ति मालवी (35) में पारिवारिक विवाद हुआ था। इसके बाद गुस्से में कीर्ति ने चेतन (6 साल), हिमाक्षी (4 साल), प्रथम (2 साल) और एक अन्य डेढ़ साल की बच्ची को लेकर कुएं में छलांग लगा दी। गनीमत रही कि मोहल्ले के लोगों ने देख लिया। तामिया के 3 युवक महेश भारती पुत्र सुमरलाल भारती निवासी सिधौली, आतिश पुत्र फुलराम भारती निवासी तमिया व एक अन्य युवक ने तत्काल ही कुएं में कूदकर महिला और 4 बच्चों की जान बचाई। मामले की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला ने पारिवारिक विवाद के कारण यह कदम उठाया। इस घटना के बाद महिला के परिजन सदमे में हैं। यदि स्थानीय लोग समय रहते यह घटना नहीं देखते, तो एक बड़ी अनहोनी हो सकती थी। मौके पर तामिया पुलिस भी पहुंच गई और महिला कुएं में क्यों कूदी इसकी जांच कर रही है। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं हो पाया है कि महिला का बच्चों के साथ इतना बड़ा कदम उठाने के पीछे क्या विवाद थे। पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई है।

### भिक्षा देना और स्वीकार करना मूल उद्देश्य से अलग हो गया है : मानवाधिकार आयोग

**नई दिल्ली :** राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के मुख्यालय में शुक्रवार को भिक्षावृत्ति रोकने और भिक्षावृत्ति में लगेव्यक्तियों के पुनर्वास पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस दौरान एनएचआरसी की कार्यवाहक अध्यक्ष विजया भारती सयानी ने कहा कि तेजी हो रहे आर्थिक विकास, केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा लागू की गई कल्याणकारी कार्यक्रमों के बावजूद भीख मांगने की प्रथा पर रोक नहीं लग पा रही है। पहले, भिक्षा देना और स्वीकार करना विनम्रता पैदा करने के उद्देश्य से आध्यात्मिक प्रथाओं का हिस्सा था, लेकिन अब वह भाव समाप्त हो गया है और अनेक प्रकार की विसंगतियां भी पैदा हो गई हैं। विजया भारती सयानी ने बताया कि 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 4 लाख 13 हजार से अधिक भिखारी थे। इनमें महिलाएं, बच्चे, ट्रांसजेंडर और बुजुर्ग शामिल हैं जो जीवनयापन के लिए भीख मांगने को मजबूर हैं। पर यह भी दिखाई देने लगा है कि अब भीख मांगना एक धंधा बन गया है और इसमें आपराधिक प्रवृत्ति के साथ ही बच्चों तस्करी तक शामिल हो गई है।

### श्रीमद् रामायण में श्री राम और सीता के वनवास से लौटने पर अयोध्या में पहली दिवाली मनाई गई

**मुंबई :** सोनी सब के 'श्रीमद् रामायण' का बहुत महत्व है और यह श्री राम (सुजय रेऊ) के जीवन और शिक्षाओं को उसके शुद्धतम रूप में बयान करता है। चौदह साल के कठिन वनवास और रावण (निकितिन धीर) के साथ महायुद्ध के बाद श्री राम और सीता (प्राची बंसल) की दिव्य जोड़ी अयोध्या लौटी हैं। उनकी वापसी से पहले श्री राम, हनुमान (निर्भय वाधवा) को उनके अयोध्या वापस आने की खबर देने के लिए भेजते हैं, ताकि निवासियों में कुछ आशा और उत्साह दिखे। हालांकि, हनुमान देखते हैं कि निवासी काफी दुखी और चिंतित हैं यह सोचकर कि उनकी प्यारी दिव्य जोड़ी कब वापस आएगी। आगामी एपिसोड में अयोध्या सहस्त्रमुखी रावण की अशुभ छाया से घिर जाएगी, जो शहर को अंधेरा कर देता है, जिससे निवासी भगवान राम और सीता की वापसी को लेकर चिंतित हो जाते हैं। निवासियों के मनोदशा को देखते हुए हनुमान और भरत (निखिलेश राठौर) सुझाव देते हैं कि लोगों को अंधेरे और नकारात्मकता को दूर करने के लिए दीये जलाने चाहिए। इसके बाद अयोध्या में रोशनी और खुशियों का माहौल बन जाता है, क्योंकि श्री राम और सीता आखिरकार लौट आते हैं। इस तरह श्रीमद् रामायण में श्री राम की भूमिका निभाने वाले सुजय रेऊ ने कहा, मैं अयोध्या के निवासियों की भावनाओं से गहराई से जुड़ा हुआ महसूस करता हूं, क्योंकि वे चौदह साल के वनवास के बाद श्री राम की वापसी का इंतजार कर रहे हैं। शो में यह क्षण आशा और अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है, जो दिवाली का असली सार है। मैं इस प्रतिष्ठित कहानी को जीवंत करने और श्री राम और सीता की घर वापसी की खुशी को हमारे दर्शकों के साथ साझा करने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रधान संपादक-देवेंद्र सिंह*** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**